THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

वर्ष-27 अंक : 203 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) आश्विन शु . 12/13, 2079 शुक्रवार, 7 अक्टूबर 2022

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

दिल्ली एयरपोर्ट पर 28 करोड़ की 7 घड़ियां जब्त

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के दो बड़े एयरपोर्ट पर गुरुवार को 100 करोड़ रुपये से अधिक के अवैध माल की जब्ती हुई। इनमें दिल्ली के इंदिरा गांधी इंटरनेशनल (आईजीआई) एयरपोर्ट से कस्टम विभाग ने दुबई से आए तस्कर के पास से 7 घड़ियां बरामद कीं। इनकी कीमत 28 करोड़ है। इनमें से एक घड़ी जैकब एंड कंपनी की है। इसमें हीरे जड़े हैं। इसकी कीमत 27 करोड़ है।

आईजीआई एयरपोर्ट के कस्टम कमिश्नर जुबैर रियाज कामिली ने बताया कि बरामद की गई घड़ियों में एक रॉलेक्स कंपनी की है। एक ब्रेसलेट और आईफोन भी जब्त किया गया है।

पीएफआई के सदस्यों को शादी की इजाजत नहीं

चार चरण में होती है भर्ती, वेतन-भत्ता मिलता है; इलाज से लेकर कानूनी मदद दी जाती है

भोपाल, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश में प्रतिबंधित चरमपंथी इस्लामी संगठन पीएफआई की जड़ें कितनी गहरी हैं, इसका अंदाजा इसी से लगा सकते हैं कि अब भी देश में इसके करीब दो लाख सदस्य सक्रिय हैं। इसकी परतें उधेड़ने के लिए पीएफआई की जांच में लंबे समय तक लगे रहे पुलिस और इंटेलिजेंस अफसरों ने जो जानकारी दी हैं वे काफी चौंकाने वाली हैं। जांच में सामने आया है कि पीएफआई ने राज्यों में ग्रामीण से लेकर राष्ट्रीय स्तर तक कमेटियां बना रखी हैं।

संगठन में नए सदस्य की भर्ती की प्रक्रिया के 4 चरण होते हैं। इनके लिए अलग-अलग पैमाने तय हैं। ट्रेनिंग देने, ब्रेनवॉश करने और लीगल दांव-पेंच के लिए अलग-अलग कैडर बने हुए हैं। हर कैडर के लोगों की सैलरी भी अलग-अलग है। इलाज से लेकर घर की जरूरत की हर चीज दी जाती है। बाहर भेजने पर अलग से खर्च देते हैं। पकड़े जाने पर सुप्रीम कोर्ट के बेहतर वकील लगाए जाते हैं।

महिलाओं का भी अलग विंग है

स्थायी सदस्य का दर्जा पाने के लिए 3 स्टेज की ट्रेनिंग पूरी करनी पड़ती है। स्थायी सदस्य को अपने होम टाउन से बाहर किसी और राज्य में काम करना होता है। वह शादी भी नहीं कर सकता। संगठन में महिलाओं की अलग विंग है। सभी को जिम्मेदारी दी जाती है कि वे अपने पड़ोस में रहने वाले 15 घरों को पीएफआई का सदस्य नहीं बनाएंगे, लेकिन उन्हें पीएफआई समर्थक बनाकर उनकी विचारधारा बदलनी होगी। उन्हें इस तरह बरगलाना है कि इस्लाम की बात आते ही वे सड़कों पर उतर जाएं।

4 चरणों में ऐसे काम करता है संगठन

किसी व्यक्ति को चुनने के बाद 4 महीने तक उस पर नजर रखी जाती है। उसके खानदान की पूरी हिस्ट्री तैयार करवाते हैं। फिर भरोसा होने पर पहली स्टेज का सदस्य बनाते हैं। नजर रखे गए 20 लोगों में से सिर्फ 2 ही कसौटी पर खरे उतर पाते हैं। ये ही पहली स्टेज के सदस्य बनते हैं। स्टेज-1 के सदस्य मुस्लिम बाहुल्य इलाकों में शाखाएं खोलने, लोगों को दवाई-खाना आदि पहुंचाने का काम करते हैं।

स्टेज-2 में स्टेज-1 में चुने गए 2 सदस्यों को 6 महीने काम करके साबित करना होता है वे पीएफआई और धर्म के कट्टरपंथी फॉलोअर बना सकते हैं। इसके बाद ही उन्हें स्टेज-2 में चुना जाता है। इसके बाद उन्हें सोशल मीडिया के जरिए मैसेज फैलाने से लेकर पुलिस से निपटने की ट्रेनिंग दी जाती है।

महाराष्ट्र, केरल में 3 महीने ट्रेनिंग करवाते हैं

स्टेज 3 में पहुंचने लोग वाले स्थायी सदस्य हो जाते हैं। उन्हें अपना घर और जिला छोड़ना पड़ता है। इसके बाद उन्हें सैलरी और भत्ते मिलने शुरू होते हैं। वर्दी मिलती है। 3 महीने की ट्रेनिंग के लिए महाराष्ट्र, केरल, कर्नाटक भेजा जाता है। इस दौरान उन्हें पूरा घर खर्च मिलता है। संगठन के विस्तार की ट्रेनिंग दी जाती है।

स्टेज 3 को पार करने वाले ही लेवल 1 एवं 2 के लिए ट्रेनर तैयार करते हैं। स्टेज-3 के सिर्फ 5% सदस्यों को ही इसमें प्रवेश दिया जाता है। इनका काम इंटरनेशनल लिंक्स बनाना और फंड को इकट्ठा करने के साथ ही उसे व्यवस्थित करना होता है।

जस्टिस शर्मा करेंगे पीएफआई पर पाबंदी की सुनवाई

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। केंद्र सरकार ने दिल्ली हाईकोर्ट के जस्टिस दिनेश कुमार शर्मा को 'पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया' (पीएफआई) और उसके संबद्ध संगठनों पर पाबंदी से संबंधित यूएपीए न्यायाधिकरण का प्रमुख बनाया है। यह प्राधिकरण इस पाबंदी को लेकर संबंधित पक्षों व केंद्र सरकार का पक्ष सुनकर पाबंदी पर विचार करेगा और फैसला देगा।

कानून मंत्रालय के न्याय विभाग द्वारा जारी परिपत्र के अनुसार न्यायमूर्ति शर्मा का गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) न्यायाधिकरण के प्रमुख के रूप में कार्यकाल मूल सेवा के तहत आएगा। न्यायमूर्ति शर्मा को दिल्ली हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एस. सी. शर्मा ने नामित किया है।

बता दें, यूएपीए के तहत किसी संगठन को प्रतिबंधित किए जाने के बाद सरकार द्वारा एक न्यायाधिकरण का गठन किया जाता है। यह न्यायाधिकरण यह तय करता है कि पाबंदी के लिए पर्याप्त आधार है या नहीं?

तय प्रक्रिया के मुताबिक, केंद्रीय गृह मंत्रालय कानून मंत्रालय से हाईकोर्ट के एक मौजूदा न्यायाधीश को न्यायाधिकरण के पीठासीन अधिकारी के रूप में नामित करने का अनुरोध करता है। इस पर, कानून मंत्री संबंधित हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश से न्यायाधिकरण का नेतृत्व करने के लिए एक न्यायाधीश के नाम की सिफारिश करने का अनुरोध करते हैं।

केंद्र सरकार ने 28 सितंबर को पीएफआई और उसके संबद्ध संगठनों पर पांच साल के लिए प्रतिबंध लगा दिया है। यह कार्रवाई कड़े आतंकवाद-रोधी कानून के तहत की गई है।

राष्ट्रपति को चमचा बोलने वाले कांग्रेस नेता को नोटिस

बयान में गुजराती नमक का भी जिक्र

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति पर विवादित बयान देने वाले कांग्रेस नेता उदित राज को गुरुवार को राष्ट्रीय महिला आयोग (एनसीडब्ल्यू) ने नोटिस दिया है। उदित राज ने अपने बयान में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को चमचा कहा था। उदित राज पहले भी अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में रह चुके हैं।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने गुजरात दौरे पर कहा था कि गुजरात में बना नमक सभी भारतीय खाते हैं। इसी पर उदित राज ने बुधवार को ट्वीट किया। लिखा, द्रौपदी मुर्मू जी जैसा राष्ट्रपति किसी देश को न मिले। चमचागीरी की भी हद है। कहती हैं 70 प्रतिशत लोग गुजरात का नमक खाते हैं। खुद नमक खाकर जिंदगी जिएं तो पता लगेगा।

उदित राज के इस बयान पर भाजपा प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, जैसे शब्द उदित राज ने राष्ट्रपति जी के लिए प्रयोग किए हैं, वो चिंताजनक है। हालांकि, पहली बार कांग्रेस ने इस प्रकार के शब्दों का प्रयोग राष्ट्रपति जी के लिए नहीं किया है। इससे पहले अधीर रंजन चौधरी ने भी किया था।' उदित राज को एनसीडब्ल्यू ने नोटिस जारी कर सफाई मांगी। इसके बाद उदित राज ने जवाब दिया- द्रौपदी मुर्मू जी से कोई दुबे, तिवारी, अग्रवाल, गोयल, राजपूत मेरे जैसा सवाल करता तो पद की गरिमा गिरती। हम दलित-आदिवासी आलोचना करेंगे और इनके लिए लड़ेंगे भी। हमारे प्रतिनिधि बनकर जाते हैं फिर गूंगे-बहरे बन जाते हैं।

बता दें कि 4 अक्टूबर को गांधीनगर में एक कार्यक्रम में राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि देश में 76 प्रतिशत नमक का उत्पादन गुजरात करता है और यह कहा जा सकता है कि राज्य द्वारा उत्पादित नमक सभी भारतीयों द्वारा खाया जाता है। उन्होंने इस दौरान गुजरात मॉडल की भी तारीफ की। मुर्मू ने कहा था कि प्रधानमंत्री मोदी गुजरात की प्रगतिशील एवं समावेशी संस्कृति के आदर्श प्रतिनिधि हैं।

लिट्रेचर का नोबेल फ्रेंच रायटर एनी को

कमेटी ने कहा- एनी के लेखन में साहस-संवेदना का संगम, भाषा भी बहुत आसान

स्टॉकहोम, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। इस साल साहित्य यानी लिट्रेचर का पुरस्कार फ्रांस की लेखिका एनी एर्नेक्स को देने का ऐलान किया गया है। नोबेल की वेबसाइट के मुताबिक- एनी बहुत आसान भाषा में गंभीर मुद्दों पर बात करती हैं। उनके लेखन में साहस के साथ संवेदना भी नजर आती है। उन्होंने हर वर्ग और तबके को अपने लेखन में समेटा। स्वीडन की राजधानी स्टॉकहोम में नोबेल प्राइज वीक 2022 के चौथे दिन इस प्राइज का ऐलान किया गया। 82 साल की एनी ने करीब 40 किताबें लिखी हैं। इनमें से 90% फ्रेंच में है। कुछ का अंग्रेजी में अनुवाद किया गया। इनमें पैशन सिम्पल, ला पैलेस, द इयर्स, ए फ्रोजन वुमन, हैपनिंग्स और डू वॉट ऑर द एल्स शामिल हैं।

नोबेल वीक 3 अक्टूबर को शुरू हुआ और यह 10 अक्टूबर तक चलेगा। 7 दिन में कुल 6 प्राइज अनाउंस होते हैं। सबसे आखिर में इकोनॉमिक्स कैटेगरी का नोबेल अनाउंस किया जाता। इस सप्ताह सिर्फ पुरस्कार जीतने वाले व्यक्ति या संस्थान के नामों का ऐलान होगा। दिसंबर में इन्हें प्राइज दिए जाएंगे। कोविड की वजह से 2020-21 के विजेता स्टॉकहोम नहीं पहुंच पाए थे। कमेटी ने इस बार इन दो साल के विजेताओं को भी स्टॉकहोम इनवाइट किया है।

शांति पुरस्कार नॉर्वे में प्रदान किया जाता है। बाकी सभी कैटेगरीज के प्राइज स्टॉकहोम में दिए जाते हैं। सोमवार को मेडिसिन का नोबेल स्वीडन के सावन्ते पाबो को दिए जाने का ऐलान हुआ था। मंगलवार को फिजिक्स और बुधवार को केमिस्ट्री के नोबेल का ऐलान किया गया था। दोनों ही पुरस्कार तीन-तीन वैज्ञानिकों को दिए गए हैं।

संतों की पदयात्रा पर रोक

यति नरसिंहानंद गिरी को तीन दिन के लिए किया नजरबंद, अधिकारी बोले-धारा 144 लागू

गाजियाबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। हिन्दू समाज को जागरूक करने के लिए गाजियाबाद से मेरठ तक होने वाली संतों की पदयात्रा को रोक दिया गया है। गाजियाबाद के पुलिस अधीक्षक देहात ईरज राजा और एसडीएम विनय कुमार सिंह यात्रा शुरू होने से पहले ही डासना स्थित शिव शक्ति धाम पर पहुंच गए। अधिकारियों ने धारा-144 लागू होने की बात कही। फिलहाल अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज को तीन दिन के लिए नजरबंद कर दिया है। महंत यति का आरोप है कि उनको जेल में सड़ाने की धमकी दी गई है।

दरअसल, शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर और श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़ा के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज अपने 20 शिष्यों के साथ शिवशक्ति धाम डासना से मेरठ के गांव खजूरी तक पदयात्रा करने वाले थे।

पदयात्रा में महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी सम्पूर्ण हिन्दू समाज को अपनी रक्षा स्वयं करने के लिए जागरूक करने वाले थे।

उन्होंने कहा कि आज भारत के हर हिंदू का परिवार और अस्तित्व खतरे में पड़ चुका है। उन्होंने यह भी कहा कि संतों की पदयात्रा एक इतिहास रचेगी और हिन्दू के आत्मविश्वास को जागृत करेगी। उन्होंने सभी हिंदुओं से उनका साथ देने का आह्वान किया। हालांकि प्रशासन ने पदयात्रा पर रोक लगा दी गई है। साथ ही तीन दिन के लिए महंत यति को नजरबंद कर दिया गया है।

जयशंकर ने न्यूजीलैंड के समकक्ष से की बातचीत, छात्र वीजा का उठाया मुद्दा

ऑकलैंड, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने गुरुवार को यहां न्यूजीलैंड के अपने समकक्ष नानाया महुता के साथ बातचीत की और भारतीय छात्रों के सामने आने वाले वीजा मुद्दों, यूक्रेन संघर्ष और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा के अलावा अन्य द्विपक्षीय मुद्दों सहित व्यापक मुद्दों पर चर्चा की। देश के दौरे पर आए जयशंकर ने संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, "हिंद-प्रशांत में सुरक्षा स्थिति, यूक्रेन संघर्ष के परिणाम जैसे कुछ मौजूदा, कुछ दबाव वाले मुद्दों पर चर्चा हुई और स्वाभाविक रूप से हमने प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर कुछ समय बिताया।"

उन्होंने कहा, "पिछले कुछ वर्षों में भारत जिन कुछ पहलों को प्रायोजित कर रहा है, वे अंतर्राष्ट्रीय सौर गठबंधन, आपदा प्रतिरोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन, लचीला द्वीप राज्यों के लिए पहल और न केवल द्विपक्षीय रूप से, बल्कि अन्य देशों के साथ सहयोग करने का उनका महत्व है।

भैंसों से टकराई वंदेभारत ट्रेन

अहमदाबाद में हुई घटना, ट्रेन के फ्रंट का हिस्सा टूटा

अहमदाबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन गुरुवार को अहमदाबाद रेलवे स्टेशन के पास भैंसों के झुंड से टकरा गई। इसमें वंदेभारत एक्सप्रेस ट्रेन का फ्रंट का हिस्सा टूट गया। यह घटना सुबह करीब 11 बजे हुई। इसके बाद कुछ देर के लिए ट्रेन खड़ी रही है। हालांकि ट्रेन को 11:27 बजे फिर रवाना किया गया।

नई वंदेभारत एक्सप्रेस को पीएम मोदी ने हाल ही में गांधीनगर स्टेशन पर गांधीनगर-मुंबई सेंट्रल वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह देश की तीसरी वंदे भारत ट्रेन है। प्रधानमंत्री ने गांधीनगर से कालूपुर तक नई ट्रेन में सफर भी किया था। ट्रेन में उनके साथ रेलवे कर्मचारी, महिला उद्यमी और कई युवा भी मौजूद रहे।

देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन है वंदे भारत एक्सप्रेस

देश की पहली हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस अभी तीन रूटों पर चल रही है। दिल्ली से वाराणसी, दिल्ली से कटरा और अभी 30 सितंबर को ही गुजरात के गांधी नगर से मुंबई के लिए वंदे एक्सप्रेस की सेवा शुरू हुई है। वंदे भारत एक्सप्रेस देश की सबसे तेज गति वाली ट्रेन है। इसकी गति सीमा 180 किलोमीटर प्रति घंटे है। आने वाले कुछ माह में ही यह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से दौड़ने लगेगी।

थाईलैंड में बच्चों के डे-केयर सेंटर में गोलीबारी

22 बच्चों समेत 34 की मौत

बैंकॉक, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। थाईलैंड में गुरुवार को एक डे-केयर सेंटर में एक पूर्व पुलिसकर्मी द्वारा की गई गोलीबारी में 34 लोगों की मौत हो गई. बताया जा रहा है कि हमलावर ने खुद को गोली मारने से पहले अपनी पत्नी और बच्चे को भी मार डाला। इस घटना से थाईलैंड के लोग दहशत में हैं। 22 बच्चों की मौत का कारण बनने वाले इस पूर्व पुलिसकर्मी को नशीली दवाओं से संबंधित कारणों की वजह से सेवाओं से छुट्टी दे दी गई थी। जिला अधिकारी जिदापा बूनसोम ने रायटर को बताया कि जब बंदूकधारी डे-केयर में आया तो उस समय दोपहर के भोजन का समय था और लगभग 20 बच्चे केंद्र में थे। जिदापा ने कहा कि उस व्यक्ति ने पहले आठ महीने की गर्भवती एक शिक्षिका सहित चार या पांच कर्मचारियों को गोली मारी। पहले तो लोगों को लगा कि यह आतिशबाजी है। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए वीडियो में उत्तरपूर्वी प्रांत नोंग बुआ लम्फू के उथाई सावन शहर के केंद्र में खून से लथपथ बच्चों के शवों को ढकने वाली चादरें दिखाई दे रही हैं।इससे पहले पुलिस ने कहा कि शूटर की तलाश की जा रही है और एक सरकारी प्रवक्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपराधी को पकड़ने के लिए सभी एजेंसियों को सतर्क कर दिया है।

थाईलैंड में गन ऑनरशिप की दर कुछ अन्य देशों की तुलना में अधिक है. अवैध हथियार भी यहां आम हैं। बता दें कि थाईलैंड में इस तरह की बड़ी गोलीबारी की घटना कम ही होती हैं, लेकिन 2020 में भी एक प्रोपर्टी डील से नाराज सैनिक की चार स्थानों पर की गई फायरिंग में कम से कम 29 लोग मारे गए थे और 57 लोग घायल हो गए थे।

पंजाब पुलिस के एआईजी आशीष कपूर गिरफ्तार

एक करोड़ रुपए रिश्वत लेने के केस में फंसे; जेल सुपरिंटेंडेंट रहते महिला कैदी से रेप का आरोप

चंडीगढ़, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने गुरुवार को पंजाब पुलिस के एआईजी आशीष कपूर को करप्शन केस में गिरफ्तार कर लिया है। टीम आरोपी एआईजी से पूछताछ कर रही है।

आशीष कपूर ने वर्ष 2018 में जालसाजी और धोखाधड़ी के केस में दो महिलाओं को राहत देने के बदले उनका एक करोड़ रुपया चेक साइन करवाकर बैंक से निकलवा लिया था। इस केस में आशीष कपूर के अलावा डीएसपी पवन कुमार और एएसआई हरजिंदर सिंह पर भी केस दर्ज है। एक महीने पहले ही विजिलेंस टीम ने आशीष कपूर की मोहाली स्थित कोठी में रेड की थी। उस समय तलाशी में कोठी से कई दस्तावेज बरामद होने की बात सामने आई थी। उसके बाद से ही आशीष कपूर पर गिरफ्तारी की तलवार लटक रही थी।

पंजाब पुलिस के विजिलेंस ब्यूरो के एआईजी मनमोहन कुमार ने बताया कि आशीष कपूर को एफआईआर नंबर-17 में गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल उनसे पूछताछ की जा रही है।

अमेरिका में अपहृत चारों भारतवंशियों की हत्या

होशियारपुर के सिख परिवार के सदस्य थे

पंजाब के रहने वाले जसदीप, अमनदीप, जसलीन और आठ माह की बच्ची आरुही का उनके कार्यालय से अपहरण कर लिया गया था।

होशियारपुर, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। अमेरिका में अपहृत चारों भारतवंशियों की मौत हो गई है। कैलिफोर्निया के शेरिफ ने उनके मारे जाने की पुष्टि की। मृतकों में एक दंपती, उनकी आठ साल की बच्ची व बच्ची का चाचा शामिल है। चारों पंजाब के होशियारपुर मूल के सिख एनआरआई परिवार के सदस्य थे। आशंका है कि अपहर्ता ने ही चारों की हत्या कर दी। बता दें, अमेरिका के कैलिफोर्निया प्रांत के मर्सिड शहर में सोमवार को चार भारतवंशियों जसदीप सिंह, उनकी पत्नी जसलीन कौर, उनकी आठ माह की बच्ची आरुही और जसदीप के भाई अमनदीप सिंह का अपहरण कर लिया गया था। चारों के शव एक बगीचे में पाए गए हैं। अमेरिकी अधिकारियों ने बताया कि इन चारों का कैलिफोर्निया के मर्सिड के एक व्यवसायिक कार्यालय से अपहरण कर लिया गया था। मर्सिड के शेरिफ वर्न वार्नके ने बताया कि चारों के शव बुधवार शाम को इंडियाना रोड और हचिंसन रोड के पास एक बगीचे में मिले। बगीचे में शव मिलने की सूचना खेत के मजदूर ने पुलिस को दी। घटना स्थल पर

चारों के शव पास पास ही पड़े मिले।

शेरिफ वार्नके ने जताया गुस्सा

शेरिफ वार्नके ने बुधवार शाम एक संवाददाता सम्मेलन में इन हत्याओं पर दुख जताते आक्रोश भी प्रकट किया। उन्होंने कहा,

'इस आरोपी को नरक में खास स्थान मिलेगा।' यह बात उन्होंने आरोपी यीशु मैनुअल सालगाडो के लिए कही, जो कि हत्या का संदिग्ध आरोपी है।

एक संदिग्ध को हिरासत में लिया था

अपहरण के मामले में अमेरिकी पुलिस ने कल सालगाडो को गिरफ्तार किया था। वह खुद भी गंभीर हालत में मिला था। समझा जा रहा है कि उसने खुदकुशी का प्रयास किया था। चारों मृतक व उनका परिवार मूल रूप से पंजाब के होशियारपुर के हरसी पिंड के रहने वाला हैं।

कार जली हालत में मिली थी

अपहृतों की कार सोमवार देर रात जली हुई हालत में मिली थी। जासूसों ने अमेरिकी पुलिस को मंगलवार सुबह बताया था कि मर्सिड काउंटी के एटवाटर में एक एटीएम में अपहृत लोगों में से एक के बैंक एटीएम कार्ड का इस्तेमाल किया गया है। इसके बाद ही अपहरण की पुष्टि हुई थी और एटीएम कार्ड का इस्तेमाल करने वाले संदिग्ध की पहचान कर उसे गिरफ्तार किया गया था। अमेरिकी जांच एजेंसियों ने बताया कि संदिग्ध आरोपी सालगाडो को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

फिरौती के लिए होशियारपुर के परिजनों को नहीं आया कोई कॉल

पंजाब के होशियारपुर में मौजूद अपहृतों के परिजनों ने बुधवार को बताया था कि अपहर्ताओं ने फिरौती के लिए उन्हें कोई कॉल नहीं किया। जसदीप और अमनदीप के माता-पिता डॉ. रणधीर सिंह और कृपाल कौर अपहरण की खबर सुनकर सदमे में हैं। दोनों हाल ही में स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हुए हैं।

डॉ. रणधीर 29 सितंबर को विदेश से भारत लौटे थे। इसके बाद वे उत्तराखंड में तीर्थयात्रा पर चले गए थे। जब वह ऋषिकेश पहुंचे तो उन्हें अमेरिका से उनकी बहू जसप्रीत कौर का फोन आया, जिन्होंने उन्हें अपने पति अमनदीप और परिवार के अन्य सदस्यों के अपहरण की घटना के बारे में बताया। इसके बाद डॉ. रणधीर मंगलवार शाम अपने गांव लौटे और अमेरिका संपर्क किया।

अपहरण की वारदात का वीडियो जारी

इससे पहले बुधवार दिन में मर्सिड के शेरिफ कार्यालय ने अपहरण की घटना का एक वीडियो जारी किया था। इसमें अपहरण के शुरुआती दृश्य हैं। इसमें दिख रहा है कि जसदीप व अमनदीप के हाथ रस्सी से बंधे हैं और वे एक व्यावसायिक दफ्तर से बाहर आ रहे हैं। इसके बाद अपहर्ता जसलीन कौर व मासूम आरोही को लेकर आता है और चारों को एक ट्रक में लेकर जाता है। अपहर्ता के पास हथियार होने की भी बात सामने आई है, जिसके दम पर वह उन्हें धमकाकर अपहरण करता है। आरोपी सालगाडो के परिजनों ने पुलिस से उसके अपहरण में शामिल होने की बात कबूल की थी।

फिर से बढ़ने लगे कोरोना के मामले

सक्रिय मरीज 32 हजार के पार, 12 लोगों की मौत

नई दिल्ली, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। देश में एक बार फिर से कोरोना के मामले बढ़ने लगे हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के द्वारा जारी गुरुवार (6 अक्तूबर) के आंकड़ों के अनुसार बीते 24 घंटों में कोरोना के 2,529 नए मामले सामने आए हैं जो कि कल की तुलना में 61 अधिक हैं। इस दौरान 12 लोगों की मौत भी हुई है। इससे पहले बुधवार के आंकड़ों में 2,468 मरीज आए थे और मंगलवार की तुलना में 500 अधिक थे। लगातार दो दिनों से कोरोना मरीजों की संख्या में बढ़ोतरी ने लोगों की टेंशन बढ़ा दी है। इसके अलावा देश में सक्रिय मरीजों की संख्या 32,282 हो गई है जो कि कल की तुलना में 1,036 कम है। महामारी की शुरुआत से लेकर अब तक कुल 5,28,745 लोगों की मौत हुई है और 4,40,43,436 लोग स्वस्थ हुए हैं।

दिल्ली में बीते 24 घंटों में कोरोना के 96 मामले

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में बीते 24 घंटों में कोरोना के 96 नए मामले सामने आए हैं। जबकि संक्रमण दर 1,42 फीसदी है। हालांकि, इस दौरान एक भी मौत नहीं हुई। दिल्ली में महामारी की शुरुआत से अब तक कुल 20,03,746 लोग संक्रमित हुए हैं जबकि मृतकों की संख्या 26,503 है। वहीं पिछले दिन 6,773 नमूनों का परीक्षण किया गया था। बता दें कि दिल्ली में पिछले दिनों कोरोना के 74 मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 1.07 फीसदी थी।

महाराष्ट्र में कोरोना के 416 नए मामले

महाराष्ट्र में बीते 24 घंटों में कोरोना के 416 नए मामले सामने आए हैं। इस दौरान कोई मौत नहीं हुई। महाराष्ट्र में महामारी की शुरुआत से अब तक कुल 81,23,255 लोग संक्रमित हुए हैं। नए मामलों में से, सबसे अधिक 209 मुंबई प्रशासनिक सर्कल में दर्ज किए गए, इसके बाद पुणे (110), नागपुर (36), अकोला (17), नासिक (13), कोल्हापुर (12), लातूर (10) और औरंगाबाद में (9) हैं।

शाह के दौरे पर पलटवार की तैयारी में विपक्ष

9 अक्तूबर को जम्मू में महबूबा मुफ्ती करेंगी जनसभा

जम्मू, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के जम्मू कश्मीर के तीन दिवसीय दौरे पर पलटवार की तैयारी में विपक्षी दल जुट गए हैं। पीडीपी की अध्यक्ष एवं गुपकार गठबंधन की उपाध्यक्ष महबूबा मुफ्ती भाजपा के गढ़ माने जाने वाले जम्मू में नौ अक्तूबर को रैली कर अपनी सियासी ताकत दर्शाएंगी। पीडीपी सूत्रों के अनुसार गांधीनगर स्थित पीडीपी के संभागीय मुख्यालय के बाहर महबूबा मुफ्ती की रैली का आयोजन किया जाएगा। रैली में जम्मू संभाग के अलावा कश्मीर संभाग के कई नेता भी हिस्सा लेंगे। वहीं जम्मू संभाग के कई जिलों के

कार्यकर्ताओं को रैली में हिस्सा लेने के लिए बुलाया गया है। महबूबा मुफ्ती रैली में गृह मंत्री अमित शाह के दौरे पर खासतौर से कटाक्ष करने की तैयारी में है। खासतौर से जम्मू कश्मीर में बेरोजगार युवाओं की संख्या में हो रही बढ़ोतरी, डेलीवेजरों को नियमित न किए जाने और आतंकवादी घटनाओं के जारी रहने पर महबूबा केंद्र पर सवालों की बौछार करने का मन बना चुकी है। पीडीपी के महासचिव अमरीक सिंह रीन का कहना है कि नौ अक्तूबर को जम्मू में पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती की बड़ी रैली होगी। इसमें पीडीपी कार्यकर्ता अपनी शक्ति का प्रदर्शन तो करेंगे ही भाजपा सरकार के खोखले दावों की पोल भी खोली जाएगी। सूत्रों के अनुसार रैली को सफल बनाने के लिए पीडीपी नेताओं को ज्यादा से ज्यादा कार्यकर्ताओं को रैली स्थल पर जुटाने के लिए कहा गया है।

करंट लगने से 22 गायों की दर्दनाक मौत

हाईटेंशन लाइन का तार टूटने से हुआ हादसा

छतरपुर, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। मप्र के छतरपुर जिले की एक गौशाला में 22 गायों की करंट लगने से मौत हो गई। बताया जा रहा है कि हादसा हाइटेंशन लाइन के तार टूटने के चलते हुआ। तार टूटने की वजह से सिजई गौशाला में करंट फैल गया, जिसकी चपेट में आकर 22 गायों की दर्दनाक मौत हो गई। हादसे में कई अच्छी नस्ल की गायों की भी जान चली गई। सिजई गौशाला धाम के प्रबंधक ने बताया कि गौशाला के ऊपर से निकली हाईटेंशन लाइन के दो तार टूटने से उसकी चपेट में आने से 22 गायों की मौत हो गई। इन गायों में साहीवाल, हरियाणा नस्ल की थीं, जिसमें 10 फीमेल और 12 मेल गायें थीं। मामले की जानकारी लगाने पर ब्लॉक खंड चिकित्सा अधिकारी महेंद्र शाक्य एवं बिजली विभाग कर्मचारियों ने मौके पर पहुंचक सम्बंधित कार्रवाई कर गायों को पीएम के लिए भिजवाया है। आगे की कार्रवाई जारी है।

साध्वी ऋतंभरा के गुरु स्वामी परमहंस की है गौशाला

छतरपुर जिले के लवकुशनगर के पास सिजई गांव में साध्वी ऋतंभरा के गुरु स्वामी परमहंस की गौशाला है, जो सिजई में स्थित है। जहां बिजली विभाग की लापरवाही के चलते हाईटेंशन लाइन के तार टूट जाने से एक साथ 22 गायों की मौत हो गई है।

कुत्ते के साथ वहशियाना हरकत, रस्सी से बांध कर इतना पीटा कि बाहर निकल आई आंखें

बेंगलुरु, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। बेंगलुरु में पड़ोसी द्वारा गोद लिए गए एक आवारा कुत्ते को तीन लोगों ने बांधकर इतनी बुरी तरह पीटा कि उसकी आंख की पुतली बाहर निकल आई। सोमवार रात को पूर्वी बेंगलुरु के भट्टाराहल्ली में मंजूनाथ लेआउट से आई इस खबर ने एनिमल एक्टिविस्ट को नाराज कर दिया। कुत्ते के मालिक, 53 वर्षीय गद्दीगप्पा ने तीन साल पहले गली के कुत्ते को गोद लिया था और उसका नाम अच्छू रखा था। सोमवार को सुबह 10 बजे उसने कुत्ते को बाहर गली में खेलने के लिए छोड़ दिया। गद्दीगप्पा के पड़ोसी नागराज के पालतू कुत्ते के साथ अच्छू का झगड़ा हो गया। इसके बाद रात करीब 10 बजे नागराज के तीन बेटों रंजीत, राहुल और रजत गद्दीगप्पा के परिसर में घुस गए। उन्होंने अच्छू को रस्सी से बांध दिया और डंडों से तब तक पीटते रहे जब तक कि उसकी एक आंख बाहर नहीं आ गई। जब गद्दीगप्पा ने कुत्ते को बचाने की कोशिश की, तो तीनों ने कथित तौर पर उनके सिर पर लाठी से वार कर दिया। गद्दीगप्पा ने पुलिस को बताया कि तीनों ने उन्हें जान से मारने की भी धमकी दी। इस घटना का वीडियो दिन भर सोशल मीडिया पर घूमता रहा। गद्दीगप्पा की शिकायत के बाद, पुलिस ने आईपीसी की धारा 324, 428, 429, 448, 504, 506, 34 और पशु क्रूरता निवारण अधिनियम की धारा 11 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

22 सीटों के लिए आज दावेदारों के पैनल तैयार करेगी कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी

शिमला, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश में विधानसभा चुनावों के लिए 22 सीटों पर कांग्रेस स्क्रीनिंग कमेटी सात अक्तूबर को दावेदारों के पैनल तैयार करेगी। पूर्व मंत्री दीपादास मुंशी की अध्यक्षता में कल नई दिल्ली में बैठक होगी। स्क्रीनिंग के बाद केंद्रीय चुनाव कमेटी की बैठक का शेड्यूल तय होगा। स्क्रीनिंग कमेटी से आए प्रस्ताव के बाद प्रत्याशी तय किए जाएंगे। शिमला शहर, ठियोग, चौपाल, लाहौल-स्पीति, नालागढ़, बिलासपुर सदर, हमीरपुर सदर, भोरंज, भरमौर, चुराह, नूरपुर, इंदौरा, शाहपुर, धर्मशाला, सुलह, देहरा, ज्वालामुखी, जसवां परागपुर, जयसिंहपुर, कांगड़ा, बैजनाथ, बंजार, आनी, करसोग, जोगिंद्रनगर, सरकाघाट, धर्मपुर, मंडी सदर, नाचन, सिराज, चिंतपूर्णी, गगरेट और कुटलैहड़ की सीटों के लिए दावेदारों के नाम स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में शार्ट लिस्ट किए जाएंगे। पार्टी सूत्रों ने बताया कि दस अक्तूबर तक कांग्रेस एक साथ प्रत्याशियों की सूची जारी करेगी। वर्तमान 20 विधायकों को दोबारा प्रत्याशी बनाने का फैसला लिया गया है। इनके अलावा तीन पूर्व मंत्रियों कौल सिंह ठाकुर को द्रंग, चंद्र कुमार को जवाली और प्रकाश चौधरी को बल्ह से टिकट देने पर सहमति बनी है।

भाजपा ने ममता राकेश को दिया झटका

पार्टी ने पूर्व विधायक कर्णवाल की बेटी को दिया टिकट

रुड़की, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। हाल ही में भाजपा ज्वाइन करने वाली भगवानपुर कांग्रेस विधायक की बेटी आयुषि को ब्लॉक प्रमुख का टिकट नहीं मिला है। पार्टी ने पूर्व विधायक देशराज कर्णवाल की बेटी पर भरोसा जताया है। इससे इस सीट पर राजनीतिक माहौल फिर से पलट गया है। अब गेंद पूर्व विधायक के पाले में आ गई है। गौरतलब है कि भगवानपुर ब्लॉक में कांग्रेस विधायक ममता राकेश की बेटी आयुषि ने तेलपुरा सीट से बीडीसी का चुनाव निर्विरोध जीत लिया था।

वहीं, सिसौना सीट पर पूर्व विधायक देशराज कर्णवाल की बेटी करुणा ने चुनाव जीता था। चुनाव के बाद कांग्रेस विधायक की बेटे अभिषेक और बेटी आयुषि ने भाजपा ज्वाइन कर ली थी। माना जा रहा था कि पार्टी आयुषि को ब्लॉक प्रमुख का टिकट देगी लेकिन सूत्रों के मुताबिक आयुषि के ज्वाइन करने पर भाजपा के अंदर विरोध पनप रहा था। इसी के चलते पार्टी ने आयुषि के नाम पर मुहर नहीं लगाई। बुधवार को जारी पांच ब्लॉकों की सूची में पूर्व विधायक की बेटी करुणा कर्णवाल को ब्लॉक प्रमुख का प्रत्याशी घोषित किया गया है। खानपुर से नितीश कुमार, नारसन से कोमल देवी, लक्सर से डॉ। हर्ष दौलत और बहादराबाद से आशा नेगी को प्रत्याशी बनाया गया है।

पार्टी भी गई और टिकट भी

जानकारों का कहना है कि ममता राकेश बच्चों को भाजपा ज्वाइन नहीं कराती तो कांग्रेस के बैनर तले बेहतर प्रदर्शन कर सकती थीं। इस एक फैसले ने पूरे घटनाक्रम को बदल दिया। अब तीन बार विधायक बनाने वाली कांग्रेस को न तो विधायक में पहले जितना विश्वास रहा और जिस उद्देश्य से भाजपा ज्वाइन कराई थी, वह भी पूरा नहीं हुआ।

मुंबई हवाई अड्डे से 80 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद

ट्रॉली बैग के अंदर छुपा रखी थी

मुंबई, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। राजस्व खुफिया निदेशालय ने मुंबई एयरपोर्ट से एक शख्स के पास से 16 किलो ड्रग्स बरामद किया है। बरामद ड्रग्स की कीमत 80 करोड़ के करीब बताई जा रही है। दोहा से मुंबई लाई गई ड्रग्स को दिल्ली ले जाना था। आरोपी को हिरासत में लेकर जांच जारी है। उन्होंने बताया कि खुफिया जानकारी के आधार पर एक यात्री को बुधवार को रोका गया और उसके सामान की तलाशी ली गई, जिसके बाद उसके पास से प्रतिबंधित पदार्थ मिला। डीआरआई अधिकारी ने बताया कि हेरोइन को एक ट्रॉली बैग के अंदर छुपाया गया था। उन्होंने बताया कि केरल निवासी आरोपी के खिलाफ स्वापक औषधि और मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। मामले की जांच जारी है।

121 किलोग्राम सोना जब्त

वहीं वित्त मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि पूर्वोत्तर में बांग्लादेश और म्यांमा की सीमाओं से सोने की तस्करी में तेजी आई है और सिर्फ सितंबर में ऐसे 11 मामले सामने आए हैं। मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि सितंबर में 121 किलोग्राम सोना जब्त किया गया है। बयान के मुताबिक, पूर्व में भी इन सीमाओं के जरिये तस्करी के मामले सामने आते रहे हैं लेकिन केवल सितंबर में 121 किलोग्राम सोना जब्त होना, दर्शाता है कि तस्कर इस मार्ग का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल कर रहे हैं। इस तरह की तस्करी के मामलों को सूचीबद्ध करते हुए मंत्रालय ने कहा कि राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने 33,40 करोड़ रुपये कीमत का 65,46 किलोग्राम विदेशी सोना जब्त किया, जिसे घरेलू कूरियर खेप के जरिये आइजोल से मुंबई भेजा गया था। सोने को उन बोरियों में छुपाया गया था, जिनमें कपड़े भरे होने का दावा किया गया था। इसी तरह से तस्करी के एक अन्य मामले में, डीआरआई ने लगभग 23,23 किलोग्राम विदेशी सोने की एक और बड़ी खेप जब्त की और इसकी कीमत 11,65 करोड़ रुपये थी, जिसे म्यांमा से तस्करी कर लाया जा रहा था।

'आरएसएस बदल रहा है, क्या संघ किसी महिला को सरसंघचालक नियुक्त करेगा'

दिग्विजय सिंह ने मोहन भागवत से पूछे कई सवाल

भोपाल, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने नागपुर में दशहरा रैली में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भागवत की टिप्पणी पर निशाना साधा है। उन्होंने सवाल किया कि क्या तेंदुआ कभी अपना चरित्र बदल सकता है? दशहरा कार्यक्रम में भागवत की टिप्पणी पर एक मीडिया रिपोर्ट को टैग करते हुए सिंह ने ट्वीट कर पूछा कि क्या आरएसएस एक महिला को सरसंघचालक के रूप में नियुक्त करेगा। दिग्विजय ने जो मीडिया रिपोर्ट शेयर की उसके मुताबिक, मोहन भागवत ने दावा किया कि उन्होंने महिलाओं के अधिकारों की लड़ाई लड़ी है। दिग्विजय सिंह ने सिलसिलेवार ट्वीट किए हैं और उन्होंने कई सवाल भी किए। अपने ट्वीट में कहा कि क्या आरएसएस बदल रहा है। क्या कोई तेंदुआ अपना चरित्र बदल सकता है। अगर वे आरएसएस के चरित्र की मूल बातें बदलने के लिए वास्तव में गंभीर हैं, तो मेरे पास मोहन भागवत जी से कुछ सवाल हैं। क्या वे हिंदू राष्ट्र के अपने एजेंडे को छोड़ देंगे?' सिंह ने पूछा कि क्या वे किसी महिला को सरसंघचालक के रूप में नियुक्त करेंगे और क्या अगला सरसंघचालक 'गैर कोंकास्ट/चितपावन/ब्राहमण' होगा?'

दिग्विजय सिंह के मोहन भागवत से कई सवाल

उन्होंने पूछा कि क्या अति पिछड़ा वर्ग (ओबीसी)/अनुसूचित जाति (एससी)/अनुसूचित जनजाति (एसटी) का व्यक्ति सरसंघचालक के पद के लिए स्वीकार्य होगा? क्या वे आरएसएस से पंजीकृत होंगे? क्या उनके पास आरएसएस की नियमित सदस्यता होगी? सिंह ने यह भी सवाल किया कि क्या आरएसएस अल्पसंख्यकों के लिए अपनी सदस्यता का द्वार खोलेगा। उन्होंने ट्वीट किया कि यदि मेरे सभी प्रश्नों/शंकाओं का उत्तर सकारात्मक रूप से स्पष्ट किया गया तो मुझे आरएसएस से कोई समस्या नहीं होगी। मोहन भागवत जी यदि आप ऐसा कर सकते हैं तो मैं आपका प्रशंसक बन जाऊंगा।

रीवा में हुआ दर्दनाक सड़क हादसा, विसर्जन कर लौट रही ट्रैक्टर ट्राली पलटने से 3 की मौत

रीवा, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। रीवा जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत नईगढ़ी मऊगंज मार्ग स्थित पथरौड़ा के पास देर रात दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दुर्गा विसर्जन कर वापस लौट रही ट्रैक्टर ट्राली अचानक अनियंत्रित होकर पलट गई जिस कारण ट्राली पर सवार तीन लोगों की मौत हो गई जबकि इस हादसे में दो दर्जन से ज्यादा लोग घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रीवा जिले के नईगढ़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत चद्रमौली गांव के रहने वाले करीब 40 लोग बुधवार की रात ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर नईगढ़ी के अष्टभुजा धाम स्थित देवलहा नदी में मूर्ति विसर्जन करने गए थे। जिसमे पुरुष महिलाओं के साथ ही बच्चे भी ट्राली में सवार थे और ट्रैक्टर ट्राली पूरी तरह से भरी हुई थी। सभी लोग देर रात करीब 1 से डेढ़ बजे के बीच जब दुर्गा विसर्जन कर लौट रहे थे तभी नईगढ़ी मऊगंज मार्ग स्थित पथरौड़ा के पास अचानक ट्रैक्टर ट्राली पलट गई।

विधानसभा चुनाव 2023 के लिए भाजपा रच रही 'चक्रव्यूह'

जानिए पीएम और गृह मंत्री के दौरे के मायने

भोपाल, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। मध्यप्रदेश विधानसभा चुनाव को एक साल का समय बचा है। इससे पहले प्रदेश में बड़े नेताओं के दौरों ने सियासी गर्माहट बढ़ा दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर को उज्जैन में महाकाल लोक का लोकार्पण करने आ रहे हैं, पीएम के दौर के ठीक पांच दिन बाद 16 अक्टूबर को गृहमंत्री अमित शाह भी प्रदेश आने वाले हैं। इसके बाद राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा भी मध्यप्रदेश पहुंचेंगी। बड़े नेताओं के दौरे से पहले प्रदेश की राजनीति भी गरमा गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 अक्टूबर को उज्जैन में श्री महाकाल कॉरीडोर का लोकार्पण करेंगे। 800 करोड़ के बजट से दो चरणों में महाकाल मंदिर में विकास कार्य किए जा रहे हैं। प्रथम चरण का काम पूरा हो गया है। लोकार्पण कार्यक्रम की उज्जैन में तैयारी तेजी से चल रही है। इस कार्यक्रम के पांच दिन बाद ही केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह मध्यप्रदेश के दौरे पर रहेंगे। अमित शाह ग्वालियर में उड्डयन मंत्रालय के कार्यक्रम में भाग लेंगे। यहां पर शाह ग्वालियर एयरपोर्ट के विस्तार कार्यक्रम का शुभारंभ करेंगे। इसी दिन शाह मेडिकल की पढ़ाई में हिंदी विषयों की शुरुआत करेंगे। तीन विषयों एनाटॉपी, फिजियोलॉजी और बायो कैमिस्ट्री का सेलेब्स हिंदी में तैयार है। शाह पहले भोपाल आएंगे या ग्वालियर यह अभी फाइनल होना है।

30 दिन के भीतर ही पीएम का दूसरा दौरा

इससे पहले केंद्रीय गृहमंत्री 22 अगस्त को केंद्रीय मध्य क्षेत्रीय बैठक में शामिल होने भोपाल आए थे। हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने जन्मदिवस 17 सितंबर को श्योपुर जिले के कूनो राष्ट्रीय अभ्यारण आए थे। यहां उन्होंने नामीबिया से लाए चीतों को बाड़े में छोड़ा था। अब दोनों राष्ट्रीय नेता फिर अक्टूबर में चार दिन के अंतराल पर दौरे पर होंगे। यह दोनों नेताओं की आधिकारिक यात्रा है, लेकिन इसे 2023 के विधानसभा चुनाव से जोड़ कर देखा जा रहा है।

प्रदेश में 2023 को लेकर संगठन के बड़े पदाधिकारियों के दौरे भी शुरू हो गए है। हाल ही में रातापानी में बीजेपी मध्यप्रदेश कोर ग्रुप की बैठक में 2023 चुनाव की रणनीति को लेकर अहम निर्णय लिए गए।

बता दें, 2018 के विधानसभा चुनाव में बीजेपी को हार का सामना करना पड़ा था। हालांकि ज्योतिरादित्य सिंधिया की मदद से बीजेपी ने दोबारा सरकार बना ली। अब बीजेपी 2023 की जीत के लिए कोई भी कोर कसर नहीं छोड़ना चाहती है।

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 7 अक्टूबर, 2022 3

सुविचार

महान कार्यों के लिए पहली आवश्यकता है आत्मविश्वास।

इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में हुई चोरी के मामले में दो गिरफ्तार

गिरफ्तार अपराधियों का कुख्यात गैंगस्टर से संबंध होने का दावा

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की कुशाईगुडा पुलिस ने एक प्रतिष्ठित इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में हुई चोरी के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस का दावा है कि गिरफ्तार किए गए अपराधी एक कुख्यात गैंगस्टर संबंध रखते हैं। इस मामले की जानकारी देते हुए राचकोंडा के सीपी महेश एम भागवत ने बताया कि झारखंड राज्य के साहिबगनी जिले के आलम गैंग के दो कुख्यात अंतरराज्यीय अपराधियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इलेक्ट्रॉनिक शोरूम ईसीआईएल इलाके में स्थित है। बीते 21 सितंबर की रात को शोरूम से लाखों रुपए के मोबाइल फोन चोरी हुए थे। पुलिस ने इस मामले की गहराई से छानबीन करने के बाद झारखंड के रहने वाले सत्तार शेख और मो. असिदुल शेख को गिरफ्तार किया है। इस मामले में तीन अज्ञात लोगों की तलाश की जा रही है। सीपी ने बताया कि पहली मंजिल के उत्तर-पूर्व कोने पर लगे फाल्स सीलिंग को तोड़कर औरों की दुकान में प्रवेश कर गए थे। इसके बाद शोरूम में रखे विभिन्न प्रकार के मोबाइल लेकर फरार हो गए। राचकोंडा की क्लूज टीम, डॉग स्क्वायड, एसओटी, सीसीएस और आईटी विंग भी स्थानीय पुलिस की मदद के लिए घटनास्थल पर पहुंचे। कुशाईगुड़ा संभाग द्वारा तैनात 10 पुलिस टीमों द्वारा 500 से अधिक कैमरों के फुटेज का सावधानीपूर्वक मूल्यांकन किया। जांच में यह पता चला कि अपराधी झारखंड राज्य के मूल निवासी हैं और परिणामस्वरूप डीआई कुशाईगुड़ा गुरुवा रेड्डी और सीसीएस इंस्पेक्टर बालू चौहान और अन्य अधिकारियों के साथ एक विशेष पुलिस दल को अपराधियों को पकड़ने के लिए झारखंड भेजा गया था। वहां से पुलिस टीम सत्तार शेख को गिरफ्तार करके लाई। इसी तरह एक दूसरी टीम इंस्पेक्टर के. चंद्रशेखर, जवाहर नगर पीएस की अगुवाई पश्चिम बंगाल गई और वहां से दूसरे आरोपी मोहम्मद असिदुल शेख को गिरफ्तार कर लिया। सीपी ने बताया कि अपराधी 'आलम गैंग' नामक अपराधियों के कुख्यात स्थापित गिरोह का हिस्सा हैं। वे आमतौर पर रात के घंटों के दौरान बैंकों, आभूषणों की दुकानों और मोबाइल फोन की दुकानों जैसे बड़े प्रतिष्ठानों को विशेष तरीके से निशाना बनाते हैं। अपराध करने से पहले, वे संभावित प्रवेश और निकास मार्गों की पहचान करने के लिए लक्षित स्थान की 'पुनः जांच' करते हैं। एक सदस्य मालिकों और पड़ोसियों को अपनी पहचान बताए बिना चयनित अपराध क्षेत्र से दूर बड़े पैमाने पर आश्रय स्थान किराए पर लेता है। फिर पूरा गिरोह विशिष्ट उपकरणों और रस्सी के साथ निश्चित स्थान पर पहुंचता है और वेंटिलेटर की ग्रिल तोड़कर या दीवारों और छतों में छेद करके अपराध स्थल में प्रवेश करता है। बाद में, वे दो समूहों में विभाजित होकर तितर-बितर हो जाते हैं और चोरी की संपत्ति को निपटाने के लिए बस और ट्रेन से अपने मूल स्थान पर पहुँचते हैं, जहाँ वे रिसीवर तैयार रखते हैं। इसके बाद, वे उन जगहों पर शरण लेंगे जो बांग्लादेश जैसे अन्य देशों की सीमा पर हैं, जिससे अपराधियों को पकड़ना और मामले की संपत्ति को पुनर्प्राप्त करना बहुत मुश्किल हो जाता है क्योंकि चोरी की गई संपत्ति को अन्य देशों यानी बांग्लादेश और नेपाल में निपटान के लिए भेजा जाता है।

एनजीटी के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दाखिल करेगा तेलंगाना : जगदीश रेड्डी

सूर्यापेट, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ऊर्जा मंत्री जी. जगदीश रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार उच्चतम न्यायालय का दरवाजा खटखटाएगी और राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) द्वारा यादाद्री थर्मल पावर प्लांट के कार्यों को ठप करने के संबंध में एक समीक्षा याचिका दायर करेगी।

गुरुवार को यहां मीडिया से बात करते हुए, मंत्री जगदीश रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने केंद्र सरकार से सभी पर्यावरण मंजूरी प्राप्त करने के बाद नलगोंडा जिले के दमारचेर्ला में यादाद्री थर्मल पावर प्लांट का निर्माण शुरू किया था और जितनी जल्दी हो सके परियोजना को पूरा करने के लिए करोड़ों रुपये खर्च किए हैं।

जगदीश रेड्डी ने आरोप लगाया कि बिजली संयंत्र के काम को रोकने के लिए एक साजिश चल रही है। एनजीटी का फैसला एकतरफा है और इससे पूरे देश को नुकसान होगा। इसके लिए राज्य सरकार द्वारा हजारों करोड़ रुपये खर्च करने के बाद थर्मल प्लांट को रोकने का आदेश जारी करना अब उचित नहीं है। हम दृढ़ता से मानते हैं कि फैसले के पीछे कुछ अदृश्य ताकतें हैं।

उन्होंने कहा कि निश्चित तौर पर इसके पीछे कोई साजिश है। मंत्री ने कहा कि परियोजना को पूरा करने के लिए काम तेज गति से चल रहा है और राज्य सरकार जल्द से जल्द संयंत्र से बिजली पैदा करना शुरू करेगी। उन्होंने आश्वासन दिया कि राज्य सरकार एनजीटी के आदेश के खिलाफ कानूनी लड़ाई लड़ेगी और सुप्रीम कोर्ट में समीक्षा याचिका दायर करेगी।

तीन करोड मूल्य के गांजे के साथ दो गिरफ्तार

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा की हयातनगर पुलिस ने गांजा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने 1300 किलोग्राम गांजा बरामद किया है। बरामद गांजे का मूल्य करीब 2 करोड़ 80 लाख बताया जा रहा है। सीपी राचकोंडा महेश एम. भागवत ने बताया कि विश्वसनीय सूचना पर कार्रवाई करते हुए, हयातनगर पुलिस ने अंतरराज्यीय गांजा तस्करी करने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने इस मामले में मध्य प्रदेश के रहने वाले नरेंद्र हरिजन और चंद्रेश साकेत को 1300 किलोग्राम, एक डीसीएम के साथ गिरफ्तार किया है। सीपी ने बताया कि फरार मुख्य आरोपी पेंटा राव और राजेश कुमार गांजा के अवैध परिवहन में लिप्त हैं और वे नियमित रूप से आंध्र प्रदेश राज्य के पूर्वी गोदावरी जिले के एजेंसी क्षेत्र मारेदुमिली से हैदराबाद, मध्य प्रदेश और अन्य राज्यों में अपने संभावित ग्राहकों के लिए गांजा परिवहन करते हैं। नरेंद्र हरिजन पहले डीसीएम ड्राइवर के रूप में काम करता था। बाद में वह राजेश के साथ मिलकर गांजा परिवहन करने लगा। पुलिस को जानकारी मिली कि आरोपी भारी मात्रा में गांजा आनंदबाग चौरास्ता, मलकाजगिरी, हैदराबाद में लेकर आने वाले हैं। पेट्टा अंबरपेट जेसीबी जंक्शन पर हयातनगर पुलिस ने उन्हे गिरफ्तार कर लिया।

मुनुगोडु उपचुनाव के लिए नामांकन आज से

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मुनुगोडु उपचुनाव के लिए बहुप्रतीक्षित नामांकन पत्र कल से शुरू हो जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, नामांकन पत्र भरने की अंतिम तिथि 14 अक्टूबर है। चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों द्वारा दाखिल नामांकन पत्रों की जांच 15 अक्टूबर को की जाएगी और नामांकन पत्र वापस लेने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर है। उपचुनाव के लिए मतदान 3 नवंबर, 2022 को होगा।

वोटों की गिनती 6 नवंबर को होगी। कांग्रेस और भाजपा जैसे प्रमुख राजनीतिक दलों ने पहले ही अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा कर दी है। कांग्रेस पार्टी ने जहां पूर्व राज्यसभा सदस्य पलवई गोवर्धन रेड्डी की बेटी पलवई श्रावंती को मैदान में उतारा है, वहीं भाजपा ने पूर्व विधायक कोमटीरेड्डी राजगोपाल रेड्डी को चुनाव मैदान में उतारा है। हालांकि, सत्तारूढ़ टीआरएस पार्टी ने अभी तक अपने उम्मीदवार के नाम की घोषणा नहीं की है। हालांकि, पार्टी आलाकमान ने मुनुगोडु विधानसभा क्षेत्र को 86 इकाइयों में विभाजित किया है और विभिन्न राज्य मंत्रियों और विधायकों को अपनी जिम्मेदारियां सौंपी हैं।

विकाराबाद में धारा में बह गई कार, ग्रामीणों ने दंपत्ति को बचाया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में हो रही भारी बारिश के बाद एक कार नाले में बह गई, जो उफान पर है। घटना गुरुवार को विकाराबाद जिले के नगरम गांव के पास हुई जब कार ने निचले स्तर के पुल को पार करने की कोशिश की। स्थानीय लोगों द्वारा कैद किए गए वीडियो में बाढ़ की प्रखरता के कारण वाहन को नाले में गिरते हुए दिखाया गया है। हालांकि, स्थानीय लोगों की त्वरित सोच ने एक जोड़े की जान बचाने में मदद की, जो मदद के लिए एक पेड़ से चिपके हुए थे।

घटना के वक्त वाहन दोरनाला गांव से नागरम की ओर जा रहा था। भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, शुक्रवार तक राज्य में मध्यम से भारी बारिश होने की संभावना है।

अग्रवाल सेवा दल-पित्ती ट्रस्ट का 102वां नि:शुल्क मेगा मेडिकल कैम्प 9 को

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। अग्रवाल सेवा दल-बदरीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट द्वारा तेलंगाना चैम्बर्स ऑफ केमिस्ट एंड ड्रगिस्टस के सहयोग से 102 वां मेगा मेडिकल कैंप रविवार 9 अक्तूबर को अबिड्स स्थित केमिस्ट भवन में आयोजित किया जायेगा। आज यहां अग्रवाल सेवा दल के संयोजक अजीत गुप्ता द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, निशुल्क मेडिकल कैम्प में हाईटेक सिटी स्थित मेडिकवर अस्पताल की टीम द्वारा सामान्य चिकित्सा जांच, स्त्री रोग, अस्थीरोग, ईसीजी, 2डी इको, बीएमडी, ईएनटी, आरबीएस एवं रक्तचाप की जांच की जायेगी। अवसर पर वेस्ट मैरेडपल्ली स्थित एलसीएस डुंडु आई इंस्टीट्यूट के सहयोग से रोगियों के नेत्र की जांच करने के पश्चात योग्य को चश्मे तथा मोतियाबिंद के ऑपरेशन की व्यवस्था निशुल्क रूप से की जायेगी। शिविर में दांतों की जांच इनोक डेंटल केयर के डॉ.मनिता सेठ द्वारा की जायेगी। फिजियोथेरेपी बजाज फिजियो केयर की डॉ.मीता बजाज द्वारा की जायेगी। शिविर सुबह 10 से दोपहर दो बजे तक चलेगा जिसके लिए नाम पंजीकरण सुबह 10 से दोपहर 12 बजे तक ही किया जायेगा। शिविर का सभी से अधिक से अधिक संख्या में लाभ लेने का आग्रह किया गया है। अधिक जानकारी के लिए शिविर के संयोजक संजय पंसारी, प्रदीप अग्रवाल, सुधीर गुप्ता, डॉ.घीसूलाल जैन, अंजनी कुमार गोयल, आनंद कुमार गौड़ से संपर्क किया जा सकता है। शिविर के संबंध में पोस्टर जारी किया जिसमें संयोजक उपस्थित थे।

आर्थिक तंगी के कारण मां-बेटी ने दे दी जान

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले के इब्राहिमटपम में स्वास्थ्य और वित्तीय मुद्दों के कारण दो महिलाओं द्वारा कथित तौर पर उनके घर में आत्महत्या कर ली गई। 55 वर्षीय अगम्मा और उनकी 30 वर्षीय बेटी येदुला मनोहरी पिछले कई सालों से इब्राहिमपट्टनम थाना क्षेत्र की वेंकट रमना कॉलोनी में रहती थीं। अगम्मा के पति का करीब चार साल पहले निधन हो गया था। गुरुवार की सुबह पुलिस को आगम्मा के घर से दुर्गंध आने की सूचना मिली तो स्थानीय आरक्षक पहुंच गए. घर का मुआयना करने पर दोनों महिलाओं के शव घर में छत से लटके मिले। शव बुरी तरह सड़ चुके थे और स्थानीय लोगों ने बताया कि उन्होंने पिछले तीन दिनों से महिलाओं को नहीं देखा है। इब्राहिमपट्टनम पुलिस ने कहा कि मनोहारी को चार साल पहले लकवा का दौरा पड़ा था और तब से उसका इलाज चल रहा था और उसकी माँ अगम्मा उसकी देखभाल कर रही थी। परिवार वित्तीय संकट में था और हो सकता है कि इसके कारण उसने अपना जीवन समाप्त कर लिया हो। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

शमशाबाद एयरपोर्ट पर सात किलो सोना जब्त

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीमा शुल्क विभाग के अधिकारियों ने आज यहां शमशाबाद हवाई अड्डे पर भारी मात्रा में सोना जब्त किया। उन्होंने दुबई से शहर आए तीन यात्रियों के कब्जे से सात किलो सोना जब्त किया।

एक गुप्त सूचना पर, सीमा शुल्क अधिकारियों ने तीन यात्रियों को पकड़ लिया और उनके सामान की तलाशी ली। उन्होंने पाया कि यात्रियों के सामान में वह सोने के बिस्किट के रूप में सोना ले गया था। अधिकारियों ने कहा कि जब्त सोने की कीमत खुले बाजार में 3.5 करोड़ रुपये है। सीमा शुल्क विभाग के उपायुक्त अशोक ने कहा कि उन्होंने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

हिन्दू सेवा समाज द्वारा दशहरा सम्मेलन आयोजित

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दू सेवा समाज गोलकोण्डा बालहिंसार की ओर से दशहरा सम्मेलन भव्य रूप से मनाया गया। गत साठ वर्षों से हिन्दू सेवा समाज दशहरा सम्मेलन गोलकोंडा किले में मना रहा है। कई कैबिनेट मिनिस्टर्स, मुख्यमंत्री यहां आ चुके है। इस वर्ष भी दशहरा सम्मेलन मां भगवती की आराधना घट स्थापना से शुरू किया गया। बहुत ही बडे पैमाने पर बतुकम्मा का एवं डांडीया कार्यक्रम भी रखा गया था। साथ ही प्रसाद एवं रिटर्न गिफ्ट भी दिया गया। 3 अक्टूबर को माता की चौकी का आयोजन किया गया। 5 अक्टूबर को मां दुर्गा पूजा, शमी पुजन, राम दरबार पुजन एवे शस्त्र पुजन श्री 1008 पुज्यानिया महन्त श्री राहूलदास जी महाराज के करकमलों से कार्यक्रम की शुरूआत की गई। इस अवसर पर प्रसिद्ध समाज सेवी गोपाल बल्दवा ने कई विद्यार्थियों का प्राइज एवं सर्टीफिकेट देकर सम्मान किये। अवसर पर हिन्दू सेवा समाज के सभी सदस्यों ने गोपाल बल्दवा का सम्मान किया। नुने बालराज, राजू उस्ताद, ठाकूर सरदार सिंह, बाला प्रसाद तिवारी आदि ने जीवन सिंह, विश्वजीत, उमा रानी आदि ने अतिथियों का सम्मान किया।

प्रधान सचिव हिन्दू सेवा समाज श्रीमती शोभा पाण्डेय ने गोपाल बल्दवा एवं अन्य मणमान्य व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया।

हैदराबाद में भारी बरसात : कई क्षेत्र जलमग्न, सड़कों पर पानी भरा

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में भारी बारिश के कारण कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया है तथा कई क्षेत्र जलमग्न हो गये हैं। इस मामले में हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र के अधिकारियों ने बताया कि, ग्रेटर हैदराबाद में गुरुवार दोपहर से भारी बारिश हो रही है। हालांकि कुछ इलाकों में सुबह से ही बारिश शुरू हो गई, लेकिन दोपहर तक पूरे शहर में फैल गई। सिकंदराबाद, मलकाजगिरी, अंबरपेट, पंजागुट्टा, बंजारा हिल्स और खैरताबाद में भारी बारिश हुई। कुछ अन्य इलाकों में तेज बारिश हुई। गुरुवार शाम को भी कई जगहों पर बारिश का सिलसिला जारी रहा। लगातार हो रही बारिश के कारण कई इलाकों में सड़कों पर पानी भर गया।

कई जगहों पर निचले इलाकों में पानी घुस गया है। हालांकि कुछ इलाकों में सड़कें तालाब में तब्दील हो गई हैं। बारिश जारी रहने के कारण यातायात बुरी तरह बाधित हो गया। वाहन चालक जाम में फंस जाते हैं और देर से अपने गंतव्य तक पहुंचते हैं। उधर, पूरे तेलंगाना में इधर-उधर जमकर बारिश हो रही है। हैदराबाद मौसम विज्ञान केंद्र ने कहा कि ये बारिश बंगाल की खाड़ी में कम दबाव की रेखा और सतही परिसंचरण के प्रभाव में आ रही है। इसके चलते अगलने दो-तीन दिनों तक भारी बरसात जारी रहेगी।

यही नहीं, हैदराबाद शहर के समीपीय विकाराबाद जिले में गुरुवार को भारी बारिश हुई। लगातार बारिश से नाले और मोड़ उफन रहे हैं।

पारिगी से महबूबनगर के बीच यातायात ठप्प हो गया। सड़कों पर पानी बहने के कारण कुछ अन्य जगहों पर भी पुलिस ने गांवों में यातायात रोक दिया। मौसम विभाग ने आवश्यक होने पर ही घर से बाहर निकलने का आदेश जारी किया है।

महिला ने बैम्बु को हथियार बनाकर किया सैकड़ों की गरीबी का संहार

आसिफाबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। मां हर समय, हर जगह दीन दुखियों के साथ रहनेवाली धरती की देवी रूपमानी गई है। हर तरह की बुराई को खत्म कर अच्छाई का गंगाजल छिड़कने का कार्य मां दुर्गा के कई रूप मानवीय दूत बन कर इस धरातल पर करते रहते है। अपने साथ ही समदुखी लोगों के दुखों का संहार करने को हो नेकी कहते है। तेलंगाना से सटे चंद्रपुर की मीनाक्षी मुकेश वालके भी कुछ ऐसी ही नेकियां कर रही हैं। इन्ही पुण्य की कमाई के चलते उन्हें देशभर में आदिवासियों की बैम्बु क्वीन और द बैम्बू लेडी ऑफ महाराष्ट्र के नाम से जाना जाता है। गरीबी की बुराई पर स्वयं के साथ ही अन्य कई दुखियारी महिलाओं को लेकर विजय प्राप्त करने वाली नव दुर्गा के रुप में महाराष्ट्र में जाना माना नाम है मिनाक्षी वालके दि बम्बू लेडी ऑफ महाराष्ट्र के नाम से मशहूर मीनाक्षी का सफर दिल दहला देने वाला और किसी थके हारे को फिर से खड़ा करने वाला है। ईट भट्ठे पर जन्मे गरीब किसान की इकलौती बेटी, एक मजदूर की पत्नी, औसत पढ़ाई, कोई साथ नहीं और कोई अनुभव नहीं, ऐसे में बैम्बू जैसे पुरुषी क्षेत्र में बिजनेस का सितारा बुलंद करते हुए मीनाक्षी ने अपने आप को एक सफल उद्यमी और बेहतरीन के रुप में साबित कर दिया है।

मीनाक्षी केवल अपने लिए नहीं, बल्कि अपने जैसी सैकड़ों के लिए काम करती है। अब तक उन्होंने दो सौ से ज्यादा महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाया है। बम्बू जैसे पारंपरिक क्षेत्र में बहुत छोटी सी परन्तु बेहद कठिन चीजों को लेकर मिनाक्षी ने अपनी दुनियां शूरू की। हालात ख़राब, तमाम तरह के अभाव, इस स्थिति में अपने ढाई साल के बच्चे को छोड़ कर मीनाक्षी ने ट्रैनिंग प्राप्त किया और महिला सक्षमीकरण की अपनी हरित क्रांति शुरू की। गड़चिरोली जैसे नक्सल क्षेत्र में जहां अफसर भी जाना नहीं चाहते, वहां चालीस दिन रह कर मिनाक्षी ने होनहार आदिवासी लड़के-लड़कियों को अपना हुनर सिखाया। रहने को अपना मकान नहीं, काम करने को ठीक जगह तक नहीं, ना किसी तरह की कोई मशीन है, इस स्थिति में मीनाक्षी देश और दुनियां में अपनी कला सामग्री का लोहा मनवाती आ रही है। उन्होंने डिजाइन के क्षेत्र में कई नए अविष्कार किए। देश के पहले मॉडल के रूप में बैम्बू क्युआर कोड स्कैनर बना कर इतिहास रच दिया. ब्रिटिश एम्बेसी में अपनी बांस की कलाकृति देनेवाली मिनाक्षी 5 यूरोपिय देशों में वे निर्यात करती है। महाराष्ट्र ही नही पूरे देश में मिनाक्षी को बम्बू क्षेत्र के दिग्गज सलाम करते है। बिना किसी परंपरा, अनुभव, सपोर्ट और पैसे के अपने आप को पुरुष प्रधान क्षेत्र में उद्यमी तथा प्रशिक्षक के रुप में स्थापित करना वाकई बहुत सराहनीय है।

सातवें महीने में गर्भ में ही बेटी की मृत्यु के बाद मीनाक्षी ने एक संकल्प के साथ बैम्बू को हाथ में लिया। यह संकल्प ही अपने साथ अन्य पिछड़ी, वंचित और आदीवासी महिलाओं के गरीबी उन्मूलन का था। पर्यावरण रक्षा और बैम्बू संवर्धन का था। प्लास्टिक मुक्ति और स्वदेशी कला के जतन का था। पांच वर्षो में मिनाक्षी को इसमें काफी हद तक सफलता मिली है। मीनाक्षी को अब यूनिवर्सिटी में गेस्ट लेक्चरर का ओहदा दिया जा रहा है। कई सरकारी विभाग मीनाक्षी को अपने अपने प्रकल्प तथा योजनाओं में प्रेरणापुंज के रूप में आमंत्रित कर रही है। मिनाक्षी के जीवन कार्यों पर फिल्म का निर्माण किया जा रहा है। यह उनके जीवन की सार्थकता है।

'हैदराबाद आतंकी हमले की साजिश मामले' पर एनआईए की पैनी नजर

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी इस सप्ताह की शुरुआत में हैदराबाद पुलिस द्वारा खोजे गए 'आतंकवादी हमले की साजिश' को अपने हाथ में ले सकती है। कथित तौर पर पाकिस्तान स्थित आतंकी समूहों और इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई के लिए काम करने वाले तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया और चार हथगोले तथा 5.41 लाख रुपये नकद जब्त किया गया। तेलंगाना पुलिस में उच्च पदस्थ सूत्रों ने कहा कि एनआईए ने मामले के बारे में जानकारी मांगी और जानकारी एजेंसी के साथ साझा की गई। एक अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर कहा कि आमतौर पर अत्यधिक संवेदनशील मामलों में सूचना का आदान-प्रदान विभिन्न कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच होता है। मामला एक आतंकी हमले की साजिश और पाकिस्तान आईएसआई से जुड़ा होने के कारण, एनआईए ने जानकारी मांगी।

हैदराबाद पुलिस ने मामले में हैदराबाद के रहने वाले अब्दुल जाहेद, मोहम्मद समीउद्दीन उर्फ मोहम्मद सामी और माज हसन फारूक को गिरफ्तार कर रिमांड पर लिया है। एनआईए ने हाल ही में निजामाबाद पुलिस द्वारा कराटे शिक्षक अब्दुल खादर और अन्य के खिलाफ दर्ज किए गए पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया मामले को अपने हाथ में ले लिया।

एजेंसी द्वारा मामला फिर से दर्ज किया गया और राज्य में और गिरफ्तारियां की गईं। अदालत के समक्ष पेश की गई रिमांड रिपोर्ट में हैदराबाद पुलिस ने उल्लेख किया कि अब्दुल जाहिद ने रुपये प्राप्त किए थे। हवाला के जरिए 30 लाख और पाकिस्तान स्थित आतंकवादी फरहतुल्ला गौरी, सिद्दीकी बिन उस्मान उर्फ रफीक उर्फ अबू हमजाला और अब्दुल मजीद उर्फ छोटू के संपर्क में था। उनके पाकिस्तान स्थित आकाओं के निर्देश पर कुछ व्यक्ति मनोहराबाद आए थे और मोहम्मद सामी को चार चीनी हथगोले की आपूर्ति की, जिन्होंने बाद में इसे जाहिद को दे दिया। एक होटल में, जाहिद ने अब्दुल सामी और माज़ को एक-एक ग्रेनेड दिया और दो को अपने पास रखा।

श्री हरि श्री हरि

श्रद्धांजलि सभा

स्व.श्रीमती मोहनकंवर राजपुरोहित

: धर्मपत्नी : स्व.श्री पुखसिंहजी

मरुधर मे ठाकुरवास, मारवाड़ जंक्शन

स्वर्गवास: 11.09.2022

आज शुक्रवार दि. 7 अक्टुबर 2022

❊ श्रद्धांजलि सभा प्रातः 10 बजे से 12 बजे तक ❊

हमारे निवास स्थान श्रीनिवासपुरम्, वनस्थलीपुरम पर रखी गयी है

❊ प्रसादी मध्यान्ह 12.15 बजे से ❊

: शोकाकुल :

भंवरसिंह, हरिसिंह, रविन्द्रसिंह, नरेन्द्रसिंह, विकाससिंह, लोकेशसिंह एवं समस्त दादाला परिवार (ठाकुरवास)

9849359681, 9000427363 P.Solankey

कल जुटेंगे प्रदेश भर के चिकित्सक

मुख्यमंत्री व केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री भी होंगे शामिल

लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। लखनऊ में आठ अक्टूबर को प्रदेश भर के सात सौ से अधिक चिकित्सक जुटेंगे। इस दौरान चिकित्सा क्षेत्र में हो रहे नए बदलाव और मरीजों को राहत देने के लिए अपनाई जा रही रणनीति पर मंथन होगा।

कानपुर रोड स्थित सिटी मांटेसरी स्कूल परिसर में आठ और नौ अक्तूबर होने वाले आरोग्य भारती के राष्ट्रीय अधिवेशन में विभिन्न प्रदेशों में अपनाई जा रही चिकित्सा मॉडल पर भी चर्चा होगी। आरोग्य भारती अवध प्रांत के प्रांतीय सचिव डॉ. इंद्रेश कुमार ने बताया कि अधिवेशन का उद्घाटन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।

विशिष्ट अतिथि के रूप में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह सरकार्यवाह डॉ. मनमोहन वैद्य उपस्थित रहेंगे। उद्घाटन सत्र की अध्यक्षता आरोग्य भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. राकेश पंडित करेंगे। वहीं आरोग्य भारती के पूर्वी उत्तर प्रदेश क्षेत्र के क्षेत्र सह संयोजक डॉ. संग्राम सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य के क्षेत्र में अखिल भारतीय स्तर पर काम करने वाले चिकित्सा विशेषज्ञों की मौजूदगी में चिकित्सा के साथ ही संगठनात्मक ढांचे पर भी चर्चा होगी। संगठन के वर्तमान कार्यों की समीक्षा की जाएगी। अगले वर्ष किए जाने वाले कार्यों पर चर्चा होगी।

अभी दो दिन और हो सकती है भारी बारिश, मौसम विभाग ने जारी किया अलर्ट

वाराणसी, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के कई शहरों में पिछले कुछ दिनों से लगातार बारिश हो रही है। बंगाल की खाड़ी में निम्न दबाव के क्षेत्र का असर उत्तर प्रदेश सहित उत्तर भारत के अधिकांश हिस्सों में देखने को मिल रहा है। पूर्वांचल में बुधवार को दोपहर में बादल छाने शुरू हुए और शाम होते-होते बारिश हो गई। मौसम विभाग ने गुरुवार और शुक्रवार को पश्चिमी उत्तर प्रदेश में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वाराणसी में हो रही बारिश का असर रावण दहन में भी देखने को मिला। बारिश में रावण परिवार पूरी तरह भीग गया। जिसकी वजह से लोगों ने जमीन पर लेटाकर रावण का पुतला फूंका।

मौसम विभाग ने लखनऊ सहित 51 जिलों के लिए बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं, महराजगंज, सिद्धार्थनगर, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच और खीरी में भी ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। बारिश के कारण मौसम का मिजाज बदल गया है।

शादी-नौकरी का झांसा देकर युवाओं से साइबर ठगी

अलीगढ़, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के अलीगढ़ में साइबर अपराध तेजी से पनप रहा है। न सिर्फ यहां के लोग अपराधियों के शिकार हो रहे हैं। बल्कि यहां के युवा साइबर अपराधियों से प्रेरित होकर अपराध की इस नई तरह की दुनिया में कदम भी बढ़ा रहे हैं। पिछले तीन सालों में पुलिस ने कई बार छापेमारी कर इसका खुलासा भी किया है और अपराधियों को सलाखों के पीछे भी पहुंचाया है।

28 अप्रैल 2022 को अलीगढ़ में फर्जी कागजात तैयार करा कर फाइनेंस कंपनियों से ठगी करने वाले गैंग का पुलिस ने खुलासा किया था।

सिविल लाइंस थाना पुलिस ने पांच आरोपियों के कब्जे से आधार कार्ड, पैन कार्ड, क्रेडिट कार्ड और डेबिट कार्ड सहित फाइनेंस कंपनियों से फर्जी तरीके से खरीदे गये सामान भी बरामद किये थे। यह गैंग फाइनेंस कंपनियों से फर्जी दस्तावेजों पर लोन मंजूर कराता था और फरार हो जाता था।

26 फरवरी 2021 को अलीगढ़ साइबर थाना पुलिस ने को पॉलिसी रिफंड कराने का झांसा देकर ठगी करने वाले अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार लोगों को गिरफ्तार किया था।

यह गैंग दिल्ली, नोएडा, उप्र के लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। पुलिस ने इनके पास से भारी मात्रा में मोबाइल, डेबिट कार्ड, लैपटॉप आदि बरामद किए थे।

मोहन भागवत पर फिर भड़के लालू

आरएसएस प्रमुख बोले - सरकारी नौकरी कितनी दे सकते हैं? लालू का तंज - वादा सिर्फ वोट बटोरने के लिए!

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विजयादशमी के अवसर पर नागपुर में संघ कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि 'भारत जैसे विशाल जनसंख्या वाले देश में आर्थिक तथा विकास नीति रोजगार उन्मुख हो यह अपेक्षा स्वाभाविक ही कही जाएगी, लेकिन रोजगार यानी केवल नौकरी नहीं यह समझदारी समाज में भी बढ़ानी पड़ेगी। कोई काम प्रतिष्ठा में छोटा या हल्का नहीं है, परिश्रम, पूंजी तथा बौद्धिक श्रम सभी का महत्व समान है। उद्यमिता की ओर जाने वाली प्रवृत्तियों को प्रोत्साहन देना होगा। स्टार्टअप इसमें अहम भूमिका निभा रहा है। इसे और आगे बढ़ाने की जरूरत है।'

मोहन भागवत के इस बयान पर राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद ने ट्वीट कर तंज कसा है। मोहन भागवत ने कहा कि अगर ऐसे ही सब लोग सरकारी नौकरी के पीछे दौड़ेंगे तो नौकरी कितनी दे सकते हैं? किसी भी समाज में सरकारी और प्राइवेट मिलाकर ज्यादा से ज्यादा 10,20,30 प्रतिशत नौकरी होती है। बाकी सब को अपना काम करना पड़ता है।

'तो नफरत फैलाने वाले सज्जन बिन मांगा ज्ञान बांटने चले आते हैं'

लालू प्रसाद ने अपने ट्वीट में आरएसएस को तो निशाने पर लिया ही साथ ही मोहन भागवत और नरेन्द्र मोदी को भी आड़े हाथों लिया। लालू प्रसाद ने कहा कि 'आरएसएस की ठग विद्या से प्रशिक्षित एवं संघ की महाझूठी, महाकपटी पाठशाला से निकले जुमलेबाज विद्यार्थी ही सालाना 2 करोड़ नौकरी प्रतिवर्ष देने का वादा कर वोट बटोरते हैं? जब आरएसएस-बीजेपी अपनी ही बेफिजूल की बातों में फंसती है तो नफरत फैलाने वाले सज्जन बिन मांगा ज्ञान बांटने चले आते हैं।

लालू के बेटे तेजस्वी नौकरी देने की बात लगातार कर रहे

लालू प्रसाद का यह तंज इसलिए भी मायने रखता है कि उनके बेटे और उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव बिहार में युवाओं को सरकारी नौकरी देने की बात लगातार कर रहे हैं। बिहार के युवाओं को इंतजार है कि कई विभागों से बड़ी संख्या में नौकरी के लिए वेकेंसी आएगी। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 15 अगस्त को दिए भाषण में कहा कि हम 10 लाख नौकरी के साथ ही 10 लाख रोजगार भी देंगे।

बता दें कि दशहरे के दिन ही 1925 में नागपुर में डॉ. हेडगेवार ने संघ की स्थापना की थी। इसी अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में मोहन भागवत ने टिप्पणी की थी जिस पर लालू प्रसाद को गुस्सा आ गया।

कृषि विभाग में 9 हजार बहाली जल्द, किसानों के लिए 100 करोड़

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार के नए कृषि मंत्री सर्वजीत कुमार अपना पदभार ग्रहण करते फॉर्म में हैं। उन्होंने किसानों के लिए 100 करोड का डीजल अनुदान देने की घोषणा कर दी है। चार्ज लेने के साथ ही कृषि मंत्री ने कहा है कि बिहार के किसानों की सेवा उनका दायित्व है किसानों को जो नुकसान हुआ है उसकी भरपाई के लिए ज्यादा से ज्यादा योग्य किसानों तक डीजल अनुदान पहुंचाया जाएगा। दूसरी तरफ कृषि मंत्री ने बेरोजगारों के लिए भी खुश करने वाली घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि जल्द ही विभाग में बहाली शुरू होगी। फिलहाल 9 हज़ार नई नौकरी देने की घोषणा मंत्री ने की है। उन्होंने कहा है कि कृषि विभाग को हैंड की आवश्यकता है। इसके लिए युवाओं को काम करने का अवसर दिया जाएगा। युवा किसानों की सेवा करने के साथ-साथ अपना कैरियर भी संवारेंगे। कृषि मंत्री सुधाकर सिंह के इस्तीफे के बाद सर्वजीत कुमार को इस विभाग की जिम्मेदारी दी गई है।

बीजेपी के निशाने पर नीतीश- अपने से बड़े अहंकारी को देख 70 फुट का रावण भी धराशायी हो गया

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ संजय जायसवाल ने सोशल मीडिया के जरिए नीतीश कुमार पर करारा हमला बोला है। नीतीश कुमार पर कटाक्ष करते हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने लिखा कि दशहरे के दिन गांधी मैदान मे मुख्य अतिथि के रूप में नीतीश के आते ही सत्तर फुट का रावण भी धराशायी हो गया क्योंकि उसने देखा कि उससे भी ज्यादा अभिमानी व्यक्ति सामने खड़ा है। अपने फेसबुक पोस्ट में संजय जायसवाल ने लिखा है कि उनके इलाके में एक शब्द चलता है 'गल थेथरही' करना। नितीश कुमार इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं। भाजपा अध्यक्ष ने लिखा कि पिछले साल से ही नगर विकास विभाग और एडवोकेट जनरल के कहने के बावजूद उन्होंने कोई चिंता नहीं की। निकाय चुनाव का सबसे आसान तरीका मध्य प्रदेश की तरह विधानसभा में एक संकल्प लाकर, आरक्षण के अधिकार का कागज बनाकर चुनाव कराना था। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला बोलते हुए संजय जायसवाल ने कहा कि जब मानसिकता चुनाव कराने के बजाय नगर निकाय मे आने वाले धन को लूटने की हो, तब चुनाव जितना देर हो सके, उसी में तो फायदा है। यही नीतीश कुमार की मंशा है, इसलिए नीतीश कुमार ने निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया और मनमानी की। संजय जायसवाल ने कहा कि नीतीश कुमार अपनी गलती नहीं मान रहे हैं और हाई कोर्ट द्वारा सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के अनुसार दिए गए निर्णय के खिलाफ नितीश कुमार जी सुप्रीम कोर्ट जाएंगे।

सुधाकर सिंह के बाद जगदानंद भी देंगे इस्तीफा?

लालू यादव से मिलने दिल्ली जा रहे हैं

पटना, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बिहार की सियासत की एक बड़ी खबर है। राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह अपने पद से इस्तीफा दे सकते हैं। आरजेडी प्रदेश अध्यक्ष दिल्ली जा रहे हैं। संभावना है कि आज जगदानंद सिंह दिल्ली के लिए रवाना हो जाएंगे। कल दोपहर बाद उनकी लालू यादव से मुलाकात होगी और इस दौरान वे अपने पद से इस्तीफे की पेशकश कर सकते हैं।

एक समाचार चैनल के मुताबिक जगदानंद सिंह अपने पुत्र सुधाकर सिंह के मंत्री पद के इस्तीफे के बाद यह कदम उठा सकते हैं। लेकिन कोई भी स्टेप लेने से पहले जगदानंद सिंह पार्टी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव से विमर्श करेंगे। आरजेडी के कद्दावर जगदानंद सिंह हाल ही में प्रदेश अध्यक्ष बनाए गए हैं। अगर वह इस्तीफे की पेशकश करते हैं तो राजद को बड़ा झटका लगेगा। बिहार में पार्टी को कौन चलाएगा यह बड़ी चुनौती होगी।

जगदानंद सिंह राजद और बिहार के बड़े नेता हैं। वे कभी अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं करते। पार्टी में रहते हुए उन्होंने अपने परिजनों के खिलाफ भी चुनाव प्रचार किया है और जरूरत पड़ने पर अपने पार्टी नेताओं के खिलाफ भी बोलने से पीछे नहीं हटे। दूसरी और पार्टी को मजबूत बनाने और चुनाव में सफलता दिलाने के लिए उन्होंने कड़े अनुशासन और मजबूती के साथ काम किया।

इन वजहों से जगदानंद सिंह के इस्तीफे खबर बिहार की राजनीति के लिहाज से महत्वपूर्ण है। सुधाकर सिंह के इस्तीफे के बाद भी जगदानंद सिंह खुलकर सामने आए थे। बल्कि, मीडिया में स्थिति की जानकारी उन्होंने ही दी थी। अपने बयान में जगदानंद सिंह ने कहा था कि बड़े लक्ष्य के लिए त्याग करना पड़ता है। सुधाकर सिंह के इस्तीफे के बाद उनका बयान आया था कि बिहार में किसानों को उचित सुविधा नहीं मिल रही है। तभी से कयास लगाए जा रहे थे कि अपने बेटे के समर्थन में प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद से कोई बड़ा कदम उठा सकते हैं।

दलित महिला पर एसिड अटैक

खेत में बंधक बनाकर पीटा, प्रधानी के चुनाव से चली आ रही रंजिश

संभल, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। संभल में एक महिला पर दबंगों ने एसिड डाल दिया। बताया जा रहा है कि प्रधानी चुनाव में वोट न देने पर खेत में महिला से बदतमीजी की। विरोध करने पर एसिड अटैक से हमला किया गया है। महिला को उपचार के लिए जिला संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती करवाया गया। महिला की हालत गंभीर देखते हुए हायर सेंटर के लिए रेफर किया गया है। वहीं थाना पुलिस ने 6 आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

पूरा मामला उत्तर प्रदेश के जनपद संभल के थाना एचौड़ा कंबोह क्षेत्र के गांव मंडावली रसूलपुर का है। जहां एक दलित महिला कुछ महिलाओं के साथ खेत में चारा लेने गई थी। वहीं गांव के छह युवक दलित महिला को खेत में खींच कर ले गए। उसे घंटों बंधक बनाकर मारपीट करते हुए बदतमीजी की और विरोध करने पर उसके ऊपर एसिड डाल दिया। एसिड अटैक से गंभीर रूप से पीड़ित महिला को उपचार के लिए चिकित्सालय में लाया गया।

कानपुर हादसे के बाद ट्रैक्टर ट्रालियों पर सरकार के एक्शन से भड़के राकेश टिकैत

लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूपी के कानपुर में पहली अक्टूबर को ट्रैक्टर ट्राली के पलटने से हुए हादसे और उसमें कई लोगों की मौत होने के बाद सीएम योगी ने कहा था कि ट्रैक्टर और ट्रक जिस काम के लिए बने हैं, उनका उसी में उपयोग हो। सवारी बैठाकर ढोने के काम में उसका उपयोग नहीं किया जाये। इस आदेश पर किसान नेता और भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत भड़क गये।

उन्होंने मंगलवार को पीलीभीत में कहा कि यह सीधे तौर पर किसानों और आम लोगों का उत्पीड़न है। उन्होंने इसका विरोध करते हुए कहा कि ट्रैक्टर गांवों के लोगों का आवागमन का साधन है। उन्होंने सरकार से पूछा कि जब ट्रेन या बस हादसा होता है तो क्या उस पर भी रोक लगाई जाती है।

राकेश टिकैत ने कहा, "ट्रैक्टर आंदोलन में चलेंगे, ये उसको रोकने की साजिश है। गन्ना भुगतान होगा नहीं, फसल आधे रेट में बिकेगी। हमारी किसान यूनियन सरकार के इस को लेकर विरोध करेगी। ट्रैक्टर किसानों का साधन है, किसान किससे जाएगा। ये किसानों को बर्बाद करने का तरीका है।"

हादसे के बाद सीएम योगी गए थे पीड़ितों का हालचाल जानने

रविवार (2 अक्टूबर 2022) सीएम योगी आदित्यनाथ जब कानपुर की घटना में पीड़ितों से मिलने उनके घर पहुंचे तो उन्होंने साफ कहा कि अब ट्रैक्टर ट्राली का उपयोग सवारी ढोने में नहीं किया जाएगा। इसके बाद परिवहन विभाग ने ट्रैफिक पुलिस को प्रदेश में ट्रैक्टर-ट्रॉली, डाला और डंपर पर सवारियां ढोने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। उन पर दस हजार रुपये के जुर्माना लगाने का भी आदेश दे दिया गया है। ट्रैफिक पुलिस लोगों को इस बारे में जागरूक करने का विशेष अभियान भी चला रही है। सरकार के आदेश के बाद प्रशासन ट्रैक्टर-ट्रॉली, डाला और डंपर पर सवारियां ढोने को रोकने जा रही है तो दूसरी तरफ किसान नेता राकेश टिकैत ने भी आंदोलन शुरू करने की चेतावनी दी है। इससे पहले राकेश टिकैत ने कहा था कि केंद्र सरकार पिछले साल हुए किसान आंदोलन को लेकर जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं हुये हैं, लिहाजा किसान दिल्ली के बार्डर पर फिर से अपना आंदोलन शुरू करेंगे।

10 हजार लोगों को नहीं मिलेगी पेंशन, विभाग ने लगाई रोक

बदायूं, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। आधार प्रमाणीकरण कराने से वंचित रह गये 10 वृद्धों की राष्ट्रीय वृद्धावस्था पेंशन के तहत मिलने वाली पेंशन राशि अटक गयी है। इन वृद्धों द्वारा समाज कल्याण विभाग के बार-बार कहने के बाद भी आधार प्रमाणीकरण नहीं कराया जा रहा था, ये वृद्ध अगर 15 अक्टूबर तक आधार प्रमाणीकरण करा लेते हैं तो भी इन्हें प्रथम किश्त का लाभ मिल जायेगा। जिले में राष्ट्रीय वृद्धास्था पेंशन के 73,793 लाभार्थी हैं। इनमें से अब तक 63,793 पेंशनर आधार प्रमाणीकरण करा चुके हैं।

मुलायम सिंह यादव की सेहत अभी भी नाजुक, सीआरआरपीटी सपोर्ट पर

लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पूर्व मुख्यमंत्री और संस्थापक मुलायम सिंह यादव की सेहत नाजुक बनी हुई है। मुलायम की क्रिएटनिन लेवल बार-बार बढ़ता जा रहा है। एडवांस सीआरआरपीटी सपोर्ट पर रखा गया है। बताया जा रहा है कि उनकी सेहत कोई खासा सुधार नहीं हुआ है। गुरुग्राम स्थित मेदांता अस्पताल ने बुधवार को उनका हेल्थ बुलेटिन जारी करते हुए कहा कि वह इंटेंसिव केयर यूनिट में भर्ती हैं और विशेषज्ञों की टीम उनके इलाज में जुटी है। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव समेत शिवपाल यादव व सपा के कई नेता व समर्थक वहां मौजूद हैं। मंगलवार को उन्हें सीसीयू से निकाल कर आईसीयू में शिफ्ट किया गया है।

मुलायम सिंह को निम्न रक्तचाप और सांस लेने में तकलीफ के कारण पहले भी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस बीच, यादव की तबियत में सुधार के लिए उनके पैतृक गांव सैफई समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में विशेष प्रार्थनाएं और दुआएं की जा रही हैं। समाजवादी पार्टी (सपा) संस्थापक और पूर्व रक्षा मंत्री मुलायम सिंह यादव को देखने बुधवार को राजद प्रमुख लालू प्रसाद यादव पहुंचे। लालू के साथ उनके छोटे बेटे और बिहार के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव भी थे। इस दौरान लालू और तेजस्वी ने मुलायम सिंह यादव के बेटे व यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव से बातचीत की। तेजस्वी यादव ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है।

कानपुर में 1 घंटे तक दबी रहीं 5 सवारियां

तेज रफ्तार डंपर ने मारी टक्कर, कटर से ऑटो काटकर निकाले गए

कानपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। कानपुर में तेज रफ्तार डंपर ऑटो को टक्कर मारते हुए उसके ऊपर चढ़ गया। हादसे में ऑटो चालक समेत पांच सवारियां घायल हो गईं, जिसमें से तीन की हालत गंभीर है। हादसे के बाद राहगीर और स्थानीय लोगों ने ऑटो में दबी सवारियों को बाहर निकाल लिया, लेकिन ऑटो चालक फंस गया। कटर से ऑटो की बॉडी काटकर चालक को भी बाहर निकाला गया। रेस्क्यू में एक घंटे का समय लगा। नौबस्ता थाना क्षेत्र के मछरिया चौराहे के पास तेज रफ्तार बेकाबू डंपर सवारियों से भरे ऑटो को टक्कर मारता हुआ उसके ऊपर चढ़ गया। हादसे में ऑटो के परखच्चे उड़ गए। उसमें बैठी पांच सवारियों में तीन गंभीर रूप से घायल हो गईं। जबकि ड्राइवर क्षतिग्रस्त ऑटो की बॉडी में दब गया। चीख-पुकार सुनकर वहां मौजूद राहगीरों और पब्लिक ने चार सवारियों को बाहर निकालकर एंबुलेंस की मदद से हॉस्पिटल भेजा। जबकि फंसे हुए ऑटो चालक को कड़ी मशक्कत के बाद भी बाहर नहीं निकाल सकी। सूचना पर नौबस्ता थाने की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने जेसीबी को बुलवाया। इसके बाद डंपर को उठाया और उसके नीचे दबे ऑटो को बाहर निकाला। फिर कटर से ऑटो की बॉडी काटकर ड्राइवर को गंभीर हालत में बाहर निकाला गया। उसे भी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

सीमा विवाद में उलझी रही पुलिस

हादसे के बाद पुलिस सीमा विवाद में उलझी रही। नौबस्ता पुलिस और हनुमंत विहार थाने की पुलिस एक-दूसरे की सीमा का मामला होने का दावा करती रहीं। बाद में पता चला कि नौबस्ता थाना क्षेत्र का मामला है, तब थाना प्रभारी संजय पांडेय फोर्स के साथ पहुंचे।

दस सिर का बच्चा तो कोई पैदा नहीं हुआ फिर रावण कैसे आया

इस पर मंथन करें- बोले स्वामी प्रसाद मौर्य

लखनऊ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सपा नेता स्वामी प्रसाद मौर्य ने रावण को लेकर कुछ ऐसा बयान दिया है जोकि सुर्खियों में आ गया है। उन्होंने मीडिया से बात करते हुए कहा कि आखिर जब दस सिर वाला कोई बच्चा आज तक दुनिया में पैदा ही नहीं हुआ तो फिर रावण कैसे पैदा हुआ होगा, यह अपने आप में एक बड़ा सवाल है। इसपर सभी मंथन करें।

सपा एमएलसी स्वामी प्रसाद मौर्य ने दशहरे के मौके पर यूपी के गोंडा में मीडिया से बात करते हुए कहा, "दस सिर वाला व्यक्ति वैज्ञानिक तरीके से न कभी पैदा हुआ है और न ही पैदा होगा। रही बात बुराईयों के प्रतीक के रूप में, तो यदि कोई पुतला जलाया जाता है तो अलग बात है लेकिन जैसा कहा जाता है कि रावण के दस सिर थे, तो आजतक दुनिया में 10 सिर वाला कोई बच्चा पैदा ही नहीं हुआ। तो फिर रावण कैसे पैदा हुआ, यह अपने आप में बड़ा सवाल है।"

उन्होंने मीडिया से आगे कहा कि आप सब भी इस बात पर मंथन कीजिएगा। आगे स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा, "कहा जाता है कि रावण विद्वान भी था, कुबेर उसके यहां झाड़ू लगाते थे। वो सर्व शक्तिशाली था तो इन सबके बाद भी लोग उनका पुतला जलाते हैं, तो फिर धर्माचार्यों को भी विचार करना चाहिए, उसमें किसी राजनीतिक विचार का मतलब नहीं है।"

बता दें कि फिल्म आदिपुरुष के टीजर में रावण के रूप को लेकर विवाद खड़ा हो गया है। मध्य प्रदेश के गृह मंत्री नरोत्तम मिश्रा ने कहा, "मैंने उसका (आदिपुरुष फिल्म का) ट्रैलर देखा है और उसमें आपत्तिजनक दृश्य हैं। हमारी आस्था के केंद्र बिंदुओं का जिस रूप में दिखाया गया है वह अच्छा नहीं है। हनुमान जी के अंगवस्त्र को चमड़े में दिखाए गए हैं जो आस्था पर कुठाराघात है।" आदिपुरुष के टीजर पर भड़के नरोत्तम मिश्रा, निर्माता को दी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी, बोले- ये हमारी आस्था पर चोट उन्होंने आगे कहा है कि मैं फिल्म निर्माता ओम राउत को आपत्तिजनक दृश्य हटाने के लिए पत्र लिख रहा हूं। अगर वे दृश्य नहीं हटाते हैं हम क़ानूनी कार्रवाई करेंगे। वहीं इस फिल्म पर स्वामी प्रसाद मौर्य का कहना है कि इसके साथ क्या करना है कि इसका फैसला भारत सरकार के सूचना प्रसारण मंत्रालय को करना है। मेरे कहने से यह फिल्म फ्लॉप और हिट नहीं होगी।

बीजेपी के पूर्व विधायक संगीत सोम के विवादित बोल

कहा- भविष्य में जरूरी होंगे शस्त्र, वर्ग विशेष पर निशाना

मेरठ, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मेरठ से सटे सरधना में राजपूत उत्थान सभा के तत्वावधान में विजयदशमी पर्व पर खेड़ा इंटर कॉलेज प्रांगण में शस्त्र पूजन समारोह आयोजित किया गया। इसमें बिरादरी के सदस्यों ने विभिन्न प्रकार के शस्त्रों की पूजा की और समाज की एकजुटता का आह्वान किया। मंच से जनता को संबोधित करते हुए भाजपा के पूर्व विधायक संगीत सोम ने फिर से विवादित भाषण देते हुए वर्ग विशेष पर निशाना साधा और कहा कि सत्ता के साथ-साथ भविष्य में शस्त्रों की भी जरूरत पड़ेगी। राजपूत उत्थान सभा के शस्त्र पूजन कार्यक्रम के दौरान पूर्व विधायक ठाकुर संगीत सोम ने कहा कि पहले शस्त्र पूजन में सैकड़ों लाइसेंसी शस्त्र पूजन के लिए आते थे। उन्होंने कहा कि धर्म परिवर्तन से नहीं, त्याग, तपस्या समर्पण के बल पर आगे बढ़ता है।

मुकेश अंबानी को उड़ाने की धमकी देने वाला दरभंगा से गिरफ्तार, मोबाइल बरामद

दरभंगा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। देश के बड़े उद्योगपति मुकेश अंबानी और उनके परिवार को उड़ा देने की धमकी देने वाले शख्स को बिहार के दरभंगा से गिरफ्तार किया गया है।

पकड़ा गया युवक राकेश कुमार मिश्रा है जिसे दरभंगा के मनिगाछी थाना के ब्रह्मपुरा गांव से गिरफ्तार किया गया है। उसके पिता सुनील कुमार मिश्रा हैं। मुंबई पुलिस उसे अपने साथ कोर्ट में पेश करने के बाद ले गई है। इसकी पुष्टि दरभंगा के अवकाश कुमार की है । आरोपी का मोबाइल भी बरामद कर लिया गया है जिससे उसने धमकी दिया था।

दरभंगा एसएसपी अवकाश कुमार ने इस मामले में बताया की मुकेश अंबानी फैमिली द्वारा संचालित हॉस्पिटल में फोन कर उड़ाने की धमकी एक व्यक्ति के द्वारा दी गई थी। एक ही दिन में दो बार धमकी दी गई। जांच में उस मोबाइल का लोकेशन दरभंगा में मिला जिससे अंबानी हॉस्पिटल और फैमिली को उड़ा देने की धमकी दी गई थी।

मुंबई पुलिस द्वारा दरभंगा पुलिस को इसकी सूचना दी गई उसके बाद मनीगाछी अध्यक्ष को आरोपी को ट्रैक करने का निर्देश दिया गया। रात में ही मुंबई पुलिस यहां आई थी और लगभग 1 घंटे एक्सरसाइज के बाद दरभंगा पुलिस की मदद से आरोपी को पकड़ लिया गया। पुलिस ने उस मोबाइल और सिम को भी बरामद कर लिया है जिससे अंबानी फैमिली को धमकी दी गई थी।

इस महीने अपनी पहली कमर्शियल लॉन्चिंग करेगा इसरो

वनवेब के 36 उपग्रहों को एलईओ में भेजेगा

बेंगलुरु, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने गुरुवार को जानकारी दी कि वह यूनाइटेड किंगडम के वैश्विक संचार नेटवर्क 'वन वेब' के 36 उपग्रहों को अपने सबसे भारी लॉन्चर एलवीएम3 या लॉन्च व्हीकल मार्क आईआईआई के जरिए इस महीने के अंत में अंतरिक्ष में प्रक्षेपित करेगा। 'वनवेब इंडिया-1 मिशन/एलवीएम3 एम2' के तहत होने वाला 36 उपग्रहों का यह प्रक्षेपण इसरो के एलवीएम3 की ग्लोबल कर्मिशियल लॉन्च सर्विस मार्केट में एंट्री कराएगा। इसरो के कर्मशियल आर्म 'न्यूस्पेस इंडिया लिमिटेड' ने ब्रॉडबैंड संचार उपग्रहों को लो अर्थ ऑर्बिट (एलईओ) में लॉन्च करने के लिए वनवेब इंडिया के साथ 2 सर्विस कॉन्ट्रैक्ट साइन किए हैं। इसरो ने गुरुवार को एक ट्वीट में कहा कि वह वन वेब के साथ अपने अनुबंध के तहत आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से कंपनी के 36 उपग्रहों को एलवीएम द्वारा पृथ्वी की निचली कक्षा में स्थापित करेगा। इस लॉन्च के साथ, वनवेब अपने 1 ' प्लान का 70 प्रतिशत से अधिक अचीव कर लेगा। कंपनी का यह प्रोजेक्ट गवर्नमेंट, बिजनेस और आम लोगों को हाई स्पीड कनेक्टिविटी सर्विस प्रदान करने के लिए है।

इसरो ने अपने ट्विटर हैंडल पर लॉन्च की तैयारियों के बारे में विवरण साझा किया, जिसमें बताया गया कि आने वाले दिनों में लॉन्च व्हीकल के क्रायोजेनिक अपर स्टेज का इंटीग्रेशन और 36 सैटेलाइट्स के साथ पेलोड फेयरिंग का इंटीग्रेशन पूरा होगा, जिससे यह प्रोजेक्ट अक्टूबर के तीसरे या चौथे सप्ताह तक लॉन्च के लिए तैयार होगा। वनवेब- 648 एलईओ उपग्रहों के एक समूह द्वारा संचालित वैश्विक संचार नेटवर्क है, जिसका मुख्यालय लंदन में है। फरवरी 2019 में इसकी स्थापना हुई थी। इसका उद्देश्य एलईओ उपग्रहों के एक समूह के माध्यम से दुनिया भर में हर जगह कनेक्टिविटी प्रदान करना है। भारती एयरटेल वन वेब की एक प्रमुख निवेशक और शेयरधारक कंपनी है। भारती एयरटेल एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील मित्तल ने पिछले साल अक्टूबर में इंडियन स्पेस एसोसिएशन की शुरुआत के मौके पर अपने संबोधन में कहा था कि हमारी योजना 2022 मध्य से वन वेब सैटेलाइट के जरिए देश में कनेक्टिविटी सर्विस शुरू करने की है। उन्होंने कहा था, 'वन वेब पहली कस्टमर होगी जो इंडियन स्पेस मार्केट को कर्मशियल बनाना शुरू करेगी।' उन्होंने कहा था कि कई बड़े देशों ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है और सरकार के समर्थन के बिना उनके बराबर जा पाना संभव नहीं है। मित्तल ने कहा, 'मुझे यकीन है कि आईएसपीए के जरिए अधिक से अधिक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक एशिया में इसरो के दरवाजे पर आएंगे। हमारा भविष्य काफी उज्ज्वल है। प्रधानमंत्री मोदी हमें रास्ता दिखा रहे हैं।' वर्तमान में वन वेब के अंतरिक्ष में 322 सैटेलाइट हैं।

केरल में केएसआरटीसी बस के स्कूल ट्रिप वाहन की चपेट में आने से 9 में से 5 छात्रों की मौत, 40 घायल

नीलगिरी, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। गुरुवार तड़के वालयार-वडक्कनचेरी राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्कूली छात्रों को ले जा रही एक पर्यटक बस के केएसआरटीसी तेज यात्री बस के पिछले हिस्से से टकरा जाने से नौ लोगों की मौत हो गई और कम से कम 40 घायल हो गए, जिनमें से 12 गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि मृतकों में पांच छात्र शामिल थे, जिनमें ज्यादातर 15 साल और उससे कम उम्र के थे, एक शिक्षक और तीन केएसआरटीसी बस यात्री थे। हादसा अंजुमूर्ति-मंगलम बस स्टॉप के पास हुआ।

एर्नाकुलम के मुलंथुरुथी में बेसलियस स्कूल से टूर ग्रुप उधगमंडलम (ऊटी) की ओर जा रहा था, जो पड़ोसी तमिलनाडु के नीलगिरी जिले में एक हरा-भरा और धुंध भरा हिल स्टेशन है। परिवहन मंत्री एंटनी राजू ने तिरुवनंतपुरम में संवाददाताओं से कहा कि पर्यटक बस कानूनी गति सीमा से काफी ऊपर चल रही थी, अनुमानित 97।2 किमी प्रति घंटा। उन्होंने कहा कि चालक शायद थका हुआ था। सरकार को मिली प्रारंभिक जानकारी से संकेत मिलता है कि वह वेलंकनी की तीन दिवसीय यात्रा के बाद अभी-अभी लौटा था।

बस मालिक ने उसे लाभ निचोड़ने के लिए पर्याप्त आराम के लिए बिना किसी भत्ते के लंबी दूरी की ड्राइव के लिए नियुक्त किया था। मालिक भी दौरे के संचालन में तेजी लाने के लिए त्वरित बदलाव चाहता था। श्री राजू ने कहा कि स्कूल के अधिकारियों ने परिवहन विभाग के सर्कुलर की अनदेखी की है कि क्षेत्रीय परिवहन अधिकारी बस की फिटनेस का निरीक्षण करते हैं और छात्र पर्यटन के लिए गाड़ी को अनुबंधित करने से पहले ड्राइवर के ट्रैक रिकॉर्ड को सत्यापित करते हैं। हालांकि स्कूल प्रशासन ने परिवहन विभाग को इसकी सूचना नहीं दी। श्री राजू ने कहा कि कई उल्लंघनों के कारण दुर्घटना हुई। उन्होंने परिवहन आयुक्त एस। श्रीजीत को तुरंत मौके पर पहुंचकर जांच करने का काम सौंपा था। श्री राजू ने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पर्यटक बसें सड़क सुरक्षा मानकों का पालन करें। यह अंधाधुंध रोशनी और बहरे हॉर्न और साउंड सिस्टम वाली बसों को भी इंपाउंड करेगा।

उन्होंने कहा कि इस तरह की अवैध अतिरिक्त फिटिंग ने चालक की एकाग्रता को प्रभावित किया और अन्य सड़क उपयोगकर्ताओं को परेशान किया। केएसआरटीसी बस

से टकराने के बाद पर्यटक वाहन पलट गया था। टेलीविजन छवियों ने वाहनों के क्षतिग्रस्त अवशेष दिखाए। फंसे हुए यात्रियों को निकालने के लिए दमकल और बचाव विभाग के अधिकारियों को धातु के बड़े टुकड़े काटने पड़े। स्थानीय लोगों ने उनकी मदद की। एक व्यथित माता-पिता ने एर्नाकुलम में एक टेलीविजन समाचार रिपोर्टर को बताया कि उसके वार्ड, जो दुर्घटना में बच गया था, और उसके सहपाठियों ने ड्राइवर को ओवरस्पीडिंग से रोकने के लिए व्यर्थ प्रयास किया था। आबकारी मंत्री एम।बी। राजेश और देवासम मंत्री के। राधाकृष्णन मौके पर पहुंचे। उन्होंने कहा कि सरकार ने मृतकों के शवों को जल्द से जल्द परिजनों को वापस करने के लिए जांच और पोस्टमार्टम की प्रक्रिया तेज कर दी है। श्री राधाकृष्णन ने संकेत दिया कि राज्य संभावित रूप से पीड़ितों को मुआवजा देगा। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, जो यूरोपीय दौरे पर हैं, अंतिम निर्णय लेंगे। मंत्रियों ने कहा कि पुलिस ने अभी तक पहचान प्रक्रिया पूरी नहीं की है। वे जल्द ही हताहतों की सूची जारी करेंगे।

तमिल डायरेक्टर बोले- हिंदू नहीं थे राजराजा चोलन

कमल हासन ने भी दिया साथ; भाजपा का हमला

चेन्नई, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता तमिल डायरेक्टर वेत्रिमारन ने एक विवादित बयान दिया है। उनका कहना है कि राजराजा चोलन हिंदू राजा नहीं थे। उनके इस बयान के बाद सम्राट की धार्मिक पहचान को लेकर बहस जारी है। वेत्रिमारन ने एक कार्यक्रम में कहा, "हमारे प्रतीक लगातार हमसे छीने जा रहे हैं। वल्लुवर का भगवाकरण हो रहा है। राजराजा चोलन को लगातार हिंदू राजा कहा जा रहा है।" वेत्रिमारन की यह टिप्पणी फिल्म निर्माता मणिरत्नम की बहुप्रतीक्षित फिल्म पोन्नियिन सेलवनः 1 की रिलीज के कुछ दिनों बाद आई है। यह फिल्म राजराजा चोलन से प्रेरित कल्कि के काल्पनिक उपन्यास पर आधारित है। वेत्रिमारन के दावे का जवाब देते हुए भाजपा नेता एच राजा ने कहा कि राजराजा चोलन एक हिंदू राजा थे। उन्होंने कहा, मैं वेत्रिमारन की तरह इतिहास से अच्छी तरह वाकिफ नहीं हूं, लेकिन उन्हें राजराजा चोलन द्वारा निर्मित दो चर्चों और मस्जिदों की ओर इशारा करना चाहिए। उन्होंने खुद को शिवपाद सेकरन कहा। क्या वह तब हिंदू नहीं थे?" भाजपा नेता एच राजा द्वारा वेत्रिमारन के दावे पर आपत्ति जताए जाने के बाद अभिनेता से नेता बने कमल हासन फिल्म निर्माता की टिप्पणी के समर्थन में आ गए हैं। कमल हासन ने कहा, राजराजा चोलन के काल में हिंदू धर्म नाम का कोई धर्म नाम नहीं था। वैणवम, शिवम और समानम थे। अंग्रेजों ने हिंदू शब्द गढ़ा था। उन्होंने थुथुकुडी को तूतीकोरिन में बदल दिया। उन्होंने यह भी कहा कि 8वीं शताब्दी के दौरान कई धर्म थे और अधिशंकरर ने 'शंमधा स्तबनम' की रचना की। कलाकारों और क्रू के साथ पोन्नियिन सेलवन को देखने गए कमल हासन ने कहा कि यह इतिहास पर आधारित एक कथा का जश्न मनाने का क्षण है। उन्होंने कहा, इतिहास को बढ़ा-चढ़ाकर पेश न करें और न ही इसमें भाषा के मुद्दे को शामिल करें।

कर्नाटक के मांड्या में 'भारत जोड़ो यात्रा' से जुड़ीं सोनिया गांधी, राहुल के साथ किया पैदल मार्च

बेंगलुरु, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। कांग्रेस की 'भारत जोड़ो यात्रा' इस समय कर्नाटक में चल रही है। कांग्रेस की अंतरिम अध्यक्ष सोनिया गांधी गुरुवार को मांड्या जिले में राहुल गांधी और पार्टी के अन्य नेताओं और कार्यकर्ताओं के साथ 'भारत जोड़ी यात्रा' में शामिल हुईं। भारत जोड़ो यात्रा आज पांडवपुरा से नागमंगला तालुक तक जाएगी। सोनिया गांधी 3 अक्टूबर को कर्नाटक पहुंची थीं। उन्होंने राहुल गांधी के साथ बुधवार को विजयादशमी के मौके पर एचडी कोट विधानसभा के बेगुर गांव में भीमनाकोली मंदिर में पूजा-अर्चना की। वह मैसूर जिले के एचडी कोटे तालुक में काबिनी बांध के बैकवाटर के पास एक रिजॉर्ट में ठहरी थीं। यहां राहुल गांधी उनसे मिलने पहुंचे थे। इसके बाद दोनों काबिनी फॉरेस्ट सफारी भी गए थे। दशहरा के कारण 3 और 4 अक्टूबर को भारत जोड़ो यात्रा नहीं निकली थी। वह लंबे समय बाद पार्टी के किसी सार्वजनिक राजनीतिक कार्यक्रम में शामिल हुई हैं। स्वास्थ्य कारणों से वह बीते कुछ वर्षों से इतनी सक्रिय भूमिका में नहीं दिखी हैं। इस साल की शुरुआत में 5 राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों में भी वह प्रचार के लिए कहीं भी नहीं गई थीं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	कन्या	में	कन्या...	04-49 बजे
चंद्र-	कुंभ	में	तुला-	06-53 बजे
मंगल	वृष	में	वृश्चिक	09-04 बजे
बुध-	कन्या	में	धनु---	11-17 बजे
गुरु-	मीन	में	मकर-	13-23 बजे
शुक्र-	कन्या	में	कुंभ-	15-13 बजे
शनि-	मकर	में	मीन...	16-52 बजे
राहु-	मेष	में	मेष--	18-48 बजे
केतु-	तुला	में	वृष--	20-12 बजे
			मिथुन..	22-13 बजे
			कर्क...	00-25 बजे
			सिंह...	02-37 बजे

विक्रम श्री नल नाम संवत्- **2079**
शक संवत् **-1944,** कलियुग अवधि-**432000**
भोग्य कलि वर्ष-**426878**
कलियुग संवत् **-5123** वर्ष सूर्य-दक्षिणायने
कल्पारंभ संवत् **-1972949123**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885123**
महावीर निर्वाण संवत् **-2548,**हिजरी सन् **-1443**
ऋतुशरद,दिशाशूल- पश्चिम-दही खाकर घर से निकले
तिथि- द्वादशी • **07-26** तक उपरान्त, त्रयोदशी
मास • आश्विन शुक्ल पक्ष ,शुक्रवार, **07 Oct**
नक्षत्र • शतभिषा • **18 -16** • तक,उपरान्त पूर्वभाद्रपद
योग • गण्ड • **23 • 29** • तक उप- वृध्दि
करण- बालव • **07 • 26** • तक,उप- कौलव
विशेष:- प्रदोष व्रत
व्रत -त्योहार • त्रयोदशी तिथि क्षय

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए ।

राहुकाल 10:35 से 12:04 तक

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र Hyd,Sec

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	06:08 - 07:37	शुभ	रोग	17:59 - 19:30	अशुभ
लाभ	07:37 - 09:06	शुभ	काल	19:30 - 21:02	अशुभ
अमृत	09:06 - 10:35	शुभ	लाभ	21:02 - 22:33	शुभ
काल	10:35 - 12:04	अशुभ	उत्पात	22:33 - 00:04	अशुभ
शुभ.	12:04 - 13:33	शुभ	शुभ	00:04 - 01:35	शुभ
रोग.	13:33 - 15:02	अशुभ	अमृत	01:35 - 03:06	शुभ
उत्पात	15:02 - 16:30	अशुभ	चंचल	03:06 - 04:37	शुभ
चंचल	16:30 - 17:57	शुभ	रोग	04:37 - 06:11	अशुभ

आपका राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): आप बहुत ही आराम से संवाद स्थापित कर रहे है लेकिन कुछ लोग इसमें अड़चन डाल सकते है और उनके हस्तक्षेप की वजह से एक बहुत ही नाटकीय दृश्य आपके कार्यालय में पैदा हो सकता है।आपका दृष्टिकोण संगठन के लाभ के खिलाफ माना जाएगा इसलिए बेहतर है की एक कदम पीछे रखे।

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): आपके नए व्यापार विचार जो आपने सुझाये थे वे अब फल देने लगेंगे ।आप अपना खुद का व्यवसाय शुरू करने की सोच सकते है। यह अपने दम पर कुछ करने के लिए सबसे अच्छा समय है।संभावना है कि आप इस समय अपने नए व्यापार के लिए पर्याप्त वित्तपोषण प्राप्त करने में सक्षम होंगे ।

मिथुन (का की कू घ ङ छ के को हा): एक लंबे समय से सीधे और संकीर्ण रास्ते में कठिन काम कर रहे है,लेकिन आज आप अपने कार्य को पूरा करने के लिए प्रवंचना या चतुराई का सहारा ले सकते है हालाँकि ये एक अनावश्यक जोखिम है। लोग आसानी से आपके तंत्र को पहचान लेंगे और इसे अपराध के रूप में लेंगे और आपने सालो से जो प्रतिष्ठा कमाई है वो आप गवां सकते है।

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): उद्यम पूंजीपतियों के लिए आज का दिन शुभ हो सकता हैं लोग आपकी विचारधारा से प्रभावित होंगे लेकिन अपनी बातो को उनके ऊपर न थोपे ।हालांकि आपको धन मिलने में देरी हो सकती है परन्तु ये धन आपको मिलने की उम्मीद है।समस्या का स्थायी समाधान नही निकलेगा ।आपको धीरज से काम लेना होगा ।

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): धन से संबंधित कुछ समस्याए आ सकती है ।आपको ये समझना होगा की कौन सा खर्च जरुरी और गैर जरुरी है अन्यथा आपको वित्तीय संकट से गुजरना पड़ सकता है ।अगर आप अपनी आय बढ़ाना चाहते है तो आपको कुछ नवीनतम प्रोद्योगिकी का समावेश करना होगा और वो आप पर निर्भर करेगा।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): आज आपको ऐसे लोगों का सामना करना पड़ सकता है जो अपने दृष्टिकोण और मांग में काफी तेज होंगे लेकिन अपने पेशेवर लाभ और अपनी कंपनी के प्रचार के लिए ये सब आपको झेलना और सहना पड सकता है हालांकि आपके शांति और धैर्य को देखकर एक सफल विज्ञापन एजेंसी व्यापार के लिए आपसे संपर्क कर सकती हैं।

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): आज आप अपने आप पर संदेह कर सकते है और अपनी खुद की क्षमता को नजरअंदाज कर सकते हैं।यह सब आपके असुरक्षित व्यवहार की वजह से है जिसे आपको नियंत्रित करना होगा ।एक गहरे स्तर पर दूसरों के साथ संदेशो का आदान प्रदान करने का प्रयास करें। इससे न केवल आप उन लोगों के साथ बेहतर सम्बन्ध बना सकोगे।

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो या यी यू): लघु लेकिन बार बार की बाधाओं से आपके काम काज की राह में रोड़ा पैदा होगा और आप समय सीमा के भीतर अपनी परियोजनाओं को पूरा करने में असमर्थ महसूस करेंगे ।ये बाधा व्यर्थ की होगी लेकिन इन से पार पाना या इनकी गणना करना मुश्किल होगा हालाँकि क्रोध और चिड़ने से समस्या का हल नहीं निकलेगा ।

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): आप स्वाभाविक रूप से शक्ति और अधिकार के लिए आकर्षित रहे हैं और इस वजह से हमेशा आपने ध्यान केंद्रित कर काम किया है।आपका परिश्रम आज फल दे सकता है लेकिन आप अपना धैर्य बनाये रखें और अपने समय के साथ चले । ये भी आवयशक है की आप अपने मन को भी व्यस्थित एवं खुला रखे ।

मकर (भो जा जी खी खू खे खो गा गी): आप चुस्त विश्वसनीय दृढ़ और सक्रिय हैं।ये गुण आपको किसी भी साक्षात्कार में आगे रखने में आपकी मदद करेंगे ।आप आज अगर किसी भी साक्षात्कार के लिए जा रहे हैं तो अपनी शारीरिक भाषा पर ध्यान दे ।आज का दिन सफेद रंग शुभ है और अपने कपड़ों के कुछ हिस्से में यह रंग पहने । वित्तीय मामलों आज औसत रहेंगे ।

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है ।अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा ।इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे।

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): आज आप एक आमंत्रक की भूमिका में रहेंगे इसलिए एक मेजबान की जगह एक आयोजक की भूमिका में रहे आप दोनों ही मामलो में अच्छी राशि पाएंगे परन्तु एक आयोजक की भूमिका लाभप्रद होगी ।यह आपकी जन्मजात क्षमताओं में से एक है सिर्फ आप उसकी पहचान नहीं कर पाये थे ।

पं महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

अगले चुनाव में अखिलेश यादव और जयंत चौधरी की करूंगा मदद : सत्यपाल मलिक

बागपत, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। मेघालय के राज्यपाल पद से सेवानिवृत्त होने के बाद सत्यपाल मलिक ने मोदी सरकार के विरुद्ध राजनीतिक हमला तेज करते हुए दो टूक कहा है कि अगले चुनाव में वह समाजवादी पार्टी (सपा) और राष्ट्रीय लोकदल (रालोद) की मदद करेंगे, हालांकि वह किसी राजनीतिक दल में शामिल नहीं होंगे। राज्यपाल पद से सेवानिवृत्त होने के बाद मलिक बागपत स्थित अपने पैतृक गांव हिसावदा में पहुंचे थे। गांव में बुधवार को ग्रामीणों ने उनका सम्मान किया और उन्होंने सभी के साथ सहभोज किया।

सरकार पर पहले से ज्यादा हमलावर होते हुए मलिक ने कहा कि यह सरकार किसान विरोधी है। भावी योजना के बारे में मलिक ने कहा, 'मैं कोई राजनीतिक पार्टी ज्वाइन नहीं करूंगा, न चुनाव लड़ूंगा, लेकिन किसानों की लड़ाई जरूर लड़ूंगा। इस लड़ाई में चौधरी चरण सिंह का पोता होने के कारण जयंत सिंह और मुलायम सिंह का बेटा होने के कारण अखिलेश यादव की मदद करूंगा।"

पूर्व राज्यपाल मलिक ने बतौर राज्यपाल अपने अनुभव को बेहतर बताते हुए कहा कि उन्होंने पूरी ईमानदारी से काम किया। जब जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 को खत्म किया, तो महबूबा मुफ्ती कहती थी कि यहां खून की नदियां बह जाएंगी। एक गोली भी नहीं चलानी पड़ी। हालांकि, उन्होंने सेवानिवृत्त होने के बाद मोदी सरकार द्वारा उनके खिलाफ भी कोई कार्रवाई करने की आशंका से इंकार नहीं किया। मलिक ने कहा, "मुझ पर भी ये लोग कुछ जरूर करेंगे। जम्मू-कश्मीर की सभी फाइलों की जांच करा लो या तलाशी ले लो, लेकिन मेरा कुछ होगा ही नहीं। मैं फकीर आदमी हूं, मेरे यहां धेला नहीं मिलेगा।" देश की समस्याओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि महंगाई और बेरोजगारी से लोग पहले ही परेशान हैं। किसानों को गन्ने की बकाया भुगतान नहीं मिल रहा और उसके दाम भी नहीं बढ़ रहे। अब अग्निवीर योजना लाकर किसानों के बच्चों का भविष्य भी खराब कर दिया। मलिक ने कहा कि किसानों के बेटों के लिए रोजगार का संकट है। नौकरी भी केवल तीन साल की कर दी गई और कोई पेंशन नहीं है। इस वक्त पूरे देश में हाहाकार मचा हुआ है। मुजफ्फरनगर में अभी अग्निवीर की भर्ती चल रही है। युवक सड़कों पर सोते हैं और उनको खाना तक नहीं मिलता है। अग्निवीर योजना लाकर किसानों के बच्चों का भविष्य भी खराब कर दिया।

65 साल के बुजुर्ग ने बहू के पेट पर हाथ फेरा, अश्लील टिप्पणियां भी कीं, अब खाएगा जेल की हवा

नई दिल्ली, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। देश की राजधानी दिल्ली में एक ऐसी घटना सामने आई है, जिससे सुनकर आप भी हैरान-परेशान हो जाएंगे। घर में जिनपर मान-सम्मान की रक्षा करने की जिम्मेदारी होती है, उसी शख्स ने महिला की आबरू पर हाथ डालने की कोशिश की है। कोर्ट ने इस मामले में सख्त रुख अपनाते हुए आरोपी को 3 साल जेल की सजा सुनाई है। दरअसल, एक महिला ने अपने ही ससुर पर पीछे से दबोचने, पेट पर हाथ सहलाने और अश्लील टिप्पणी करने का आरोप लगाया था। कोर्ट ने आरोपों को सही ठहराते हुए पीड़िता के 65 वर्षीय ससुर को दोषी माना है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पीड़िता ने मेट्रोपोलिटन कोर्ट को बताया कि नवंबर 2020 में आरोपी के बेटे से उनकी शादी हुई थी। महिला ने बताया कि उनके पति की तबीयत ठीक नहीं रहती थी। इसे देखते हुए वह अपने मायके चली गई थीं। काफी दिन बीतने के बाद वह ससुराल आ गईं। उन्होंने कोर्ट को बताया कि 16 मई 2021 को वह किचन में काम कर रही थीं। उसी वक्त उनके ससुर वहां आए और उन्हें पीछे से दबोच लिया और उनके साथ अश्लील हरकत की।

पंजाब में लगे खालिस्तान के समर्थन में नारे तो भड़के कुमार विश्वास

बोले- बस अपना एजेंडा पूरा करते रहो

चंडीगढ़, 6 अक्टूवर (एजेंसियां)। पंजाब में भगवंत मान की सरकार आने के बाद एक बार फिर से खालिस्तान समर्थक सक्रिय नजर आ रहे हैं। पंजाब के भटिंडा में सरकारी कार्यालय की दीवार पर खालिस्तान समर्थक नारे लिखे गए। वहीं होशियारपुर में खालिस्तान समर्थकों ने रैली निकाली और देश विरोधी नारे भी लगाए। इसको लेकर कवि कुमार विश्वास ने आम आदमी पार्टी पर तंज कसा है।

पंजाब में लगे देश विरोधी नारे

पंजाब के होशियारपुर में खालिस्तानी समर्थकों ने एक रैली निकालकर भारत विरोधी और पंजाब बनेगा खालिस्तान जैसे नारे लगाए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक इन नारों के पीछे प्रतिबंधित खालिस्तानी आतंकी संगठन 'सिख फॉर जस्टिस' की भूमिका सामने आई है। इसका दावा खुद आतंकी संगठन के चीफ गुरपतवंत सिंह पन्नू ने किया है। कवि कुमार विश्वास के साथ आम सोशल मीडिया यूजर्स ने भी भगवंत मान सरकार पर कई तरह के सवाल उठाए हैं।

कुमार विश्वास ने यूं कसा तंज

सोशल मीडिया पर सामने आए इस वीडियो पर कवि कुमार विश्वास ने अपने ट्विटर हैंडल के जरिए तंज कसते हुए लिखा, ' उसने सही कहा था, धीमे – धीमे लोगों को इन खबरों की आदत पड़ जाती है और वैसे भी चुनाव दूर हो तो वो कर भी क्या सकते हैं। लोगों को लालच में फंसा कर रखो और अपने तय एजेंडे को धीरे-धीरे पूरा करते रहो। इसलिए अब ये सब पोस्ट करने से कोई फायदा नहीं।'

लोगों की प्रतिक्रियाएं

दिव्या गौरव त्रिपाठी नाम की एक ट्विटर यूजर कमेंट करती हैं – फायदे नुकसान की बात नहीं है भैया। बोलना तो पड़ेगा, चुप नहीं रह सकते। आप ही कहते हैं ना कि हमें अपने हिस्से का भारत बनाना है। सब मिलकर बोलते रहेंगे तो सुनने की आदत भी बदल सकते हैं। प्रमिला नाम की एक ट्विटर यूजर ने लिखा, 'पंजाब के पैसे से गुजरात में चुनाव लड़ा जा रहा है। साम्राज्य विस्तार के लिए जनता के टैक्स के पैसे यूज किए जा रहे हैं, लोग नशे का शिकार हो रहे हैं और अलगाववादी ताकते सर उठा रही है। लेकिन इन सब से अनजान पंजाब के सीएम गुजरात में गरबा खेल रहे हैं। पंजाब चुनाव के समय कुमार विश्वास ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर आरोप लगाया था कि जब वह पार्टी में थे तो खालिस्तानी लोग उनसे मिलने दिल्ली आते थे और पंजाब को लेकर चर्चा करते थे। कुमार विश्वास ने कहा था, ' अरविंद केजरीवाल हमेशा से ही खालिस्तान के समर्थन में रहे हैं। जब मैं उनके साथ था तो वह मुझे अपनी योजनाओं के बारे में बताते रहते थे। एक दिन उन्होंने मुझसे कहा था कि मैं या तो पंजाब राज्य का सीएम बनूंगा या फिर आजाद राष्ट्र का पहला पीएम बनूंगा।'

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 7 अक्टूबर, 2022

सरकारी स्कूलों में नीतियों के साथ रीतियों को भी बदलें...!

ऋतुपर्ण दवे

भारतीय शिक्षा व्यवस्था उसमें भी खासकर सरकारी तंत्र के अधीन संचालित शिक्षण संस्थाएँ आज भी उस मुकाम पर नहीं पहुँच सकीं जिसकी उम्मीद थी। जिनके लिए और जिनके सहारे सारी कवायद हो रही है वहीं महज रस्म अदायगी करते हुए तमाम सरकारी फरमान एक दूसरे तक इस डिजिटल दौर में फॉरवर्ड कर खाना पूर्ति करते नजर आते हैं। ऐसी तमाम कोशिशों, योजनाओं के बावजूद मौजूदा हालात देख जल्द कुछ अच्छे सुधार की उम्मीद बेमानी है। सबसे ज्यादा बदहाल सरकारी स्कूलों की व्यवस्थाएँ है। सच तो यह है कि भारत में पूरी शिक्षा व्यवस्था यानी बुनियादी से लेकर व्यावसायिक तक बाजारवाद में जकड़ी हुई है। इसी चलते जहाँ निजी या कहें कि आज के दौर के धन कुबेरों या बड़े कॉर्पोरेट घरानों के स्कूल जो फाइव स्टार सी चमक दिखाकर रईसों में लोकप्रिय हैं तो वहीं मध्यमवर्गीय लोगों की पसंद के अपनी खास चमक-दमक, लुभावनी वर्दी, कंधों पर भारी भरकम स्कूल बैग और कई आडंबरों वाले हजारों निजी स्कूल देश की बड़ी आबादी की अच्छी खासी जेब ढ़ीली कर रहे हैं। अंत में बचते हैं साधारण, गरीब व बेहद गरीब तबके के लोग जिनके लिए सिवाय सरकारी स्कूलों के और कोई रास्ता ही नहीं बचता। ऐसे अधिकाँश सरकारी स्कूलों में शिक्षकों की मनमानी, एक शिक्षक के भरोसे पूरी स्कूल, सँसाधनों की कमीं, बिल्डिंग का रोना और समय की मनमानी का खुला खेल चलता है। नीतियाँ चाहें जितनी बन जाएँ लेकिन सरकारी स्कूलों में चल रही रीतियाँ बदले बिना सुधार दिखता नहीं। एक बड़ा सच यह भी कि प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले बेहद अच्छी पगार और ढ़ेरों सुविधाओं तथा स्कूली व्यवस्थाओं के लिए कई तरह के फण्ड से हजारों रुपए सालाना खर्चने के बाद भी जर्जर और दयनीय सी दिखने वाली स्थिति के स्कूल कब और कैसे सुधरेंगे बड़ा सवाल है? शायद इसीलिए लगभग हर प्रदेश के शहरों से गाँवों तक के प्रायमरी से लेकर हायर सेकेण्डरी स्कूलों के लिए भारी भरकम बजट पूरा का पूरा खर्चा जाता है, बावजूद उसके स्कूल बिल्डिंग की हालत देखते ही सामने वाला समझ जाता है कि यही इलाके का सरकारी स्कूल है। कोई दो राय नहीं कि देश में सबसे ज्यादा बदहाल सरकारी स्कूले ही हैं। सोचनीय है कि जब नींव ही कमजोर होगी तो आगे क्या होगा या होता होगा? शायद इसीलिए नकल की बीमारी, दादागिरी या संगठित शिक्षा माफिया तेजी से पनपते हैं जिसके केन्द्र बिन्दु में सरकारी स्कूल ही होते हैं। ऐसे हालातों के बावजूद प्रतिभाओं की कमीं नहीं है और कई संस्थाएं देश का नाम रौशन कर रही हैं। हाल ही में क्वाक्वेरेली साइमंड्स वर्ल्ड यूनिवर्सिटी जो दुनियाभर के विश्वविद्यालयों और तकनीकी संस्थानों की रैंकिंग जारी करती है ने 2022 में विषय वार सूची में आईआईएससी बेंगलुरु, आईआईटी दिल्ली, मद्रास और बॉम्बे को विश्व के 100 शीर्ष संस्थानों तथा 35 कार्यक्रमों को विश्व रैंकिंग में जगह दी। यकीनन यह सुखद और उपलब्धिपूर्ण है वह भी तब, जब देश की 80 से 90 फीसदी सरकारी स्कूलों में प्रायमरी से लेकर हायर सेकेण्डरी की तमाम व्यवस्थाएँ भगवान भरोसे हैं। सरकारी और प्राइवेट स्कूलों के बीच इसी खाई से पढ़ाई अमीरों के लिए शिक्षा तो गरीबों के लिए साक्षरता के बीच के पेण्डुलम से ज्यादा कुछ नहीं होती। हमें 2018 की विश्व विकास रपट यानी वर्ल्ड डेवलपमेण्ट रिपोर्ट देखना चाहिए जिसमें लर्निंग टू रियलाइज एजुकेशंस प्रॉमिस में भारत में तीसरी कक्षा के तीन चौथाई विद्यार्थी दो अंकों को घटाने वाले सवाल हल नहीं कर पाए और पाँचवीं कक्षा के आधे विद्यार्थी ऐसा नहीं कर सके। साफ है अधिकांश विद्यार्थी पठन दक्षता के न्यूनतम स्तर पर थे। यदि सरकारी नीतियों के चलते यही आगे बने रहेंगे तो प्राइवेट स्कूलों के साधन संपन्न विद्यार्थियों की तुलना में इनका स्तर हमेशा न्यूनतम ही रहेगा। ऐसे में गुणवत्ता की बात करना ही बेमानी है। यही कारण है कि गरीब परिवारों से आने वाले बच्चों का औसत प्रदर्शन अमीर परिवारों से आने वाले बच्चों की तुलना में कम होता है। एक चौंकाने वाली बात भी इसी रिपोर्ट 2018 की है। जिसमें कहा गया है कि भारत के 1300 गांवों में प्राथमिक विद्यालय के औचक निरीक्षण के दौरान 24 प्रतिशत शिक्षक गायब मिले। इसी बीच कोरोना आ गया और दो सत्र कक्षाएँ बन्द रहीं। लंबे समय तक स्कूल बंदी से बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हुई। इस बीच सरकारी घोषणा हुई कि 'एक कक्षा, एक टीवी चैनल' योजना का विस्तार होगा। शायद कोरोना काल में ऑनलाइन पढ़ाई के नतीजों से ऐसा ख्याल आया हो। जब सरकार को स्कूलों पर बजट बढ़ाना था और नए जोश और तौर तरीकों से संचालन कराने की रणनीति बनाना था तो टीवी से पढ़ाई की बात कर बजट कटौती की कोशिश तो नहीं? इस सच को स्वीकारना होगा कि दुनिया ने ऑनलाइन और डिजिटल एजूकेशन के परिणाम और दुष्परिणाम दोनों ही देख लिए हैं। विडंबना कहें या सच्चाई, सरकारी शिक्षक की पगार की तुलना में बेहद कम में प्राइवेट स्कूल लगातार बहुत अच्छे नतीजे देते सकते हैं तो अपनी इस कमीं या खामीं को सरकारें क्यों अनदेखा करती हैं? हर शिक्षक में नवाचार की संभावनाएं होती हैं लेकिन व्यव्हारिक रूप से सरकारी शिक्षक इस पर ध्यान न देकर केवल बच्चों की परीक्षा पास कराने का जरिया से ज्यादा कुछ नहीं बनते। यही बड़ी चूक है। गाँवों व कस्बों के ज्यादातर स्कूल शिक्षक विहीन होते हैं तो कस्बों, शहरों में जुगाड़ के दम पर एक ही विषय के कई-कई पोस्टेड हो जाते हैं। फर्जीवाड़ा कर अन्य विषय के शिक्षक खाली जगहों पर जा धमकते हैं। नीति आयोग की विद्यालयीन शिक्षा गुणवत्ता सूचक (एसईक्यूआई) की पहली रिपोर्ट ही बताती है कि बिहार में 80, झारखण्ड में 76, तेलंगाना में 65, मप्र में 62 प्रतिशत तो छत्तीसगढ़ में 46 प्रतिशत स्कूल प्राचार्य विहीन थे। अब तक तो स्थिति और भी बदतर हो चुकी होगी। अपात्र शिक्षकों के कंधों पर प्रधानाचार्य बोझ डाल कागजों में गोपाल गाँठ बिठायी जाती है। आलम यह है कि वरिष्ठ शिक्षक तो छोड़िए कहीं माध्यमिक तो कहीं प्राथमिक या संविदा या अतिथि शिक्षक ही एक नहीं कई जगह संस्था प्रमुख बन जाते हैं जो बाबू से लेकर दफ्तरी तक का काम करते हैं। सवाल यही कि ये पढ़ाएँगे कब और कैसे? सरकारी स्कूलों में हर महीने भारी भरकम धनराशि तो खर्च होती है। देश के छोटे से छोटे विकास खण्ड में लाखों खर्चे जाते हैं बावजूद इसके शिक्षा का स्तर नहीं सुधरता। वहीं सरकारी के मुकाबले आधे से भी कम पगार में उसी क्षेत्र के प्राइवेट स्कूल बेहतर नतीजे कैसे देते हैं? एक बड़ा सच यह भी कि सरकारी स्कूलों से निकले ज्यादातर बच्चे मिडिल, हाई और हायर सेकेण्डरी तक पहुँचते-पहुँचते प्राइवेट स्कूलों के मुकाबले फिसड्डी रहते हैं। सरकारी और निजी स्कूलों के शिक्षकों के पगार के अन्तर के मुकाबले गुणवत्ता का यह भेद खुद ही सच उगलने काफी है। हाँ, थोड़े से प्रयासों और जरा सी धनराशि से मौजूदा सरकारी स्कूलों का सिस्टम सुधर सकता है। महज एक पक्के सरकारी शिक्षक की मासिक पगार के खर्च जितने में उस पूरे स्कूल का कायाकल्प और लगातार निगरानी हो सकती है। करना इतना होगा कि स्कूलों में सीसीटीवी अनिवार्य हों जो प्रत्येक कक्षा, कार्यालय, प्रवेश द्वार व जरूरत वाले स्थानों पर लगे। शर्त इतनी वर्चुअली रात-दिन चालू रहें और कैमरों का रिकॉर्ड रखने की जवाबदारी तय हो तथा सारे कैमरे ब्लॉक से लेकर प्रदेश और देश के संबंधित विभागों से सीधे जुड़ें जिससे कहीं से भी कोई जिम्मेदार एक्सेस कर सके। इनमें मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री दफ्तर तक शामिल हो। बस देखिए इस औचक निरीक्षण प्रणाली के नतीजे चौंकाने वाले होंगे। कैसे मनमानी पोस्टिंग, कहीं शिक्षकों की जबरदस्त कमीं तो कहीं भरमार का खेला खत्म होता है। मध्यान्ह भोजन, साइकिल, लैपटॉप, पुस्तक, वर्दी, वजीफा आदि में हर महीने करोड़ों खर्च होते हैं वहीं जरा से खर्च पर आल इज वेल एण्ड आल विल बी वेल को अंजाम दिया जा सकता है।

अधिकार नहीं रियायत

सरकारी कर्मचारी नौकरी पर रहते हुए किसी भी कारणवश यदि उसकी मृत्यु हो जाती है तो अमूमन उनके परिवार के किसी एक सदस्य को अनुकंपा आधार पर नौकरी देने का प्रावधान सरकारी नियमावली में है। इसलिए परिजन अनुकंपा आधार पर अनिवार्य नौकरी की मांग करने लगते हैं। लेकिन अब अनुकंपा के आधार पर नौकरी मिलने में कठिनाई का सामना करना पड सकता है। क्योंकि सर्वोच्च न्यायालय ने इस व्यवस्था पर विराम लगाते हुए कहा है कि अनुकंपा के आधार पर नियुक्ति पाना कोई अधिकार नहीं, बल्कि एक तरह से रियायत है। इस तरह की नियुक्ति का मकसद प्रभावित परिवार पर अचानक आए संकट से उबारने में मदद करना भर है। गौरतलब है कि केरल हाईकोर्ट की खंडपीठ ने एक सरकारी कंपनी को नौकरी के दौरान हुई उसके एक कर्मचारी के मृत्यु पर उसकी बेटी को नियुक्ति देने पर पुनर्विचार करने का आदेश दिया था। हाईकोर्ट के इस फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई। जिस कर्मचारी की मृत्यु हुई थी, उसकी पत्नी भी अन्यत्र नौकरी कर रही थी। मृत कर्मचारी की बेटी ने अपने पिता की मृत्यु के चौबीस साल बाद अनुकंपा के आधार पर नौकरी पाने का अनुरोध किया था। इसी आधार पर सर्वोच्च न्यायालय ने उसके दावे को खारिज करते हुए कहा कि किसी की मृत्यु के चौबीस साल बाद अनुकंपा पर नौकरी पाने के अनुरोध पर विचार नहीं किया जा सकता। देखा जाए तो अनुकंपा के आधार पर नौकरी देने की व्यवस्था इसलिए की गई थी कि अगर किसी परिवार का एकमात्र कमाने वाले सदस्य की किन्हीं स्थितियों में मृत्यु हो जाती है और उस परिवार के सामने भरण-पोषण का संकट न खड़ा हो जाए। इसलिए उसके बच्चों में से किसी एक को या उसकी पत्नी को उनकी योग्यता के अनुसार नौकरी देकर मदद की जाए। यह रियायत भी मानवीय आधार पर उस परिवार को आर्थिक संकट से उबारने के लिए दी गई थी, न कि किसी को अधिकार के रूप में। अगर मृत कर्मचारी के परिवार में कोई पहले से नौकरी पर है या फिर ऐसा कोई काम करता है, जिससे परिवार का भरण-पोषण हो सकता है, तो अनुकंपा का नियम स्वतः कमजोर पड़ जाता है। अपने देश में वैसे ही सरकारी नौकरियों की काफी कमी है, इसलिए लोग किसी भी तरह और किसी भी स्तर पर जा कर उसे पाने की कोशिश करते हैं। इसके लिए सबसे आसान तरीका अनुकंपा आधार पर नौकरी पाना ही लगता है, इसलिए अक्सर मृतक के परिजन उस पर अपना दावा ठोंकते देखे जाते हैं। सबसे बडी बात तो यह है कि अनुकंपा नियुक्ति में फैसला संबंधित विभाग के बड़े अधिकारियों को ही करना होता है, इसलिए उन्हें अपने पक्ष में आसानी से किया जा सकता है। इस व्यवस्था से कई ऐसे लोग भी नौकरी पा जाते हैं, जिन पर अनुकंपा के नियम लागू नहीं होते। जिस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने ताजा फैसला दिया है, वह भी कुछ इसी तरह का था। इस मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने साफ कर दिया है कि अनुच्छेद चौदह और सोलह के तहत सभी उम्मीदवारों को सभी सरकारी रिक्तियों के लिए समान अवसर प्रदान किया जाना चाहिए। वास्तव में जो अनुकंपा के आधार पर नौकरी के योग्य नहीं हैं, उन्हें क्यों इसका लाभ लेने दिया जाए। इस तरह बहुत सारे योग्य लोगों का हक मारा जाता है। माना कि कंपनियों और सरकारी महकमों को संकट के समय अपने कर्मचारियों के परिवार के भरण-पोषण की चिंता मानवीय तकाजा है। लेकिन इसका मतलब यह तो नहीं कि केवल अनुकंपा आधार पर ही किसी को रेवडी बांट दी जाए। कर्मचारियों के परिजन को भविष्य निधि, विशेष सहायता कोष आदि के जरिए भी मदद पहुंचाने का प्रयास किया जाता है। इसलिए सरकारी नौकरी के मामले में योग्यता की परख बहुत जरूरी है।

कश्मीर में कितना सफल होगा आरक्षण का प्रयोग

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राजौरी में एक जनसभा में कहा कि आरक्षण के लिए गठित जस्टिस जीडी शर्मा कमिशन ने पहाड़ी और गुज्जर-बकरवाल के लिए आरक्षण की सिफारिश की है। प्रधानमंत्री मोदी का मन है कि प्रशासनिक कार्य पूरा कर इस सिफारिश को जल्द लागू किया जाए। अगर जम्मू-कश्मीर में आगामी विधानसभा चुनाव से ऐसा होता है तो तो बीजेपी को इसका राजनीतिक लाभ मिलना तय है। परिसीमन में बीजेपी ने पहले ही अनुसूचित जातियों के लिए नौ सीटें आरक्षित कर रखी हैं। गुज्जर-बकरवाल समुदाय को अनुसूचित जनजाति का दर्जा तो 1991 में ही मिल गया था, लेकिन अनुच्छेद 370 की वजह से पूरे अधिकार नहीं मिले थे। फिलहाल जम्मू-कश्मीर में अनुसूचित जातियों को नौकरियों और शिक्षण संस्थानों में 10 फीसदी आरक्षण मिलता है। कश्मीर प्रशासन ने अप्रैल 2020 में जम्मू और कश्मीर आरक्षण नियम, 2005 में संशोधन कर पहाड़ी भाषी लोगों को नौकरी और शिक्षा में चार फीसदी आरक्षण दिया है। लेकिन पहाड़ी समुदाय अनुसूचित जनजाति में शामिल होना चाहता है।

यह कहना मुश्किल है कि यह प्रस्ताव अभी किस स्तर पर है। गृहमंत्री ने जिस प्रशासनिक प्रक्रिया का उल्लेख किया, उसे और अब तक इस मसले पर हुई प्रगति को इस तरह समझा जा सकता है-

किसी समुदाय को अनुसूचित जनजाति की सूची में लाने के प्रस्ताव को भारत सरकार का जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत के महापंजीयक को उनकी टिप्पणियों/विचारों के लिए भेजता है।महापंजीयक की सिफारिश के बाद प्रस्ताव राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग के पास भेजा जाता है। अगर राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग भी मामले की सिफारिश करता है तो मामला संबंधित प्रशासनिक मंत्रालयों के परामर्श के बाद मंत्रिमंडल के निर्णय के लिए भेजा जाता है। वहां मामले को एक विधेयक के रूप में संसद में रखा जाता है।

1989 में जम्मू-कश्मीर विधानसभा ने पहाड़ी और गुज्जर-बकरवाल समेत सात जातियों को अनुसूचित जनजाति में शामिल करने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन महापंजीयक ने पहाड़ी समेत तीन समुदायों के प्रस्ताव लौटा दिए।

बाकी की चार जातियों को प्रक्रिया पूरी होने के बाद 1991 में केंद्र सरकार ने एसटी सूची में शामिल कर लिया था। इनमें गुज्जर-बकरवाल शामिल थे। पहाड़ी समुदाय की आरक्षण की मांग 1991 के बाद तेज हो गई।

अनुच्छेद 370 के हटने के बाद 24 अक्टूबर 2021 को गृहमंत्री अमित शाह ने जम्मू की एक जनसभा में कहा था कि पहाड़ी समुदाय के चुने हुए प्रतिनिधि भी अब मंत्री और मुख्यमंत्री बन सकेंगे। उसी वर्ष दिसंबर में पुंछ के मेंढर की रैली में प्रदेश बीजेपी प्रमुख रवींद्र रैना ने भी कहा था कि अब प्रधानमंत्री मोदी पहाड़ी समुदाय की मांग की ओर ध्यान देंगे। रैना स्वयं भी पहाड़ी समुदाय से हैं और उनका मानना है कि गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ी एक ही मां के तीन पुत्र हैं।

दरअसल ये जम्मू-कश्मीर के घुमंतू समुदाय हैं। मार्च से नवंबर तक ये उच्च पहाड़ी इलाकों में रहते हैं। नवंबर में जब बर्फबारी शुरू होती है तो ये मवेशियों और परिवार के साथ मैदानी इलाकों में आ जाते हैं। साल के लगभग तीन महीने ये सड़कों पर बिताते हैं। लगभग 45 दिन मैदानों में आने में और इतने ही दिन पहाड़ी इलाकों में लौटने में लगते हैं।

क्षमा कमजोर की नहीं,ताकतवर की विशेषता है

डॉ सत्यवान सौरभ

महात्मा गांधी का कथन कमज़ोर कभी माफ नहीं कर सकते; क्षमा ताकतवर की विशेषता है।अहिंसा के साथ-साथ सत्याग्रह (सत्य पर जोर) की उनकी अवधारणा की आधारशिला थी। गांधीजी का मानना था कि आंख के बदले आंख पूरी दुनिया को अंधा बना देती है। एक क्रूर, भारी सैन्यीकृत औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ते हुए, उन्होंने समझा कि हिंसा समाधान नहीं हो सकती। इसके अलावा, उनका मानना था कि मनुष्य स्वाभाविक रूप से हिंसक नहीं हैं, और इस प्रकार उन्होंने एक परिवर्तन लाने की मांग की। गांधीजी इस बात पर जोर देते हैं कि हिंसा का प्रतिकार न करने से कोई व्यक्ति कमजोर या कायर नहीं हो जाता, जो आम धारणा के विपरीत है। अधिक हिंसा या बड़े अन्याय के साथ हिंसा या अन्याय का जवाब देना एक दुष्चक्र है, सच्ची बहादुरी नहीं। असली बहादुरी अपराधी को क्षमा करने में है; उसके द्वारा, हम हिंसा का सहारा लेने की अपनी वृत्ति पर विजय प्राप्त करते हैं। यह हमें अपनी भावनाओं और कार्यों और इंद्रियों के नियंत्रण में होने का प्रतीक है, जो किसी भी अन्य की तुलना में एक बड़ी जीत है। इसके अलावा, क्षमा करने से अपराधियों को उनके तरीकों की त्रुटि दिखाई देगी, और उनमें एक नैतिक परिवर्तन की ओर अग्रसर होगा, जिससे एक पुण्य चक्र की स्थापना होगी जहां अन्याय करने वालों को अपनी और पूरी मानव जाति की बेहतरी के लिए सुधार किया जाएगा। वर्तमान समय में भी, हम ऐसी कई स्थितियों का सामना करते हैं जहाँ अनजाने में या उद्देश्यपूर्ण ढंग से हमारे साथ अन्याय किया गया हो। ऐसे में हमें बदला लेने में जल्दबाजी नहीं करनी चाहिए। बल्कि हमें अनजाने में किया गया अन्याय क्षमा करने का प्रयास करना चाहिए। यदि उद्देश्यपूर्ण ढंग से किया जाता है, तो हमें बदला लेने और और भी अधिक द्वेष के साथ प्रतिक्रिया करने के बजाय, अपराधी में परिवर्तन लाने का प्रयास करना चाहिए। देश भर में होने वाले सांप्रदायिक दंगे और दुनिया भर में आतंकवाद का खतरा यह दर्शाता है कि वर्तमान समय में गांधीजी का उद्धरण कितना महत्वपूर्ण है, और बोलने के लगभग एक सदी बाद इसका क्या महत्व है।

क्षमा एक हृदय परिवर्तन है जब पीड़ित प्रतिशोध के बजाय स्वेच्छा से गलतियों या अपराधों को क्षमा कर देता है। क्षमा करने के लिए क्रोध पर नियंत्रण जरूरी है। क्रोध व्यक्ति को प्रतिशोध की ओर धकेलता है और हमारी तर्क शक्ति को धूमिल कर देता है। क्षमा करने के लिए अपराधी और अपराध के बीच अंतर करना आवश्यक है। किसी को प्रतिशोध की तात्कालिकता से परे देखने, अन्याय या अपराध के मूल कारण का पता लगाने और उसे संबोधित करने की आवश्यकता है। क्षमा करने के लिए किसी को इस कथन में कारण खोजने की आवश्यकता है कि जैसे को तैसा दुनिया को अंधा बना देगा। हम उन्हें आसानी से माफ कर देते हैं जिन्हें हम प्यार करते हैं क्योंकि हम उनकी सुधार करने की क्षमता में विश्वास करते हैं। दूसरों को या कुल अजनबियों को माफ करने के लिए हर इंसान की मानवता की अच्छाई में विश्वास होना चाहिए और विश्वास करना चाहिए कि हमेशा सुधार की संभावना है। क्षमा अक्सर तब आती है जब पीड़ित को लगता है कि अपराधी दोषी महसूस कर रहा है और उसे अपनी गलतियों का एहसास होता है। किसी के साथ अन्याय होने पर भी दूसरों की भावनाओं को देखने के लिए संयम और गहरी अंतर्दृष्टि की आवश्यकता होती है। इस प्रकार क्षमा भावनात्मक रूप से बुद्धिमान, सहानुभूतिपूर्ण, समतामूलक और उचित व्यक्तित्व का गुण है आज की दुनिया में हम देखते हैं कि भौतिकवाद और व्यक्तिवाद बढ़ रहा है। हमारे आस-पास के कई सामाजिक-आर्थिक संघर्ष बिना सोचे-समझे बदला लेने और गुस्से के फटने पर आधारित हैं। एक सरल उदाहरण रोड ड्राइविंग है जहां छोटे संघर्ष साथी सड़क उपयोगकर्ताओं के प्रति आक्रामक व्यवहार की ओर ले जाते हैं। हम यह भूल जाते हैं कि सड़क एक सामान्य सामाजिक स्थान है और सामाजिक जीवन तभी संभव है जब हम बात करें, चर्चा करें और एक-दूसरे की छोटी-छोटी गलतियों को क्षमा करें। क्षमा के लिए एक आवश्यक मूल्य इस प्रकार प्रत्येक मनुष्य के लिए सम्मान है। आतंकवादी गतिविधियां, उग्रवाद, नक्सलवाद, सांप्रदायिक दंगे आदि खुद को बदले की कार्रवाई के रूप में और अतीत में की गई गलतियों को सुधारने की कोशिश करने वाले कृत्यों के रूप में सही ठहराते हैं। इस तरह के कृत्यों का उद्देश्य गलत के बजाय गलत करने वाले का सफाया करना ही संघर्षों को बढ़ाता है। हमें अपने शिकायत निवारण के लिए सत्याग्रह का मार्ग सीखना होगा। सत्याग्रह अहिंसक साधनों का उपयोग करके इस मुद्दे के पीछे की सच्चाई को उजागर करने पर आधारित है। इस प्रक्रिया में सत्याग्रही दर्द, चोट सहने के लिए तैयार हैं लेकिन वे अपराधी से घृणा नहीं करेंगे। क्योंकि नफरत से गुस्सा पैदा होता है जो हिंसा के रूप में सामने आता है। इसके बजाय वे अपराधी को माफ कर देंगे और उसमें सच्चाई देखने के लिए मानवता की अपील करेंगे। हिंसा वह नहीं कर सकती जो अनुनय कर सकता है। हृदय परिवर्तन एक लंबे समय तक चलने वाला परिवर्तन है। केवल मजबूत ही दर्द सह सकता है, क्षमा कर सकता है और फिर भी इस तरह के बदलाव के लिए प्रयास कर सकता है, कमजोर नहीं।

क्षमा उस व्यक्ति के प्रति बदला या क्रोध की भावना नहीं रखने का एक कार्य है, जिसने कोई नुकसान किया है यानी मानसिक, शारीरिक या भावनात्मक रूप से। महात्मा गांधी के अनुसार क्षमा का अभ्यास किसी भी व्यक्ति को कमजोर नहीं बनाता है और न ही यह पीड़ित की अक्षमता को दिखाता है कि वह गलत काम करने वाले को जवाब दे सके। उनका मानना है कि क्षमा पाप करने वाले की सोच में सुधार का अवसर देती है। उसी तरह से कार्य करने से बीमार व्यक्ति समाधान की ओर नहीं ले जाता है क्योंकि दो गलत एक सही नहीं बनाते। और यह भी शक्ति केवल हिंसा के माध्यम से नहीं दिखाई जाती है, यहां तक कि एक व्यक्ति जो अपने भीतर की शांति में है खुद भी मजबूत है।

नारियों के दमन से सिसकता समाज क्यों नहीं रुकता स्त्रियों का अपमान

संजीव ठाकुर

देश में शहरों और गांवों में नारियों पर हो रहे अत्याचारों की खबरें मानवीय संवेदनाओं को झकझोर कर रख देती है। आसपास और पास पास इतनी दिल दहला देने वाली घटनाएं प्रकाश में आती हैं की मानवता केवल आंसू बहा कर रह जाती है। क्या इतना बड़ा सशक्त पुरुषों का समाज इसे रोकने में सक्षम नहीं है। देश में यह प्रश्न यक्ष प्रश्न की तरह हम सबके सामने खड़ा है। भारत में गरीब तबके में महिलाओं की स्थिति अभी भी दयनीय है मजदूरी करने से लेकर घरों में झाड़ू पोछा बर्तन मांजने तक औरत अपनी आजीविका चलाने के लिए मजबूर है। नारी उत्पीड़न की शुरुआत यहीं से होती है ।भारत में नारी अभी भी बहुत उपेक्षित प्रताड़ित तथा उत्पीड़ित है। हजारों उत्पीड़न तथा प्रताड़ना की घटनाएं प्रकाश में ही नहीं आ पाती हैं, और हम नारी दिवस पर जोर जोर से नारी उत्थान की दलीलें देते फिरते हैं। यह अत्यंत पीड़ा दायक तथा विचारणीय है।स्त्री जागरण के परिपेक्ष में भारत में नई स्त्री की संकल्पना उभरती है। भारत की स्त्री जागरण स्थितियों में पश्चिम नारीवाद का सर्वाधिक प्रभाव दिखाई देता है, इसमें बुनियादी नारी अधिकारों के जरिए सशक्तिकरण की बात की गई है।

भारत में नारी उत्थान और समानता का संकल्प एवं विमर्श मूलतः मध्यम वर्गीय, शहरी और अभिजात्य इसमें स्त्रियों के बुनियादी अधिकार शिक्षा रोजगार आर्थिक स्वतंत्रता की बात का जोर शोर से जिक्र किया गया है। गांव की स्त्रियों पर घरेलू हिंसा तथा कस्बाई स्त्रियों के शोषण की समस्याएं लगभग हाशिए पर हैं। इसके अलावा भारत की परंपरागत विशेषताएं हैं जो भारतीय जनमानस में इस तरह घुली मिली हैं कि यकायक दलित स्त्री को सबला या सर्व शक्तिमान मानना पुरुष समाज को स्वीकार्य नहीं होगा। भारतीय स्त्री पति को परमेश्वर एवं मातृत्व के दायित्व को निभाने वाली एक अबला स्त्री ही है। पिता, भाई तथा पति के संरक्षण में पलने, बढ़ने के बाद उनके अधिकारों से परे जाने में अभी भी सक्षम नहीं हुई है। जबकि यूरोपीय देशों का नारीवाद एवं नारी सशक्तिकरण एक अलग दृष्टि तथा नई दिशा को दर्शाता है। भारत की नारी अपनी स्त्री होने के दायित्व को यकायक ठुकरा कर उसकी बेड़ियों से बाहर नहीं निकल सकती। भारतीय समाज अभी भी स्त्रियों को मान्य रुप से बराबरी का दर्जा नहीं दे पाया है। वह अभी भी स्त्री को अबला एवं विज्ञापन का एक अच्छा जरिया मानता है, स्त्रियों को आज भी पुरुष विहीन समाज किसी भी तरह ग्राह्य एवं मान्य नहीं है। भारतीय संदर्भ में नई स्त्री की कल्पना वास्तव में महिलाओं के लिए एक मिथक तथा मृग मरीचिका के रूप में है। स्त्री उत्थान विमर्श के लिए यह समझना अत्यंत आवश्यक होगा की हर समाज की अपनी वैचारिक विशेषता, संस्कृति एवं सीमाएं होती हैं। नारी सशक्तिकरण की जितनी भी अवधारणाएं और नियम कानून बने हैं, वह सब पश्चिम से अनुसरण करके बनाए गए हैं, ऐसे में भारतीय दलित स्त्री की वैचारिकी क्या हो सकती है, इसकी संकल्पना भारतीय नारी ही कर सकती है। भारत की नई स्त्री वह होगी जो अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो, एवं स्वतंत्रत विचारों के अधिकार से अच्छी तरह वाकिफ एवं जानकार हो। कस्बाई तथा झोपड़पट्टी में रहने वाली स्त्रियों को जहां भारत में शिक्षा का अभाव है, ऐसे में उनके लिए जागरूकता लाना अभी भी एक टेढ़ी खीर तथा एक बड़े अभियान चलाने जैसी बात होगी। भारत में जहां 35% स्त्रियां साक्षर नहीं है, ऐसे में नई स्त्री की परिकल्पना केवल पश्चिमी देशों में ही की जा सकती है। भारत में स्वतंत्रता संग्राम से स्त्रियों की सहभागिता रही है, उसके उपरांत पंचायती चुनाव में महिला आरक्षण, संरक्षण,शिक्षा तथा रोजगार में बढ़ती सहभागिता नौकरी पेशा स्त्रियों का मातृत्व सुविधा कार्य के लिए समान वेतन का संघर्ष भारत में स्त्री बेचारी की मानसिकता को सशक्त करते हैं।

भारत में नारी सशक्तिकरण एवं नारी समानता के उदाहरण चिकित्सा, तकनीकी, विधि विधाई, शिक्षा जगत, सेना तथा सरकारी नौकरी में दिखाई तो देते हैं, पर यह स्त्रियों की संख्या उनकी जनसंख्या के अनुपात में अत्यंत ही न्यून है। भारत में स्त्री समानता के लिए भारतीय समाज, सरकार, राजनेताओं, चिंतकों को पश्चिमी देशों का अंधानुकरण न कर भारत की भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, तथा धार्मिक पृष्ठभूमि को देखकर उसके अनुरूप स्त्रियों के विकास तथा सशक्तिकरण एवं समानता के लिए सशक्त योजनाएं बनाकर उसके क्रियान्वयन की आवश्यकता होगी है।

कुदरती आपदा से बढ़ेगा भारत-पाक में तनाव?

इस साल पाकिस्तान अपने इतिहास की सबसे गंभीर और सबसे बड़ी बाढ़ झेल रहा है। कम से कम एक तिहाई पाकिस्तान पानी के अंदर है। हजारों लोगों की मौत हुई है, लाखों घर बर्बाद हुए हैं और खेती भी बिगड़ गई है। माना जा रहा है कि कम से कम पांच करोड़ लोग सीधे इससे प्रभावित हुए हैं और करोड़ों का नुकसान हुआ है। बाढ़ के पहले मार्च-अप्रैल में वहां रेकॉर्ड हीट वेव थी। गर्मी से गेहूं की फसल पर काफी प्रभाव पड़ा, वह कम हुई। अब जो यह बाढ़ आई है, तो माना जा रहा है कि कम से कम धान की एक तिहाई जमीन पर खेती नहीं हुई है। 2010 में भी ऐसी ही बाढ़ पाकिस्तान में आई थी। तब मैं पाकिस्तान में ही था। उस समय जरदारी साहब प्रेसिडेंट थे। उन्होंने भारत सहित दुनिया भर के विशेषज्ञों को बुलाया था यह समझने के लिए कि बाढ़ की क्या वजहें हैं, कैसे निपटें? हम लोगों ने दो दिन बैठकर बड़े महत्वपूर्ण सुझाव प्रेसिडेंट जरदारी को सौंपे थे। उसमें बाढ़ चेतावनी सिस्टम लगाने की बात थी। नदियों के आसपास जो निर्माण और गलत ढंग से हो रहे विकास को कम करने की बात थी। 2010 की बाढ़ में लगभग 20 फीसदी पाकिस्तान में पानी भरा था। 2010 की तुलना में 2022 की बाढ़ गंभीर है। इसकी इंटेंसिटी ज्यादा है, नुकसान भी बढ़ा है। यह समझना जरूरी है कि इतनी बड़ी बाढ़ पाकिस्तान में क्यों आ रही है? इसका भविष्य क्या है? इसके तीन मुख्य कारण हैं-

पहला, पाकिस्तान अब एक भीषण बारिश झेल रहा है। जब तापमान बढ़ता है तो वातावरण में नमी जज्ब करने की क्षमता बढ़ती है। माना जाता है कि एक डिग्री तापमान बढ़ने से छह से सात डिग्री नमी बढ़ती है। नमी अधिक होती है तो बारिश अधिक होती है। फिर पाकिस्तान का एक बड़ा हिस्सा रेगिस्तान है। वहां तापमान बढ़ता है, तो फिर नमी का चक्र चालू हो जाता है।

दूसरा, पाकिस्तान दक्षिण एशिया का पश्चिमी सिरा है। वहां देखा गया है कि 2010 और 2022 में कुछ फैक्टर कॉमन थे। एक तो यह कि हिंद-प्रशांत क्षेत्र में ला-नीना से तापमान बढ़ता है। 2010 में भी ला-नीना था और 2022 में भी यही रहा। 2010 और 2022 में हाई एल्टिट्यूड जेट स्ट्रीम में भी डिस्टरबेंस देखा गया।

तीसरा, पाकिस्तान में पूरे भारतीय उपमहाद्वीप में सबसे ज्यादा ग्लेशियर हैं- लगभग सात हजार। जब ये नॉर्मल स्पीड में गलते हैं तो पानी देते हैं, पर बहुत तेजी से गलते हैं तो बाढ़ आती है।अगर हम 2010 और 2022 को देखें तो पाकिस्तान का भविष्य बड़ा साफ है। जैसे-जैसे ग्लोबल वॉर्मिंग बढ़ेगी, इस तरह की बाढ़ की फ्रीक्वेंसी और इंटेंसिटी भी बढ़ेगी। बड़ी बात यह कि पाकिस्तान राजनीतिक रूप से पहले ही अस्थिर है, तो इन बातों से राजनीतिक अस्थिरता और बढ़ेगी। भारत में काफी लोगों ने कहा कि पाकिस्तान किस तरह से दुनिया में बाढ़ से हुए नुकसान की भरपाई के लिए भीख मांग रहा है।

आज शुक्र प्रदोष योग होने से इस दिन व्रत और शिव-पार्वती पूजा करने पर सुख-समृद्धि बढ़ती है

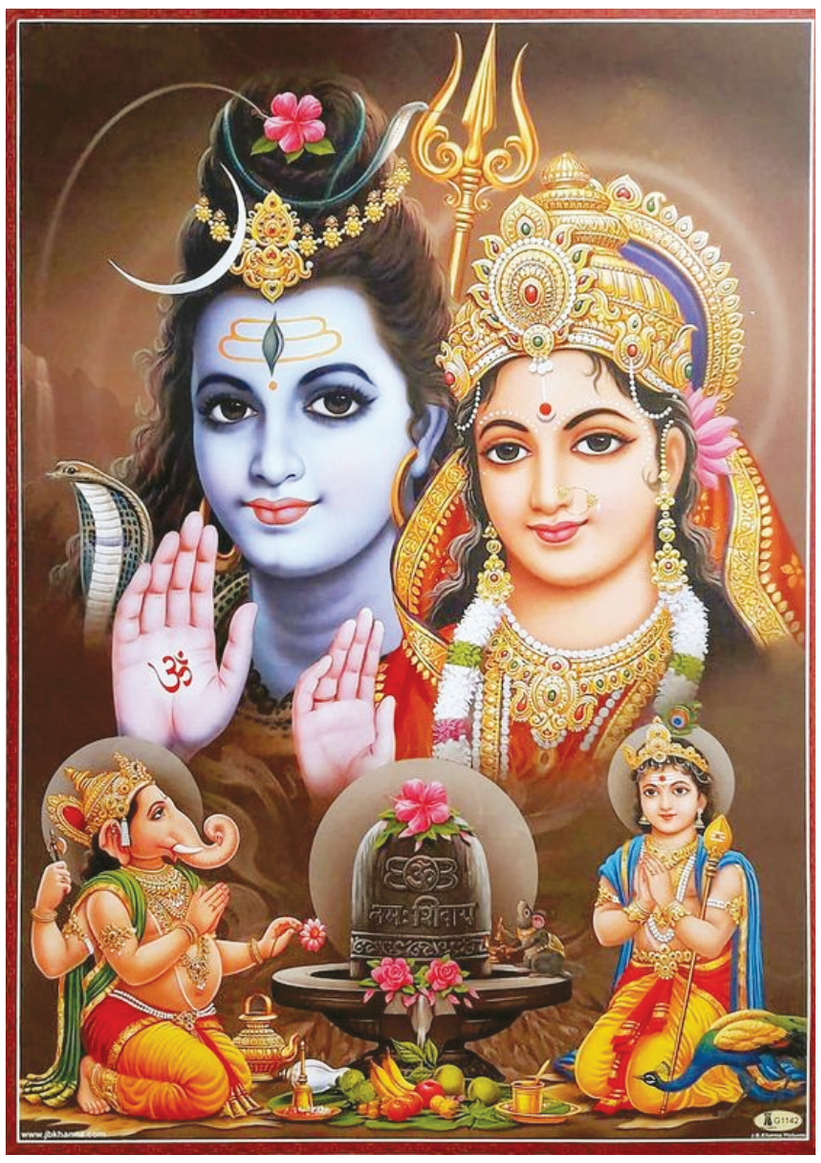

7 अक्टूबर को त्रयोदशी तिथि होने से शुक्र प्रदोष का संयोग बनेगा। प्रदोष व्रत में भगवान शिव-पार्वती की पूजा करने से सुख-समृद्धि बढ़ती है शुक्र प्रदोष के संयोग से सौभाग्य और मनोकामना भी पूरी होती है।

शिव-पार्वती पूजा का दिन

हर महीने के दोनों पक्षों की त्रयोदशी तिथि को भगवान शिव की विशेष पूजा की जाती है। इस दिन प्रदोष व्रत किया जाता है। प्रदोष व्रत भगवान शिव-पार्वती की पूजा करने का शुभ दिन है। इस व्रत के बारे में ऐसी मान्यता है कि जो भी पूरी श्रद्धा से इस व्रत को करता है और पूरे विधि-विधान से भगवान शिव-पार्वती की पूजा करता है, उस पर भगवान शिव का आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। शुक्रवार को ये व्रत होने से इसे शुक्र प्रदोष कहा जाएगा।

प्रदोष व्रत का महत्व

स्कंद पुराण में इस व्रत के बारे में जिक्र करते हुए लिखा गया है कि इस व्रत को किसी भी उम्र का व्यक्ति रख सकता है और इस व्रत को दो तरह से रखे जाने का प्रावधान है। कुछ लोग इस व्रत को सूर्योदय के साथ ही शुरू कर के सूर्यास्त तक रखते हैं और शाम को भगवान शिव की पूजा के बाद शाम को अपना व्रत खोल लेते हैं, तो वहीं कुछ लोग इस दिन 24 घंटे व्रत को रखते हैं और रात में जागरण करके भगवान शिव की पूजा करते हैं और अगले दिन व्रत खोलते हैं।

शुक्र प्रदोष महत्व

शिवपुराण के अनुसार प्रदोष व्रत करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं। वार के अनुसार अलग-अलग दिन त्रयोदशी तिथि का संयोग बनने पर उसके फल का महत्व भी बदल जाता है। शुक्रवार को त्रयोदशी तिथि होने से शुक्र प्रदोष का योग बनता है। इस संयोग में भगवान शिव की पूजा और व्रत करने से हर तरह की परेशानियां दूर हो जाती है।

शुक्रवार को प्रदोष व्रत रखने से नौकरी और बिजनेस में सफलता मिलती है। इस दिन व्रत और शिव-पार्वती पूजा से समृद्धि आती है। सौभाग्य और दांपत्य जीवन में भी सुख बढ़ता है।

किस दिशा के लिए किस रंग का पर्दा है शुभ

वास्तु के अनुसार पर्दे लगाने से व्यक्ति को कई परेशानियों से मुक्ति भी मिलती है। इसलिए खिड़की-दरवाजे पर हमेशा वास्तु शास्त्र को ध्यान में रखकर ही पर्दे लगाने चाहिए। इससे सकारात्मक ऊर्जा का संचार बढ़ता है और घर पर सुख-समृद्धि और खुशहाली बनी रहती है। दिल्ली के आचार्य गुरमीत सिंह जी से जानते हैं घर की किस दिशा में लगाएं किस रंग का पर्दा।

दिशा/कोण के अनुसार पर्दे का रंग

ईशान दिशा- इस दिशा में आप हल्के रंग के पर्दे लगा सकते हैं। आप पीला, नारंगी, सफेद, ऑफ वाइट और गुलाबी रंग का पर्दा भी लगा सकते हैं। इसके अलावा यहां हल्का हरा, नीला और बैंगनी रंग के पर्दे भी लगाए जा सकते हैं।

दक्षिण दिशा – दक्षिण दिशा की खिड़की और दरवाजों के लिए गहरे रंग के पर्दे शुभ होते हैं। इस दिशा में आप लाल और डार्क हरा रंग के पर्दे लगा सकते हैं।

नैऋत्य कोण- इस कोण में आप हल्का गुलाबी या लेमन कलर का पर्दा लगा सकते हैं। लेकिन यदि इस कोण में दक्षिण का प्रभाव ज्यादा है तो लाल और गहरे हरे रंग के पर्दे का भी प्रयोग किया जा सकता है।

उत्तर दिशा- उत्तर दिशा के लिए आसमानी और सफेद रंग के पर्दे को शुभ माना जाता है। पूर्व दिशा- वास्तु शास्त्र में घर की पूर्व दिशा के लिए हल्के हरे रंग या फिर मिंट ग्रीन कलर के पर्दे लगाना शुभ माना गया है।

पश्चिम दिशा- घर की पश्चिम दिशा में सफेद और नीले रंग के पर्दे लगाना अच्छा होता है।

आग्नेय कोण- वास्तु शास्त्र के अनुसार आग्नेय कोण की खिड़की और दरवाजे में पीले और नारंगी रंग का परदा लगाना चाहिए। इसके अलावा लाल, मैरून, कैमल ब्राउन और सिंदूरी रंग का परदा भी लगाया जा सकता है।

वायव्य कोण– वायव्य कोण में हल्का नीला, स्लेटी और बैंगनी रंग का पर्दा लगाना अच्छा होता है।

पर्दे से दूर होती है कई समस्या

आर्थिक लाभ के लिए- यदि आप पैसों की तंगी से गुजर रहे हैं और कर्ज के बोझ में हैं तो घर की उत्तर दिशा में नीले रंग का पर्दे लगाएं। नौकरी-व्यापार से जुड़ी परेशानी को दूर करने के लिए घर की पूर्वी दिशा में हरे रंग का पर्दा लगाना शुभ होता है। यदि बहुत मेहनत करने के बाद भी किसी कार्य में सफलता हासिल नहीं हो रही तो वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की पश्चिम दिशा में सफेद रंग का पर्दा लगाना चाहिए।

एक गलत सिग्नेचर आपको बना सकता है कंगाल भाग्य को चमकाने के लिए अपनाना होगा ये नियम

कहते हैं कि सिग्नेचर और नेचर कभी चेंज नहीं हो सकता है। लेकिन आज हम आपको सलाह देंगे कि आज ही अपने सिग्नेचर में बदलाव कर लें। वास्तु शास्त्र के अनुसार, एक गलत सिग्नेचर आपका लाखों का नुकसान करा सकता है। वहीं एक सही, सिग्नेचर आपके भाग्य को मजबूत बनाता है। दरअसल, आपकी वित्तीय मामलों में आपके हस्ताक्षर की भूमिका बेहद मायने रखती है। अगर आप भी वित्तीय समस्याओं से परेशान हैं तो वास्तु शास्त्र के अनुसार, अपने हस्ताक्षर में कुछ बदलाव करके आप अपनी वित्तीय समस्याओं से आसानी से निजात पा सकते हैं।

सही सिग्नेचर बदल देगी आपकी किस्मत

वास्तु शास्त्र में आज हम बात करेंगे कि कैसे आपका एक सही सिग्नेचर आपको वित्तीय रूप से शक्तिशाली बना सकता है। वास्तु के अनुसार, अगर आप खूब पैसा कमाते हैं लेकिन बचत एक रूपये की भी नहीं होती है तो अपने सिग्नेचर के नीचे एक सीधी लाइन बनाते हुए उसके नीचे दो बिंदु लगाना शुरू कर दीजिए। इसके बाद जैसे ही आपकी बचत शुरू होने लगेगी तो अपने सिग्नेचर के नीचे लगे बिंदुओं की संख्या एक-एक करके बढ़ाते जाएं। लेकिन ध्यान रहे कि ये बिंदु 6 से ज्यादा नहीं हो सकते। इस तरह वास्तु के मुताबिक, आप सिग्नेचर में बदलाव कर के अपने घर में समृद्धि ला सकते हैं।

इस तरह के सिग्नेचर करने वाले व्यक्तियों का ऐसा होता है स्वाभाव

वास्तु के अनुसार, सिग्नेचर काटने वाले व्यक्ति कभी संतुष्ट नहीं रहते हैं। इसके साथ ही इस वो जल्दी ही गुस्सा भी हो जाते हैं और तुरंत खुश भी हो जाते हैं। इस तरह के सिग्नेचर करने वाले व्यक्ति को अपना प्यार अभिव्यक्त करने में मुश्किल आती है। इसके अलावा हर चीज में कमी निकालना भी इनकी आदत होती है।

कुंडली में कमजोर गुरु के कारण हाथ में नहीं टिकता पैसा

रत्नों का हमारे जीवन पर विशेष प्रभाव पड़ता है। रत्नों को राशि और ग्रह के अनुसार धारण किए जाते हैं। इससे ग्रहों के अशुभ प्रभाव कम होते हैं और जीवन में सुख-समृद्धि का विकास होता है। लेकिन किसी भी रत्न को धारण करने से पहले ज्योतिषीय सलाह जरूर लेनी चाहिए। ज्योतिषी व्यक्ति की जन्म कुंडली, जन्म तिथि, राशि और ग्रह-नक्षत्रों के आधार पर ही किसी भी रत्न को धारण करने की सलाह देते हैं।

रत्नशास्त्र में कुल 84 उपरत्न और 9 प्रमुख रत्नों के बारे में बताया गया है, जिसमें पुखराज को प्रमुख रत्न माना गया है। पुखराज रत्न बृहस्पति ग्रह का रत्न होता है, जिसका रंग पीला होता है। आचार्य गुरमीत सिंह जी से जानते हैं आर्थिक स्थिति मजबूत करने के लिए पुखराज रत्न के फायदे और इसे धारण करने की विधि के बारे में।

ज्योतिष के अनुसार कुंडली में बृहस्पति ग्रह का महत्वपूर्ण स्थान होता है। यदि कुंडली में बृहस्पति ग्रह कमजोर है तो कई दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। खूब मेहनत करने के बावजूद भी व्यक्ति के हाथ में पैसा नहीं टिकता और आर्थिक समस्याएं बनी रहती हैं। इसके लिए ज्योतिष में पुखराज रत्न को लाभकारी माना गया है।

पुखराज रत्न के फायदे

पुखराज गुरु ग्रह का रत्न होता है। इसलिए इसे धारण करने से गुरु ग्रह मजबूत होते हैं। ज्योतिषियों के अनुसार कुंडली में यदि गुरु ग्रह मजबूत है तो इससे धन-संपत्ति में वृद्धि होती है। इसके साथ ही विवाह में आ रही अड़चने भी दूर होती हैं। स्वास्थ्य लाभ के लिए भी ज्योतिषी इस रत्न को धारण करने की सलाह देते हैं।

किन राशियों के लिए पुखराज रत्न शुभ और अशुभ

पुखराज रत्न के कई लाभ हैं लेकिन सभी के लिए ये शुभ नहीं होता। ज्योतिष में कुछ ऐसी राशियों के बारे में बताया गया है जिनके लिए यह रत्न शुभ नहीं है। वृषभ, कन्या, मिथुन, तुला, मकर और कुंभ राशि के जातकों को नहीं पहनना चाहिए पुखराज। यदि आप पुखराज पहनना चाहते हैं तो एक बार ज्योतिषीय परामर्श अवश्य लें। वहीं कर्क, मेष, मीन और धनु राशि के जातकों के लिए यह रत्न अनुकूल होता है।

वैवाहिक जीवन के राज खोलती है हाथ में बनी प्रेम रेखा

हाथ की रेखाओं के माध्यम से व्यक्ति के जीवन का खाका तैयार किया जा सकता है। हस्त रेखा विज्ञान में इस बात का विस्तृत रूप से उल्लेख मिलता है कि हथेली पर मौजूद आड़ी तिरछी रेखाएं इंसान के व्यक्तित्व से जुड़े कई राज खोलती हैं। इन रेखाओं से व्यक्ति की आयु, स्वभाव और भविष्य के बारे में जान सकते हैं। इसी तरह एक रेखा होती है, जो व्यक्ति के विवाह जीवन के बारे में बताती है। इस रेखा को प्रेम रेखा या विवाह रेखा कहते हैं तो चलिए जानते हैं प्रेम रेखा की पहचान किस तरह से की जाती है।

कहां होती है प्रेम रेखा

पंडित इंद्रमणि घनस्याल के अनुसार, हाथ की कनिष्ठिका अंगुली के नीचे प्रेम रेखा होती है। हाथ की सबसे छोटी अंगुली को कनिष्ठिका कहते हैं। इस अंगुली के पास अनेक प्रेम रेखा या विवाह हो सकती है, जो लव अफेयर्स या विवाह जीवन को दर्शाती है। हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, शुक्र पर्वत हृदय और विवाह रेखा को मुख्य रेखा माना जाता है। हथेली पर जितनी प्रेम रेखाएं होंगी, उस व्यक्ति के जीवन में उतने ही प्रेम प्रसंग होते हैं। अगर किसी व्यक्ति की हाथ पर 3 विवाह रेखा है तो इसका अर्थ है कि उसकी दो प्रेम प्रसंग रहने के बाद शादी होगी।

प्रेम रेखा की पहचान

हस्तरेखा शास्त्र के अनुसार, अगर किसी की हथेली पर विवाह रेखा हृदय रेखा को काटती हुई नीचे की ओर जाती है तो उसकी लव लाइफ में काफी बाधा आती है। वहीं, अगर विवाह रेखा एकदम स्पष्ट और गहरी हो तो इसका मतलब आपकी मैरिज लाइफ बेहद सुखमय और खूबसूरत रहने वाली है। वहीं, अगर विवाह रेखा टूटी, हल्की या फिर अस्पष्ट हो तो आपके दांपत्य जीवन में काफी परेशानी रह सकती है।

हथेली पर मंगल पर्वत और बुद्ध पर्वत पर बहुत सारी रेखाएं हों तो ऐसे व्यक्ति की लव लाइफ अधूरी रह जाती है। इस कारण दोनों को बिछड़ना पड़ सकता है। हस्तरेखा के अनुसार, अगर विवाह रेखा सूर्य रेखा को छू जाती है तो ऐसे व्यक्ति का रिश्ता किसी समृद्ध और संपन्न परिवार में होता है। दो भागों में बंटी हुई विवाह रेखा शादी टूटने का संकेत देती है।

मृत्यु के बाद किसको मिलता है स्वर्ग और किसे भोगना होता है नरक?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, स्वर्ग और नरक की प्राप्ति हमारे कर्म पर निर्भर करती है। नेक और अच्छे कर्म से व्यक्ति को स्वर्ग नसीब होता है। वहीं, बुरे कर्म का नतीजा नरक लोक होता है। कुछ लोगों का मानना है कि स्वर्ग और नरक दोनों धरती पर हैं। जो व्यक्ति धन-धान्य संपन्न है और खुशी से अपना जीवन व्यतीत कर रहा है, उसे स्वर्ग की अनुभूति धरती पर ही हो रही है। इसके विपरीत जो लोग पाप करते हैं और धरती पर पीड़ा, दुःख, कष्ट भोगते हैं, वही इनके लिए नरक है। लेकिन पौराणिक शास्त्रों में स्वर्ग और नरक के बारे में विस्तार से बताया गया है।

क्या है स्वर्ग और नरक

पंडित इंद्रमणि घनस्याल बताते हैं कि स्वर्ग के राजा इंद्र देव को माना गया है। पंडित जी बताते हैं कि स्वर्ग और नरक मनुष्य के द्वारा किए गए कर्मों पर निर्भर करता है। जो मनुष्य कभी कोई पाप नहीं करता है, किसी को शारीरिक और मानसिक हानि नहीं पहुंचाता है, उसे भगवान के चरणों में स्थान मिलता है। जो मनुष्य अपने जीवन में पुण्य करता है, उसे स्वर्ग की प्राप्ति होती है।

वहीं, जो मनुष्य अपने जीवन में पाप करता है। लोगों को शारीरिक और मानसिक पीड़ा देता है, उसे नरक की प्राप्ति होती है। नरक में यमदूतों द्वारा बहुत सारी यातनाएं दी जाती हैं। स्वर्ग में अच्छी आत्माओं को पुण्यों का फल भोगने के लिए रखा जाता है। नरक में बुरी आत्माओं को यातनाएं दी जाती हैं।

ऐसे व्यक्तियों को भोगना पड़ता है नरक

18 पुराणों में गरुड़ पुराण के भाग प्रेतखंड में स्वर्ग और नरक के बारे में बताया गया है। जो व्यक्ति हमेशा नेक कार्य करता है, उसे जन्म-मरण के बंधनों से मुक्ति मिलती है और चौरासी लाख योनियों में भटकने के बाद मनुष्य जीवन मिलता है। व्यक्ति के कर्म ही निर्धारित करते हैं कि मरने के बाद उसे स्वर्ग में सुख मिलेगा या नर्क में कष्ट।

गरुड़ पुराण के अनुसार, जो मनुष्य धार्मिक कार्य करता है और दूसरों की सहायता करता है, मंदिर ,प्याऊ आदि का निर्माण कराता है, वह स्वर्ग के सुख भोगता है। वहीं जो व्यक्ति ब्रह्म हत्या, गौ हत्या करता है, स्त्रियों पर अत्याचार करता है और दूसरों को शारीरिक और मानसिक पीड़ा पहुंचाता है, वह नरक को प्राप्त होता है।

कन्या राशि में एक साथ होंगे सूर्य–शुक्र–बुध, ज्योतिष शास्त्र अनुसार 18 अक्टूबर तक भाग्यशाली होंगी ये 4 राशियां!

अक्टूबर 2022 कई उपवासों, त्योहारों और खगोलीय घटनाओं से भरा एक विशेष महीना है। दशहरा, करवा चौथ, दिवाली, भाई दूज और अन्य त्योहारों के अलावा, कई ग्रहों का राशि परिवर्तन भी होने जा रहा है। जिसमें शुक्र, सूर्य और बुध कन्या राशि में एक साथ आएंगे। वैदिक ज्योतिष में तीन प्रमुख ग्रहों, सूर्य, बुध और शुक्र ने कई शुभ योगों को जन्म देते हुए कन्या राशि में प्रवेश किया है। सूर्य और बुध की कन्या राशि में युति से बुधादित्य योग का निर्माण हुआ। बुधादित्य योग व्यक्ति को अपार भाग्य प्रदान करता है। आइए देखें कि पिछले कुछ हफ्तों में इन ग्रहों ने कब और कैसे कन्या राशि में प्रवेश किया-

सूर्य ने 17 सितंबर को सुबह 7:11 बजे कन्या राशि में प्रवेश किया और यह 16 अक्टूबर तक यहां विराजमान रहेंगे। इसके बाद 17 अक्टूबर 2022 को तुला राशि में प्रवेश करेंगे शुक्र का कन्या राशि में गोचर 24 सितंबर को रात 08:51 बजे हुआ था और यह 17 अक्टूबर तक उसी राशि में रहेंगे, जिसके बाद यह 18 अक्टूबर 2022 को तुला राशि में प्रवेश करेंगे।

इसके अलावा, बुध ने सूर्य और शुक्र से पहले यानी 21 अगस्त 2022 को सुबह 01:55 बजे कन्या राशि में प्रवेश किया था। तब से लेकर अब तक बुध ने एक ही कन्या राशि में कई बार अपनी गति बदली है। गोचर से लेकर वक्री और अस्त होने तक, बुध ने पिछले कुछ हफ्तों में कन्या राशि में ये तीनों काम किए हैं। अब अंत में 26 अक्टूबर 2022 को वाणी, संचार और बुद्धि का कारक बुध कन्या राशि को छोड़कर तुला राशि में प्रवेश करेंगे। बता दें कि सूर्य, शुक्र और बुध की युति के कारण 18 अक्टूबर तक 4 भाग्यशाली राशियां मेष, मिथुन, कन्या और धनु हैं।

मेष राशि : सूर्य, शुक्र और बुध की यह शुभ युति मेष राशि के जातकों को अक्टूबर के पूरे महीने में जीवन के विभिन्न पहलुओं में लाभ प्रदान करेगी। यदि आप किसी महत्वपूर्ण कार्य को करने की सोच रहे हैं और उसमें काफी समय से देरी हो रही है तो इस अवधि में आप उसे सफलतापूर्वक पूरा कर सकते हैं। आप जमीन या वाहन भी खरीद सकते हैं।

समाज में बढ़ेगा मान-सम्मान

मिथुन राशि के जातकों के लिए इस राशि के व्यवसायियों को विशेष लाभ मिलेगा। जातक अपने सामाजिक कौशल के साथ नए व्यावसायिक संपर्क स्थापित करेंगे। ये संपर्क आपको भविष्य में और अधिक ऊंचाइयों को प्राप्त करने में मदद करेंगे। इसके अलावा, यह अवधि आपके रास्ते में आने वाले सभी अवसरों का लाभ उठाने का समय है।

बुधादित्य योग देगा सकारात्मक परिणाम

यह युति कन्या राशि में बन रही है, ऐसे में इन जातकों को शुभ फल मिलना स्वाभाविक है। विशेष रूप से आपकी राशि में सूर्य और बुध की युति के साथ बनने वाला बुधादित्य योग आपको जीवन के विभिन्न पहलुओं में सकारात्मक परिणाम देगा। इसके अलावा, यदि आप कुछ नया शुरू करने की योजना बना रहे हैं, तो आपको इस अवधि के दौरान इसे करना चाहिए क्योंकि इससे अनुकूल परिणाम मिलेंगे।

सफलता के खुलेंगे नए द्वार

धनु चौथी राशि है जो इस युति के कारण अनुकूल परिणाम प्राप्त करेगी। ये जातक इस अवधि में सफलता के नए द्वार खोलेंगे। यह एक ऐसा समय होगा जब आप सबके सामने अपनी प्रतिभा और कौशल का प्रदर्शन कर सबसे ज्यादा चमकेंगे। आपके काम की सराहना और सराहना सभी करेंगे।

पलक तिवारी ने कराया ग्लैमरस फोटोशूट, फैंस ने की तारीफ

श्वेता तिवारी की बेटी पलक तिवारी ने इंडस्ट्री में अपनी अलग पहचान बनाने के लिए बहुत मेहनत की है। पलक अक्सर अपने ड्रेसिंग सेंस और लुक्स को लेकर सुर्खियों में बनी रहती हैं। अब हाल ही में मशहूर सेलिब्रिटी फोटोग्राफर डब्बू रतनानी ने पलक का एक बीटीएस वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया है। इस वीडियो में पलक ग्लैमरस अवतार में फोटोशूट करवाती हुई नजर आईं। वीडियो में पलक रेड कलर की शिमरी शॉर्ट आउटफिट में अलग अलग देते हुए दिखाई दे रही हैं। इस वीडियो को शेयर करते हुए डब्बू ने कैप्शन में लिखा, 'बीटीएस विद प्रिटी पलक तिवारी'। उनके इस वीडियो को देख फैंस पलक के इस लुक की जमकर तारीफ कर रहे हैं।

लाइगर फ्लॉप होने पर रश्मिका मंदाना का बयान

विजय देवरकोंडा की बॉलीवुड डेब्यू फिल्म 'लाइगर' लोगों की उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी थी। फिल्म भले ही बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप साबित हुई हो लेकिन साउथ ही पॉपुलर एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना की माने तो उन्हें विजय की फिल्म काफी पसंद आई थी। बता दें, रश्मिका जल्द ही अमिताभ बच्चन के संग फिल्म 'गुडबाय' से अपना बॉलीवुड डेब्यू कर रही हैं। एक समाचार पत्र से बात करते हुए कहा कि विजय की फिल्म 'लाइगर' के फ्लॉप होने पर भी अपनी प्रतिक्रिया दी।

बॉलीवुड में अपना पहला प्रोजेक्ट ही बच्चन सर के साथ काम करना, मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं। मैं इसे अपने सौभाग्य की तरह देखती हैं। 'गुडबाय' के लिए मैंने किसी भी तरह का ऑडिशन नहीं दिया था। विकास सर (डायरेक्टर विकास बहल) ने मेरी 'गीता गोविंदम' और 'डिअर कामरेड' देखी थी और उन्हें लगा की मैं फिल्म में तारा के किरदार में फिट बैठ सकती हूँ। उन्होंने सबसे पहले मेरी हिंदी भाषा को लेकर ही सवाल किया, वे जानना चाहते थे की मैं इस भाषा में कितनी सहज हूँ। मैंने उन्हें आश्वासन दिया की इस भाषा में मेरी पकड़ अच्छी हैं क्योंकि मैंने स्कूल में हिंदी सीखा था। बच्चन सर के सामने जब पहली बार हिंदी में डायलॉग बोला तब बहुत नर्वसनेस हो रही थी। उनकी हिंदी अद्भुत हैं। सेट पर वो मेरे गुरु की तरह थे। पुरे जर्नी में उनका मुझे बहुत सप्पोर्ट मिला। एक वक्त ऐसा आ गया था की मैं खुद अपने लाइंस में कुछ एक्स्ट्रा हिंदी शब्द जोड़ने लगी। टीम काफी संतुष्ट थी।

सेट पर बच्चन सर को मजाक करने की बहुत आदत थी। रिहर्सल के बीच में वे उठ जाते और कहते 'चलो रिहर्सल खत्म हो गया हैं, मैं घर जा रहा हूं।' सब परेशान हो जाते और फिर पता चलता की सर मजाक कर रहे हैं।

'गुडबाय' एक फॅमिली ओरिएंटेड फिल्म हैं जिसमे मेरा किरदार हर बात में लॉजिक निकलने की कोशिश करती हैं हालांकि रियल लाइफ में मैं ऐसी बिलकुल नहीं हूँ। आप कह सकते हो की मैं थोड़ी अंधविश्वासी हूँ। मैं अपने कल्चर को बहुत मानती हूँ। मेरा मानना हैं की कई रीती-रिवाजों का वजह साइकोलॉजी से जुड़ा हुआ हैं। उदाहरण के तौर पर जब हमारे घर में किसी की मृत्यु होती हैं तब कुछ दिनों बाद उनसे जुडी कोई पूजा या फिर कोई अन्य रीती-रिवाज होता हैं। ज

विजय की फिल्म 'लाइगर' अच्छी लगी

मैंने विजय की 'लाइगर' देखी हैं और बतौर ऑडियंस मुझे वो बहुत पसंद आई। मैं एक एंटरटेनिंग मूवी देखना चाहती थी और वही देखा भी। जब भी अनन्या पांडे और विजय स्क्रीन पर आते, मैं उनके सीन्स को काफी एन्जॉय किया करती थी। यहां तक की अब जब फिल्म ओटीटी पर रिलीज हुई हैं तो कई लोगों का मुझे अपने सोशल मीडिया पर मैसेज आता हैं की उन्हें विजय की ये फिल्म अच्छी लगी। मुझे तो अच्छी लगी बाकी बॉक्स ऑफिस के नंबर्स के बारे में मैं कुछ नहीं कह सकती।

'मिशन मजनू' में सिद्धार्थ के साथ काम करके काफी मजा आया। इस फिल्म में मुझे काफी उर्दू-हिंदी बोलना पड़ा जोकि मेरे लिए बहुत बड़ा चैलेंज था। मैंने अपने डायलेक्ट पर बहुत मेहनत की हैं। टीम ने बहुत अच्छे से सैड्यूल प्लान किया था और कहीं पर भी कोई रुकावट नहीं हुई।

इस अच्छी प्लानिंग के वजह से कब इसकी शूटिंग खत्म हुई, पता ही नहीं चला। हमने कोविड के दौरान फिल्म की पूरी शूट खत्म की। फिल्म में मेरा किरदार बहुत शांत भरा हैं, काफी मासूम सा। मुझे पूरा यकीन हैं ऑडियंस को मेरा ये किरदार अब तक किये किरदारों से अलग दिखेगा।

विजय वर्मा ने पूरी की मिर्जापुर 3 की शूटिंग

मिर्जापुर वेब सीरीज के तीसरे पार्ट का फैंस बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज के पहले और दूसरे पार्ट को ऑडियंस ने काफी पसंद किया था। इसी बीच एक्टर विजय वर्मा ने मिर्जापुर 3 से जुड़ा एक बड़ा अपडेट शेयर किया है। विजय वर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से कुछ फोटोज शेयर की हैं। इन फोटोज के जरिए विजय ने बताया है कि उन्होंने अपने हिस्से की शूटिंग पूरी कर ली है।

हाल ही में फिल्म 'डार्लिंग्स' से फैंस की वाहवाही लूटने वाले एक्टर विजय वर्मा ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर तीन फोटोज पोस्ट की हैं। एक्टर ने इन फोटोज के जरिए जानकारी दी है कि उन्होंने 'मिर्जापुर 3' की शूटिंग खत्म कर ली है। इंस्टाग्राम पर शेयर किए अपनी पहली तस्वीर में विजय उंगलियों से अपना चेहरा छिपाते हुए दिख रहे हैं। दूसरी तस्वीर केक की है, जिस पर 'पिक्चर रैप ऑफ मिर्जापुर सीजन 3' लिखा हुआ है।

वहीं तीसरी तस्वीर में एक्टर स्टाइलिश अवतार में नजर आ रहे हैं। इस फोटोज को शेयर कर उन्होंने कैप्शन में लिखा, मेरे लिए सीजन खत्म हो गया है, पूरी टीम के साथ दोबारा काम करके बहुत मजा आया।

विजय के इन फोटोज को शेयर करते ही फैंस काफी एक्साइटेड हो गए। कुछ फैंस उनके कमेंट सेक्शन में मिर्जापुर 3 की रिलीज डेट पूछ रहें हैं, तो कुछ ने मिर्जापुर 2 में निभाए उनके किरदार की तारीफ की है।

वहीं कुछ फैंस उनसे मुन्ना भैया के छोटे के भाई के बारे में जानना चाहते हैं। आपको बता दें कि मिर्जापुर के दूसरे सीजन में विजय वर्मा का डबल रोल था। सीरीज में उनके किरदार को खूब पसंद किया गया था और उनकी एक्टिंग को खूब सराहा गया था। सीरीज में उनके किरदार का नाम भरत त्यागी और शत्रुघ्न त्यागी था।

तमिल एक्टर लोकेश राजेंद्रन ने किया सुसाइड : तलाक की वजह से डिप्रेशन से जूझ रहे थे, बस स्टैंड पर ही सोते थे

तमिल टेलीविजन एक्टर लोकेश राजेंद्रन ने 34 की उम्र में सुसाइड कर लिया है। इस खबर से पूरी इंडस्ट्री सदमे में है। पुलिस के मुताबिक लोकेश अपने पारिवारिक मुद्दों की वजह से शराब के आदी हो गए थे और उन्हें अक्सर चेन्नई मुफस्सिल बस टर्मिनस (सीएमबीटी) पर सोते हुए देखा जाता था। पुलिस की मौत के बाद सीआरपीसी की धारा 174 के तहत मामला दर्ज कर लिया है।

4 अक्टूबर की रात को हुआ लोकेश का निधन

पुलिस ने बताया, 'सोमवार (3 अक्टूबर) को बस टर्मिनस पर पैसेंजर्स ने देखा कि वो ठीक नहीं था। उनमें से कुछ ने एम्बुलेंस के लिए 108 पर डायल किया और पुलिस को भी सूचना दी। फिर उन्हें राजकीय किलपौक मेडिकल कॉलेज और हॉस्पिटल ले जाया गया। हालांकि मंगलवार 4 अक्टूबर की रात को उनका निधन हो गया।' लोकेश शादीशुदा थे और उनके दो बच्चे हैं।

पारिवारिक मुद्दों की वजह डिप्रेशन में थे लोकेश

लोकेश के पिता के ने खुलासा करते हुए बताया, 'मुझे कुछ महीने पहले पता चला कि लोकेश और उसकी पत्नी के बीच कुछ गलतफहमी हो गई थी। फिर लोकेश की पत्नी ने चार दिन पहले उसे तलाक के पेपर भी भेजे थे। इस वजह से वो डिप्रेस्ड था। मैंने उसको आखिरी बार शुक्रवार को देखा था। उस दिन उसने मुझसे कहा था कि उसे कुछ पैसों की

जरूरत है। मैंने उसको दिए भी। लोकेश ने हमें ये बताया था कि वो बतौर एडिटर अब काम शुरू करेगा।'

150 सीरियल्स में काम कर चुके हैं लोकेश

लोकेश तमिल के पॉपुलर टीवी एक्टर थे। लोकेश को सीरियल 'मरमादेशम' में चाइल्ड आर्टिस्ट के तौर पर पहचान मिली थी। उन्होंने लगभग 150 सीरियल्स में काम किया था। इसके अलावा वो तमिल के टॉप एक्टर्स विजयकांत, प्रभू समेत अन्य के साथ भी नजर आ चुके थे। उन्होंने लगभग 15 फिल्मों में भी काम किया है।

पॉपुलर कॉमेडियन पराग कंसारा का निधन

पॉपुलर कॉमेडियन रहे पराग कंसारा का निधन हो चुका है। पराग को द ग्रेट इंडियन लाफ्टर चैलेंज के पहले सीजन से पहचान मिली थी। पराग के निधन की खबर कॉमेडियन सुनील पाल ने दी है। सुनील पाल ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट से एक वीडियो शेयर कर पराग के निधन की दुखद खबर साझा की है। उन्होंने वीडियो में कहा, कॉमेडी की दुनिया से एक और दिल दहलाने वाली खबर आई है। हमारे लाफ्टर चैलेंज के छंठवें साथी पराग कंसारा जी अब इस दुनिया में नहीं रहे। वो हर बात को उल्टा सोच बोलकर हमें खूब हंसाते थे। पराग भाई अब दुनिया में नहीं हैं। क्या हो रहा है ये।

कॉमेडी की दुनिया को नजर लग गई है- सुनील पाल

आगे सुनील ने कहा, कॉमेडी की दुनिया को पता नहीं किसकी नजर लग गई है। जो लोग सबको हंसाते हैं उनके और उनके परिवार के साथ ऐसा क्यों हो रहा है। एक से बढ़कर एक कॉमेडी के पिल्लर हमसे दूर जा रहे हैं। कुछ दिन पहले राजू श्रीवास्तव जी को हमने खोया। उनका सदमा अब भी है। हमें यकीन नहीं होता। लोग उनकी बातें याद करके हंसते हैं, लेकिन फिजिकली वो हमारे बीच नहीं हैं। उनसे पहले भाबीजी घर पर हैं के दीपेश भान, बहुत कम उम्र में लोगों को हंसाते-हंसाते लोगों

को रुला गए। अभी चार दिन पहले मेरे अच्छे दोस्त और कॉमेडियन जीतू गुप्ता के सुपुत्र का निधन हुआ था। कुछ दिन पहले हास्य कवि अशोक सुंदरानी जी चल बसे, अनंत श्री जी चल बसे। कॉमेडी जगत में बहुत नुकसान हो रहा है। बता दें कि पराग कंसारा ने द ग्रेट इंडियन लाफ्टर शो से अपने करियर की शुरुआत की थी। इस शो में पराग जीत तो नहीं सके, हालांकि उन्हें देशभर में खूब पसंद किया गया। इसके बाद पराग कॉमेडी का किंग शो का भी हिस्सा रह चुके हैं। मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव का 21 सितंबर को निधन हो चुका है। जिम में वर्कआउट करते हुए अचानक गिरने के बाद राजू को एम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। कई दिनों के इलाज के बाद राजू ने दम तोड़ दिया।

आलिया भट्ट को नहीं पता है अपना बैंक बैलेंस

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने हाल ही में एक इंटरव्यू में खुलासा किया कि उनकी मां सोनी राजदान उनके पैसों को संभालती हैं। साथ ही उन्होंने ये भी बताया कि इस समय उन्हें ये भी नहीं पता कि उनके अकाउंट में कितने पैसे हैं। आलिया बतौर एक्ट्रेस पिछले एक दशक से काम कर रही हैं। आलिया ने हाल ही में नायका में इंवेस्ट किया है। साथ ही उन्होंने कॉस्ट्यूम ब्रांड एड-ए-मम्मा भी लॉन्च किया है। वहीं आलिया अपना प्रोडक्शन हाउस भी चला रही हैं।

आलिया ने कहा, 'जब मैं छोटी थी, तो निश्चित रूप से, पैसे के साथ मेरा रिश्ता पॉकेट मनी तक ही सीमित था। ये पैसे मुझे अपनी मां से मिलते थे, जिसे मैं बहुत सावधानी से सहेजती और कुछ अजीब चीजों पर खर्च करती थी। मुझे याद है कि एक बार हम लंदन गए थे और मेरे पास शॉपिंग के लिए पूरी जर्नी में सिर्फ 200 पाउंड थे। उस समय मैंने पहली बार बाहर जाने पर 170 पाउंड खर्च किए क्योंकि ये पहली बार था, जब मैं इतने सारे ब्रांड्स एक साथ देखे थे। मुझे इसकी कोई समझ नहीं थी।'

आलिया ने आगे कहा, 'अब भी, मेरी मां मेरे पैसे संभालती हैं। मुझे ये भी स्योर नहीं है कि इस समय मेरे अकाउंट में कितने पैसे होगें। लेकिन समय-समय पर मैं अपनी टीम के साथ बैठती हूं और वो मुझसे कभी-कभी इस पर चर्चा करते हैं। मेरे पास एक सर्टेन आइडिया और एक सर्टेन सेंस है, लेकिन मुझे पता है कि मेरी मां अभी मेरे पैसे को बहुत अच्छी तरह से संभाल रही हैं। इसलिए पैसे के साथ मेरा रिश्ता इसे बनाने का है और मेरी मां का इसे संभालने का है।'

आलिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो हाल ही में उनकी फिल्म ब्रह्मास्त्र रिलीज हुई है। मिक्स रिव्यूज के बावजूद फिल्म ने बॉक्स-ऑफिस पर कमाई के सारे रिकॉर्ड्स तोड़ दिए हैं। इसके अलावा एक्ट्रेस रणवीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में नजर आने वाली हैं।

रणवीर सिंह अक्सर अपने अतरंगी ड्रेसिंग सेंस को लेकर चर्चा में बने रहते हैं। अब हाल ही में एक्टर को मुंबई एयरपोर्ट पर स्पॉट किया गया जिसका एक वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में रणवीर अलग अंदाज में दिखाई दे रहे हैं। इस दौरान उन्होंने मल्टी कलर के कॉर्ड्स पहने हुए हैं और इसी के साथ गॉगल्स भी लगा रखे हैं। अब इस वीडियो को देख फैंस रणवीर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो रणवीर जल्द ही करण जौहर की अगली निर्देशित फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी में दिखाई देंगे, जिसे 2023 में रिलीज किया जाएगा। इस फिल्म में उनके साथ आलिया भट्ट, शबाना आजमी, जया बच्चन नजर आएंगे।

आदिपुरुष पर रामायण फेम 'सीता' दीपिका का रिएक्शन

रामानंद सागर के लोकप्रिय सीरियल 'रामायण' में सीता की किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस दीपिका चिखलिया ने हाल ही में प्रभास, सैफ अली खान और कृति सैनन स्टारर फिल्म 'आदिपुरुष' के टीजर पर अपना रिएक्शन दिया है। मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में दीपिका ने फिल्म में रावण के किरदार के बारे में अपनी राय रखी है।

दीपिका का कहना है कि अगर कैरेक्टर श्रीलंका का है तो उसे मुगलों की तरह नहीं दिखाना चाहिए। एक्ट्रेस का कहना है कि टीजर केवल 30 सेकंड का है इसलिए वो अभी इसके बारे में ज्यादा कुछ समझ नहीं सकीं हैं। दीपिका ने कहा है कि वह इस बात से सहमत हैं कि समय बदल गया है और आजकल की फिल्मों में वीएफएक्स एक अनिवार्य हिस्सा है लेकिन इस बात पर भी ध्यान देना चाहिए कि इससे लोगों की भावनाओं को ठेस न पहुंचे।

उन्होंने अपने इंटरव्यू में आगे कहा अगर वो कहा वो इस किरदार को रामानंद सागर वाली रामायण में रावण का किरदार निभाने अरविंद त्रिवेदी से जोड़ने की कोशिश करती है तो फिर ये सही नहीं होगा। दीपिका के मुताबिक, हर एक्टर अपने हिसाब से फिल्मों में किरदार निभाने के लिए पूरी तरह से स्वतंत्र होता है।

बता दें कि ओम राउत के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'आदिपुरुष' में प्रभास भगवान राम और कृति सैनन सीता के किरदार में हैं जबकि सैफ अली खान रावण की भूमिका में हैं। ये फिल्म अगले साल 12 जनवरी को रिलीज होगी। ये एक पैन इंडिया फिल्म है, जिसे हिंदी समेत तेलुगु, तमिल, कन्नड़ और मलयालम भाषा में रिलीज किया जाएगा।

मेगा स्टार चिरंजीवी की गॉडफादर ने बॉक्स ऑफिस पर पहले दिन की 38 करोड़ की कमाई

तेलुगु सिनेमा के मेगा स्टार चिरंजीवी के लिए गॉडफादर एक बोल्ड च्वाइस रही। हालांकि चिरंजीवी तेलुगु सिनेमा में 'मसाला मूवीज' करने के लिए हमेशा से आगे रहे हैं, जिन्होंने पिछले चार दशकों से दर्शकों को एंटरटेन किया है। उनके डांस से लेकर उनका डेयर डेविल एक्शन सीन, उनकी वीरता, कॉमेडी , और उनके स्वभाव की वजह से दर्शकों को उनकी फिल्म में सबकुछ देखने मिलता है। मेगा स्टार का हर स्टाइल दर्शकों को खूब भाता है। ऐसे में अब गॉडफादर के साथ चिरंजीवी ने अपना एक बिल्कुल नया अवतार दर्शकों के समाने पेश किया हैं। उनके फैंस अपने पसंदीदा कलाकार के इस जबरदस्त अवतार के कायल हुए जा रहे हैं। फिल्म ने वर्ल्डवाइड 38 करोड़ की कमाई की।

इस फिल्म के लिए चिरंजीव ने जबरदस्त ट्रांस्फॉर्मेशन्स किये हैं। इंटेंस से लेकर अग्रेसिव रोल तक और उनका जबरदस्त स्वैग उनके प्रसंशको के लिए किसी ट्रीटमेंट से कम नहीं है। चिरंजीवी इस फिल्म में पावरफुल ब्रह्मा के किरदार में

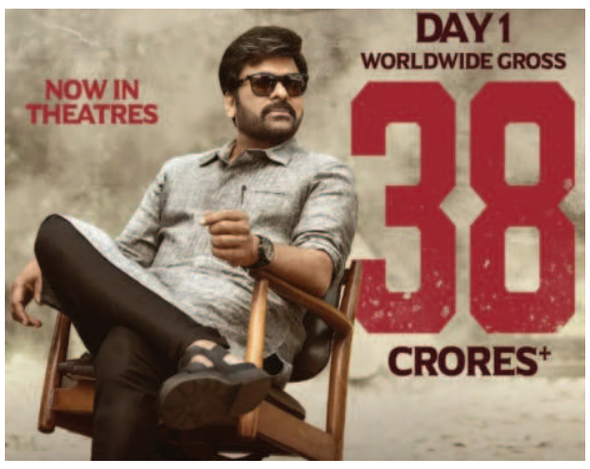

गॉडफादर हुई ऑनलाइन लीक

चिरंजीवी की फिल्म गॉडफादर थिएटर्स में रिलीज हो गई है। चिरंजीवी के अलावा इस फिल्म में सलमान खान नयनतारा और सत्य देव मुख्य भूमिका में हैं। रिलीज के साथ ही इस फिल्म को ऑडियंस का पॉजिटिव रिस्पॉन्स देखने को मिल रहा है लेकिन आपको बता दें कि थिएटर्स में आते ही ये फिल्म इंटरनेट साइट्स पर लीक हो गई। कई टोरेंट साइट्स पर ये फिल्म एचडी क्वालिटी में उपलब्ध है।गॉडफादर पहली मूवी नहीं है जो पाइरेसी का शिकार हुई है। इससे पहले विक्रम वेधा, नाने वरुवेन, बबली बाउंसर, ब्रह्मास्त्र जैसी फिल्में भी रिलीज होने के साथ ही ऑनलाइन लीक हो चुकी हैं। फिल्म गॉडफादर की बात करें तो इसे मोहन राजा ने डायरेक्ट किया है। ये फिल्म मलयालम मूवी लूसिफर की रीमेक है। फिल्म कल ही थिएटर्स में रिलीज हुई है। रिलीज के साथ ही ये फिल्म ऑडियंस को खूब पसंद आ रही है।

नज़र आएं , यह नॉर्थ के दर्शकों के लिए भी उतना ही नया है जितना कि साउथ की ऑडियंस के। चिरंजीव 'ब्रह्मा' के किरदार के लिए मेगा स्टार ने पूरी जान डाल दी है। गॉडफादर एक जबरदस्त फिल्म है जिसमें कोई रोमांटिक इंटरेस्ट तो नहीं है, परन्तु चिरंजीवी की जबरदस्त मजबूत स्क्रीन प्रेजेंस और 'स्वैग' ने लोगों का दिल जीत लिया है।

नयनतारा, फिल्म के पहले भाग में एक छोटे से रोल में दिखाई देती हैं, लेकिन पोस्ट इंटरमिशन उनकी एक शानदार उपस्थिति है और उनकी कास्टिंग फिल्म की अपील को बढ़ाती हैं। सेकेंड हाफ में कुछ पल ऐसे होते हैं जो बताते हैं कि उन्हें साउथ सिनेमा में लेडी सुपर स्टार क्यों कहा जाता है। इस फिल्म में चिरंजीवी और सलमान खान एक साथ स्क्रीन स्पेस शेयर करते दिखाई दिए , जो अपने आप में फिल्म का सबसे बड़ा आकर्षण रहा और निर्देशक मोहन राजा ने दो आउटस्टैंडिंग एक्टर्स के साथ पर्दे पर जादू ला दिया है, जैसा कि प्रशंसकों को देखने की उम्मीद है।

जेनिफर लोपेज और शकीरा के बाद अब नोरा फतेही फीफा वर्ल्डकप में करेंगी परफॉर्म

नोरा फ़तेही एक ग्लोबल आइकन है। देश और दुनिया में नोरा को उनके स्टनिंग डांस मूव्स के लिए जानी जाती हैं। हाल ही में एक बार फिर से नोरा ने वैश्विक नक़्शे पर भारत का नाम दर्ज करवाया है। जेनिफर लोपेज, शकीरा के बाद अब ग्लोबल आइकॉन नोरा फ़तेही फिफा विश्वकप में परफॉर्म करने वाली हैं। वो दिसंबर में फीफा वर्ल्ड कप में परफॉर्म करेंगी। इसी के साथ वो विश्व मंच पर भारत और खासकर दक्षिण पूर्व एशिया का प्रतिनिधित्व करने वाली एकमात्र अभिनेत्री बन गईं हैं।

शकीरा और जेनिफर भी कर चुकी हैं परफॉर्म

इससे पहले फीफा वर्ल्डकप में शकीरा और जेनिफर लोपेज भी परफॉर्म कर चुकी हैं। नोरा फतेही फीफा के संगीत वीडियो में शामिल होने वाली अगली कलाकार हैं, जो इस साल फीफा में डांस परफॉर्मेंस करते हुए नज़र आएँगी। नोरा जिस गाने पर परफॉर्म करेंगी उसे फेमस म्यूजिक निर्माता रेडऑन ने तैयार किया है, जो दुनिया के फेमस रिकॉर्ड निर्माताओं में से एक है। इससे

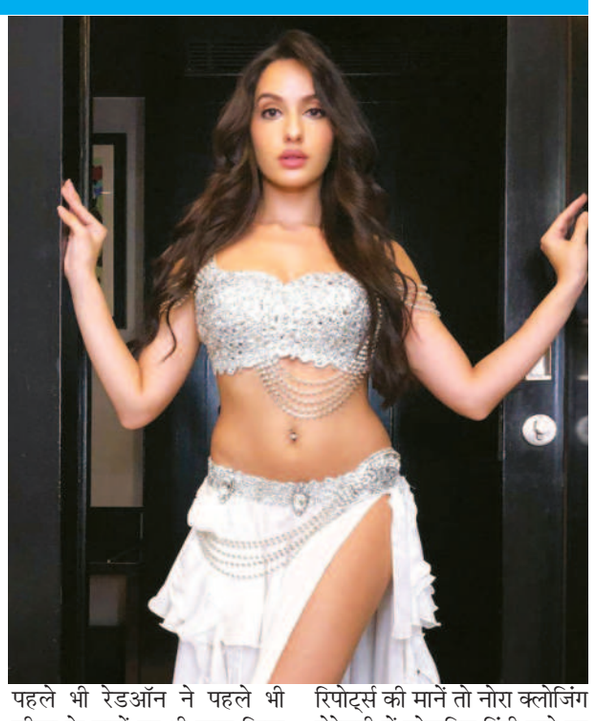

पहले भी रेडऑन ने पहले भी फीफा के गानों पर भी काम किया है जैसे शकीरा के वाका वाका और ला ला ला। बता दें कि नोरा फीफा के ओपनिंग और क्लोजिंग दोनों सेरेमनी में परफॉर्म करेंगी। उन्होंने इसके लिए कॉन्ट्रैक्ट साइन करवाया गया है, जो किसी भी कलाकार के लिए रेयर है। मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो नोरा क्लोजिंग सेरेमनी में लोकप्रिय हिंदी गाने पर डांस करती नजर आएंगी। वर्कफ्रंट की बात करें तो नोरा इस वक्त टीवी शो झलक दिखला जा को जज कर रही हैं। इसके अलावा नोरा ने सिद्धार्थ और अजय देवगन की फिल्म थैंकगॉड में भी डांस परफॉर्म किया है।

एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने बॉलीवुड छोड़ने का किया ऐलान

बिग बॉस की एक्स कंटेस्टेंट मंदाना करीमी ने बॉलीवुड छोड़ने का ऐलान किया है। मंदाना ने ये फैसला मीटू के आरोपों में फंसे फिल्ममेकर साजिद खान को बिग बॉस 16 में बतौर कंटेस्टेंट शामिल कराए जाने के बाद लिया। साजिद को बिग बॉस में शामिल करने का फैसला मंदाना समेत कई एक्ट्रेसेस को पसंद नहीं आ रहा है। मंदाना ने मीटू मूवमेंट के दौरान साजिद पर सेक्शुयल हैरेसमेंट का आरोप लगाया था।

मीडिया को दिए एक इंटरव्यू में मंदाना ने साजिद के बिग बॉस शो में हिस्सा लेने पर निराशा जाहिर करते हुए कहा कि वह अब एक ऐसे इंडस्ट्री में काम नहीं करना चाहती हैं जहां महिलाओं के लिए कोई सम्मान नहीं है। मंदाना ने यह भी कहा कि वह इस बात से बिल्कुल हैरान हैं कि साजिद को अपने ऊपर लगे आरोपों से थोड़ा भी फर्क नहीं पड़ रहा है। मंदाना ने अपने इंटरव्यू में आगे कहा लोगों के लिए जिंदगी ऐसी हो गई है कि अगर किसी चीज से फायदा मिल रहा है या पैसे मिल रहे हैं तो उन्हें कुछ फर्क नहीं पड़ता। इंडस्ट्री एक ऐसी जगह है जहां कोई किसी की मां है, बॉयफ्रेंड है या गर्लफ्रेंड या पति है। ये कुछ ऐसा है कि तुम मुझसे मतलब निकालो मैं तुमसे मतलब निकालूंगा।

इस ईरानी एक्ट्रेस ने अपने इंटरव्यू में बताया कि उन्होंने पिछले सात महीनों में किसी भी बॉलीवुड प्रोजेक्ट में काम नहीं किया है - ₹मैं बॉलीवुड में काम नहीं करना चाहती क्योंकि मैं ऐसे इंडस्ट्री से नहीं जुड़ना चाहती जहां महिलाओं के लिए कोई सम्मान नहीं है। एक्ट्रेस ने यह भी खुलासा किया कि पिछले रियलिटी शो में हिस्सा लेने की फीस उन्हें अब तक मिली है। इन सब के बीच मंदाना ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट को भी प्राइवेट कर दिया है।

बता दें कि मंदाना बिग बॉस के नौवें सीजन में नजर आ चुकी है। इसके अलावा वह फिल्म रॉय, भाग जॉनी, क्या कूल हैं हम 3 और मैं और चार्ल्स जैसी फिल्मों में भी दिख चुकी है। वहीं बात अगर साजिद की करें तो बिग बॉस के घर में एंट्री लेते वक्त उनसे उनके ऊपर लगे मीटू के आरोपों के बारे पूछा गया। उन्होंने शो के होस्ट सलमान खान से कहा "मैं पिछले चार साल से घर बैठा हूं। मेरे पास ज्यादा काम नहीं था इसलिए जब कलर्स की टीम ने मुझे फोन किया तो मैंने फैसला किया कि मुझे वहां जाना चाहिए और शायद अपने बारे में कुछ सीखना चाहिए, मैंने इन चार सालों में कई उतार-चढ़ाव देखे हैं ये मेरे जीवन के खराब चार साल रहे हैं।।

फिल्मों के चयन के मामले में सुस्त हूं : ऋतिक रोशन

बॉलीवुड अभिनेता ऋतिक रोशन इन दिनों अपनी फिल्म विक्रम वेधा को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म 30 सितंबर को रिलीज हो चुकी है और बॉक्स ऑफिस पर अच्छा बिजनेस कर रही है। खासकर ऋतिक के किरदार को लोग काफी पसंद कर रहे हैं। विक्रम वेधा इस ही नाम की साउथ इंडियन फिल्म की रीमेक है। ओरिजनल फिल्म में विजय सेतुपति और आर माधवन ने लीड रोल निभाया था। ऋतिक नेविक्रम वेधा को लेकर एक तरफ जहां उन्होंने वेधा के रोल के लिएअपनी तैयारी के बारे में बताया, वहीं सैफ संग काम करने का अनुभव भी शेयर किया।

किसी भी रोल को तैयार करने के लिए पहले में अपनी बालों को तैयार करता हूँ। पहले अपना हेयर स्टाइल को उस किरदार केहिसाब से बनाता हूँ। उसके बाद कपडे कैसे पहनने है और किरदार की वॉक कैसी होगी। ऐसा करने के बाद ही धीरे-धीरे उस किरदारतक पहुँच जाता हूँ। ऋतिक ने आगे कहाकि मैं अपनी जिंदगी में हमेशा खुश रहूंगा, मुझे इस बात की खुशी रहेगी कि मेरे को विक्रम वेधा जैसी फिल्म करने का मौका मिला। एक फिल्म, एक सक्रिप्ट जिसे इतना शानदार तरीके से लिखा गया था। सैफ के साथ करते वक्त बहुत मजा आया है उनकी वजह से मेरी भी एक्टिंग बेहतर हुई है, जो फिल्म में आप साफ़देख सकते हैं। सैफ कि एक्टिंग के बारे में कहा कि वो बहुत ही रियल एक्टर है। मुझे

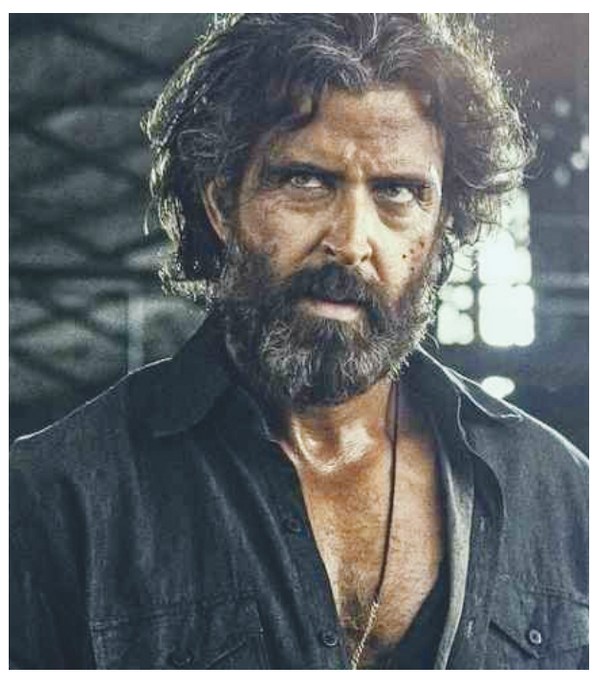

लगता था कि मैंने अपनी एक्टिंग में अगर थोड़ा भी ओवर किया, तो लोग मुझे पकड़ लेंगे, क्योंकि मेरे सामने इतना शानदार एक्टर था। मैंने अपने किरदार की तैयारी के वक्त और सेट पर भी शूटिंग केसमय इन बातों का ध्यान में रखा। फिल्म या सक्रिप्ट को चुनने का मेरा कोई ख़ास प्रोसेस नहीं है। मैं वो फिल्में करता हूं, जिसे मैं ना नहीं कर पाता। फिल्मों केचयन के बारे में बहुत सुस्त हूँ और मैं फ़िल्में नहीं करना चाहता हूँ। मेरी कोशिश यही रहती है कि हर फिल्म जो मेरे पास आये, मैं उसेनाकर दूँ। किसी फिल्म की सक्रिप्ट ने मेरे दिमाग या दिल पर अधिक प्रभाव छोड़ा है तो मैं वो फिल्म कर लेता हूँ। यदि किसी कहानी परमैं बैठ कर सोचने लग गया, तो फिर मैं उसे नहीं ही करता हूं।

साजिद खान को सपोर्ट करने के लिए उर्फी ने शहनाज गिल पर साधा निशाना

बिग बॉस ओटीटी की फेमस कंटेस्टेंट और सोशल मीडिया सनसनी उर्फी जावेद ने विवादास्पद रियलिटी शो बिग बॉस 16 के मौजूदा सीजन में 'मीटू' के आरोपी फिल्म निर्माता साजिद खान का समर्थन करने के लिए पंजाबी एक्ट्रेस और एक्स बिग बॉस कंटेस्टेंट शहनाज गिल को फटकार लगाई. उर्फी ने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कर लिखा- 'बिग बॉस', आप ऐसा क्यों करेंगे? जब आप यौन शिकारियों का समर्थन करते हैं, तो इसका मतलब ये हुआ कि उन्होंने जो किया वो ठीक है. इन पुरुषों को यह जानने की जरूरत है कि उनका व्यवहार ठीक नहीं था, वे अपनी इन गलतियों पर पर्दा नहीं डाल सकते हैं. उर्फी ने कहा-यौन शिकारियों के साथ काम करना बंद करो! यह विवादास्पद नहीं है बल्कि ये शर्मनाक है.

उर्फी ने कहा कि सिर्फ विवादों में रहने के लिए निर्माता कुछ भी का समर्थन नहीं कर सकते. साजिद खान ने अपने किए के लिए कभी माफी नहीं मांगी. कल्पना कीजिए कि जिन लड़कियों को उन्होंने परेशान किया, वो क्या महसूस कर रही होंगी. इसलिए आपको वास्तव में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है क्योंकि अगर आप कई महिलाओं को परेशान भी करते हैं, तब भी आप भारत के सबसे बड़े शो में शामिल होंगे. कॉन्ट्रोवर्सी के लिए आप हर चीज थोड़े सपोर्ट करेंगे.

सोशल मीडिया सनसनी, जो अपने आउट-ऑफ-द-बॉक्स स्टाइल के लिए जानी जाती है, ने कहा कि उन्हें इस साल बिग बॉस से कोई ऑफर नहीं आया. अगर आता तो भी वे कभी ऐसे शो में नहीं जाती जो यौन शोषण करने वालों का समर्थन करता हो. क्या हम ऐसे सेक्सुअल हैरेसमेंट करने वालों को रोक सकते हैं. मुझे ये सोचकर अजीब लगता है जिन लड़कियों के साथ ऐसा हुआ है उन्हें साजिद को इस तरह स्क्रीन पर देखकर क्या लग रहा होगा. उर्फी ने आगे कहा कि अगर एक्स कंटेस्टेंट शहनाज गिल और कश्मीरा शाह यौन शोषण करने वाले का समर्थन करने के लिए स्वतंत्र हैं तो फिर मैं भी इनकी आलोचना करने के लिए स्वतंत्र हूं.

उर्फी के साथ सोने वाला कोई इंसान नहीं

बता दें, फिल्ममेकर साजिद खान पर #Metoo कंपेन के अन्तर्गत यौन शोषण का आरोप लग चुका है.

हाल ही में बॉलीवुड एक्ट्रेस मंदना करीमी ने खुलासा किया था कि साजिद की रिएलिटी शो में एंट्री के बाद उन्होंने बॉलीवुड छोड़ दिया क्योंकि यहां महिलाओं का कोई सम्मान नहीं है.

बेबी शावर फंक्शन में ट्रेडिशनल लुक में नजर आईं आलिया भट्ट

एक्ट्रेस आलिया भट्ट और रणबीर कपूर के घर जल्द ही नन्हा मेहमान आने वाला है। फैंस उनके बेबी शावर का इंतजार बड़ी ही बेसब्री से कर रहे थे। आज यानी 5 अक्टूबर को आलिया और रणबीर के घर बेबी शावर की सेरेमनी रखी गई, जिसकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर सुर्खियों में हैं। कई बॉलीवुड सेलेबस आलिया और रणबीर के घर उन्हें और उनके होने वाले बच्चे को आशीर्वाद देने पहुंचे हैं।

बेबी शावर के मौके पर येलो सूट में आलिया बेहद खूबसूरत और एलिगेंट लग रही हैं। हालांकि, फोटो में रणबीर नहीं नजर आए हैं। आलिया ने अपने बेबी शॉवर के मौके पर येलो एथनिक सूट कैरी किया, जिसमें उनका प्रेग्नेंसी ग्लो और भी निखर कर सामने आ रहा है। फोटोज में आलिया के साथ उनकी बहन शाहीन और उनकी 2 दोस्त नजर आ रही है। हालांकि,बेबी शॉवर की फोटोज में रणबीर कपूर नहीं नजर आए हैं। जिसे लेकर फैंस सवाल कर रहे हैं। आलिया के बेबी शावर सेलिब्रेशन में परिवार के साथ साथ उनके करीबी दोस्त भी शामिल हुए। नीतू कपूर और सोनी राजदान को भी आलिया के घर जाते हुए स्पॉट किया गया। दोनों ही नानी और दादी बनने के लिए बेहद एक्साइटेड हैं। इसके अलावा रणबीर की बहन करिश्मा कपूर भी सेलिब्रेशन के लिए पहुंचीं। करिश्मा इस दौरान पिंक कलर के सूट में नजर आईं, वहीं रणबीर की रियल सिस्टर रिद्धिमा कपूर भी स्पेशयली अपनी भाभी के बेबी शावर के लिए मुंबई आई हैं। इसके अलावा करण जोहर, महेश भट्ट, रिधिमा जैन भी आलिया के बेबी शावर में मौजूद रहे। बता दें कि आलिया-रणबीर ने अपने बांद्रा में स्थित घर पर बेबी शावर का प्रोग्राम रखा गया। हालांकि, अभी तक फंक्शन की इनसाइड फोटोज सामने नहीं आई है। फैंस भी कपल की बेबी शावर की फोटोज देखना चाहते हैं।

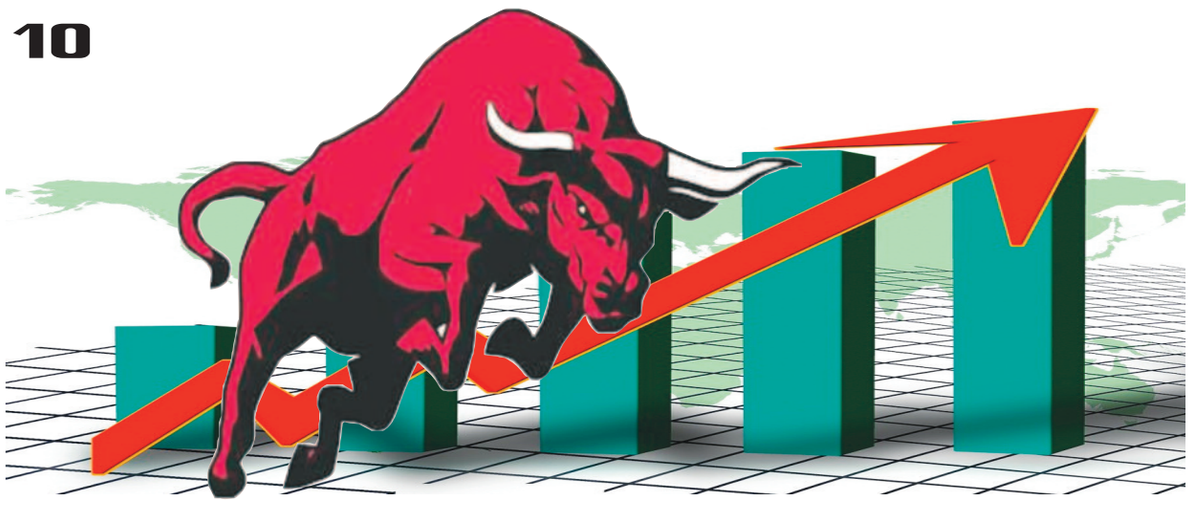

सोना हुआ और महंगा, चांदी के गिरे भाव, जीएसटी समेत लेटेस्ट रेट

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सर्राफा बाजारों में सोने के भाव एक बार फिर आसमान की ओर भाग रहा है। हालांकि, चांदी के रेट थोड़े गिरे हैं। आज सोने का भाव 506 रुपये महंगा होकर 51792 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जबकि चांदी 140 रुपये प्रति किलो सस्ती होकर 60894 रुपये पर आ गई है। पिछले एक हफ्ते में सोना 2303 रुपये महंगा हुआ है। अब शुद्ध सोना अपने ऑल टाइम हाई रेट से 56254 रुपये प्रति 10 ग्राम से 4462 रुपये ही सस्ता रह गया है। जबकि, चांदी अपने दो साल पहले के

उच्च रेट 76008 रुपये प्रति किलो से 15114 रुपये सस्ती है। इसके अलाव 23 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 51585 रुपये पर पहुंच गई है। जीएसटी के साथ अब यह 53132 रुपये प्रति 10 ग्राम के रेट से मिलेगी। वहीं, 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 47442 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। अब 3 प्रतिशत जीएसटी के साथ सोने की कीमत 48865 रुपये पर पहुंच गई है। 18 कैरेट गोल्ड का रेट 38844 रुपये पर पहुंच गया है और जीएसटी के साथ इसकी कीमत अब 40009 रुपये हो गई है।

यहां 14 कैरेट गोल्ड की कीमत अब 30298 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है। इसमें जीएसटी जोड लें तो इस सोने का भाव 31206 रुपये पर पहुंच गया है। बता दें इसमें ज्वेलरी मेकिंग चार्ज और ज्वैलर का मुनाफा नहीं जुड़ा है।

लगातार दूसरे दिन तेजी में बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 156 अंक चढ़कर 58,222 पर बंद,निफ्टी 17,330 के पार; मेटल सेक्टर सबसे ज्यादा 3.25% चढ़ा

मुंबई, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। ग्लोबल मार्केट से मिले पॉजिटिव संकेतों का असर भारतीय बाजार पर भी देखने को मिला है। गुरुवार को (6 अक्टूबर) बाजार में तेजी देखने को मिली। बाजार लगातार दूसरे दिन बढ़त के साथ बंद हुआ है।

सेंसेक्स 156 अंक बढ़कर 58,222 पर बंद हुआ। निफ्टी 57 अंकों की तेजी के साथ 17,331 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 18 शेयरों में तेजी रही। वहीं 12 शेयरों में गिरावट दिखने को मिली।

जेएसडब्ल्यू और टाटा स्टील निफ्टी टॉप गेनर

जेएसडब्ल्यू स्टील, कोल इंडिया, हिंडाल्को, टाटा स्टील, एलटी, आईसीआईसीआई बैंक, एचसीएल टेक, सूचना, एक्सिस बैंक समेत 27 शेयर्स निफ्टी-50 के टॉप गेनर्स रहे। वहीं

भारती एयरटेल, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एचडीएफसी, इंडसइंड बैंक, डिविस लैबोरेट्रीज, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया लाइफ, एचडीएफसी बैंक समेत 23 शेयर्स निफ्टी के टॉप लूजर्स रहे।

मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.25% की तेजी

एनएसई के 11 सेक्टोरल इंडेक्स में से 9 में तेजी रही। मेटल सेक्टर में सबसे ज्यादा 3.25% की तेजी रही। रियल्टी और मीडिया सेक्टर में 2% से ज्यादा की तेजी देखने को मिली। इसके अलावा बैंक, ऑटो, फाइनेंशियल सर्विसेस, आईटी, पीएसयू बैंक, प्राइवेट बैंक सेक्टर में भी तेजी रही। वहीं एफएमसीजी और फार्मा में गिरावट देखने को मिली।

बुधवार को दशहरा पर बंद रहा भारतीय बाजार

भारतीय शेयर बाजार दशहरा पर बंद रहा।

उससे एक दिन पहले मंगलवार (4 अक्टूबर) को बाजार में बंपर तेजी देखने को मिली थी। सेंसेक्स 1276 अंक की तेजी के साथ 58,065 के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी 386 अंक बढ़कर 17,274 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 में से 28 शेयरों में तेजी रही। वहीं सिर्फ 2 शेयरों में गिरावट दिखने को मिली।

अडानी ग्रुप की यह कंपनी जुटाने जा रही 100 करोड़, खबर आते ही रॉकेट बन गया शेयर

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में शुरुआती कारोबार में आज 4 प्रतिशत से अधिक की तेजी देखने को मिली। कंपनी के शेयर इंट्रा डे ट्रेड में 3.19% ऊपर 2,203 रुपये पर कारोबार कर रहे हैं। पिछले चार कारोबारी दिन से यह शेयर तेजी से आगे भाग रहा है। दरअसल, अडानी ग्रीन शेयरों में तेजी के पीछे एक बड़ी वजह है। वह यह है कि गौतम अडानी के नेतृत्व वाली फर्म ग्रीन बॉन्ड के जरिए करीबन 100 करोड़ रुपये जुटाने की योजना बना रही है। अडानी ग्रीन एनर्जी का शेयर बीएसई पर

2,132.65 रुपये के पिछले बंद के मुकाबले 4.52 प्रतिशत बढ़कर 2,229.1 रुपये हो गया। अडानी ग्रीन एनर्जी का शेयर 5 दिन, 100 दिन और 200 दिन की मूविंग एवरेज से ऊपर लेकिन 20 दिन और 50 दिन की चलती औसत से कम पर कारोबार कर रहा है। एक साल में स्टॉक ने 82.54 प्रतिशत की भारी वृद्धि की और 2022 में 67 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

फर्म का मार्केट कैप बढ़कर 3.58 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह शेयर 19 अप्रैल, 2022 को अपने 52 वीक के हाई 3048 रुपये और 29,2021 को 52 वीक के लो स्तर 1106 रुपये पर पहुंच गया था। पिछले चार कारोबारी सत्रों में शेयर आज के 2,229 रुपये के हाई को ध्यान में रखते हुए 11.23 प्रतिशत बढ़ा है। 29 सितंबर को अडानी समूह की फर्म द्वारा कहा गया था कि उसने राजस्थान के जैसलमेर में 600 मेगावाट क्षमता का दुनिया का सबसे बड़ा पवन-सौर ऊर्जा प्लांट चालू किया है। उसी सत्र में स्टॉक 2,004.50 रुपये पर बंद हुआ था। अडानी ग्रीन एनर्जी के शेयर 30 सितंबर को 20 प्रतिशत इंट्रा डे बढ़कर 2,405 रुपये हो गए। बता दें कि जैसलमेर में प्लांट का सोलर एनर्जी कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया के साथ 25 साल के लिए 2.69 रुपये / kwh पर बिजली खरीद समझौता किया गया है।

निजी वाहनों का अब बीएच श्रृंखला से पंजीकरण शुरू

ले जा सकेंगे किसी भी राज्य में

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। देशभर में निजी वाहनों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों ने गाड़ियों के पंजीकरण के लिए नई भारत श्रृंखला (बीएच-श्रृंखला) शुरू की है। परिवहन विकास परिषद की सालाना बैठक के ब्योरे से यह जानकारी मिली।

परिषद की 41वीं बैठक पिछले महीने बंगलूरू में हुई थी। बैठक के ब्योरे के अनुसार नीति की शुरुआत के बाद से 24 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 20,000 वाहन पंजीकृत हुए हैं। गौरतलब है कि पिछले साल सरकार ने वाहनों के पंजीकरण की नई व्यवस्था अधिसूचित की थी। यह व्यवस्था वाहन मालिकों को एक राज्य से दूसरे राज्य में जाने और वहां स्थानांतरित होने पर वाहनों के दोबारा से पंजीकरण से मुक्त करती है। ब्योरे के अनुसार जांच चौकियों पर रुके बिना और स्थानीय/राज्य नियमों के अनुसार करों के भुगतान के बिना पर्यटकों की निर्बाध आवाजाही के लिए सड़क मंत्रालय की पहल सफल रही है। तीस हजार से अधिक परमिट और 2,75,000 अधिकार पत्र अब तक जारी किए जा चुके हैं। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकारों को बड़े और छोटे शहर से जुड़े मार्गों पर बाधा रहित यातायात सुविधा प्रदान करने के लिए गति सीमा प्रतिबंधों पर फिर से विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया गया है। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा था कि वह एक्सप्रेसवे पर अधिकतम गति सीमा को 140 किमी प्रति घंटे तक बढ़ाने के पक्ष में हैं। गडकरी ने कहा था कि चार लेन वाले राष्ट्रीय राजमार्गों पर वाहनों की गति सीमा कम-से-कम 100 किमी प्रति घंटा होनी चाहिए जबकि दो लेन वाला सड़कों और शहर की सड़कों के लिए गति सीमा क्रमशः 80 किमी प्रति घंटा और 75 किमी प्रति घंटा होनी चाहिए।

व्यवसायी से एक करोड़ घूस मांगने के आरोप में विदेश व्यापार महानिदेशालय पर केस, सीबीआई ने की कार्रवाई

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीबीआई ने 118 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के एक मामले में 2018 में एक व्यवसायी से कथित तौर पर एक करोड़ रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में विदेश व्यापार के संयुक्त महानिदेशक के खिलाफ मामला दर्ज किया है। सीबीआई अधिकारियों ने गुरुवार को यह जानकारी दी। मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के बाद सीबीआई ने संयुक्त विदेश व्यापार महानिदेशक संभाजी ए चव्हाण और डिप्टी विदेश व्यापार महानिदेशालय प्रकाश एस कांबले जो क्रमशः 2008 और 2013 बैच के भारतीय व्यापार सेवा के अधिकारी हैं, के अलावे व्यवसायी रमेश मनोहर चव्हाण के दिल्ली, दमण, मुंबई और पुणे स्थित नौ ठिकानों पर छापेमारी की है।

102 साल पुरानी इस बैंक ने बढ़ाया एफडी पर इंटरेस्ट रेट, ग्राहकों को फायदा होगा?

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सीएसबी बैंक लिमिटेड केरल का सबसे पुराना प्राइवेट बैंक है। इसे 1920 में कैथोलिक सीरियन बैंक लिमिटेड के रूप में स्थापित किया गया था। यह बैंक 102 साल से लगातार काम कर रहा है। अब बैंक ने अपने ग्राहकों को बड़ी खुशखबरी दी है। बैंक ने फिक्स्ड डिपॉजिट पर दिए जाने वाले ब्याज को बढ़ा दिया है। बैंक की आधिकारिक वेबसाइट के अनुसार नई ब्याज दरें 3 अक्टूबर 2022 से लागू हो गई हैं।सीएसबी बैंक अब तक 7 दिनों से 10 साल में मैच्योर होने वाली एफडी पर 3% से 6% तक का ब्याज देता था, लेकिन अब बैंक ने 555 दिन में मैच्योर होने वाली एफडी पर ब्याज दर को बढ़ाकर 7% तक कर दिया है। बैंक अब 7 दिन से 90 दिन में मैच्योर होने वाली एफडी पर 3% का ब्याज देगा, जबकि 91 दिन से 179 दिन में मैच्योर होने वाली एफडी पर 3।50% का ब्याज दिया जाएगा। साथ ही 180 दिन से एक वर्ष से कम अवधि में मैच्योर होने वाले फिक्स्ड डिपॉजिट पर 4।25% की नई ब्याज दर की पेशकश की जाएगी और एक वर्ष में मैच्योर होने वाली एफडी पर 5% की नई ब्याज दर की पेशकश की जाएगी। सीएसबी बैंक अब 1 वर्ष से अधिक से 400 दिन में मैच्योर होने वाली एफडी पर 5।50% की ब्याज दर की पेशकश करेगा और 400 दिनों में मैच्योर होने वाली जमाराशियों पर अब 6।00% का ब्याज देगा। बैंक अब 400 दिन या 555 दिन से कम समय में मैच्योर होने वाली एफडी पर 5।50% का ब्याज देगा। इसके अलावा 555 दिन में मैच्योर होने वाली एफडी पर अधिकतम 7% ब्याज दर से भुगतान किया जाएगा। 555 दिन से दो साल से अधिक की मैच्योर होने वाली एफडी पर अब 5।50% ब्याज मिलेगा, जबकि दो साल से 5 साल से अवधि में मैच्योर होने वाली एफडी पर अब 5।75% ब्याज मिलेगा। इसके अलावा अब 5 साल से अधिक और दस साल तक मैच्योर होने वाली एफडी पर 6% का ब्याज दिया जाएगा। सीएसबी बैंक देश के सीनियर सिटिजंस के लिए एक आचार्य डिपॉजिट की पेशकश करता है, जिस पर बैंक सबसे ज्यादा ब्याज का भुगतान करता है।

फ्लिपकार्ट पर भड़के लोग! सोशल मीडिया पर निकाल रहे गुस्सा

आप भी ऑनलाइन मंगाते हैं सामान तो जान लें ये मामला

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। अगर आप भी ऑनलाइन सामान मंगाते हैं तो ये खबर आपके लिए है। अभी हाल ही में फ्लिपकार्ट ने बिग बिलियन डेज नाम से सेल शुरू की है। इसमें भारी डिस्काउंट पर सामान दिया जा रहा है। करीब 65 से 70 हजार रुपये में मिलने वाला आईफोन 13 और आईफोन 12 इस सेल में 48 हजार रुपये तक में सेल हुआ है। कई लोगों ने आईफोन सहित कई सामान खरीदे, लेकिन कइओं को प्रोडक्ट मिले नहीं। कई लोगों के ऑर्डर बाद में कैंसिल हो गए। ये किस वजह से हुए इसके बारे में भी लोगों को नहीं बताया गया।

भारत के लिए अच्छा नहीं है विश्व व्यापार संगठन का 2023 के लिए वैश्विक व्यापार का पूर्वानुमान

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विश्व व्यापार संगठन के पूर्वानुमान के मुताबिक वैश्विक अनिश्चितताओं के कारण विश्व व्यापार में होने वाली वृद्धि 2023 में घटकर एक फीसद तक रह सकती है। डब्ल्यूटीओ ने इस साल वैश्विक व्यापार में 3.5 फीसद वृद्धि का अनुमान लगाया है, जबकि इससे पहले अप्रैल में उसने समान अवधि के लिए तीन फीसद वृद्धि का अनुमान जताया था। बहुपक्षीय निकाय ने एक बयान में कहा कि विश्व व्यापार की गति 2022 की दूसरी छमाही में धीमी पड़ने और 2023 में सुस्त रहने का अनुमान है। बयान के मुताबिक, डब्ल्यूटीओ के अर्थशास्त्रियों का अनुमान है कि 2022 में वैश्विक वस्तु व्यापार में 3.5 फीसद वृद्धि होगी। यह अप्रैल में तीन फीसद के पूर्वानुमान से थोड़ा बेहतर है। हालांकि, उन्हें 2023 में एक फीसद वृद्धि की उम्मीद है, जो 3.4 फीसद के पिछले अनुमान के मुकाबले काफी कम है। ये पूर्वानुमान भारत के लिए अच्छे नहीं हैं, क्योंकि देश ने अपने निर्यात को बढ़ाने के लिए महत्वाकांक्षी योजना बनाई है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि विभिन्न कारणों से प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि धीमी होने

के कारण आयात मांग में नरमी का अनुमान है। रूस-यूक्रेन युद्ध से ऊर्जा कीमतों में तेजी के कारण यूरोप में विनिर्माण लागत बढ़ेगी और घरेलू खर्च में कमी आएगी।

बयान में आगे कहा गया है कि अमेरिका में सख्त मौद्रिक नीति से आवास, मोटर वाहन और ब्याज दर को लेकर संवेदनशील अन्य क्षेत्रों में खर्च प्रभावित होगा। चीन कमजोर बाहरी मांग के साथ ही कोविड-19 के प्रकोप से जूझ रहा है। ईंधन, खाद्य वस्तुओं और उर्वरकों की कीमतों में बढ़ोतरी का बुरा असर विकासशील देशों में देखने को मिल रहा है।

स्पाइसजेट के शेयरों ने भरी ऊंची उड़ान

सरकार से मिल सकती है बड़ी राहत

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बजट एयरलाइन स्पाइसजेट के शेयरों में गुरुवार को अच्छी तेजी आई है। स्पाइसजेट के शेयर गुरुवार को शुरुआती कारोबार के दौरान करीब 9 पर्सेंट की तेजी के साथ 42 रुपये के स्तर पर पहुंच गए। स्पाइसजेट के शेयरों में यह तेजी उस रिपोर्ट के बाद आई है, जिसमें कहा गया है कि बजट एयरलाइन को सरकार की मोडिफाइड इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम के तहत 1000 करोड़ रुपये का एडिशनल लोन मिल सकता है। स्पाइसजेट के शेयर फिलहाल 5 पर्सेंट से ज्यादा की तेजी के साथ 40.65 रुपये के स्तर पर ट्रेड कर रहे हैं। सरकार की तरफ से मिले फंड से घरेलू एयरलाइन स्पाइसजेट को अपने

बकाए का भुगतान करने, प्लेन लीज पर देने वालों को समय पर पेमेंट करने और नए बोईंग 737 मैक्स प्लेन अपने हवाई बेड़े में शामिल करने में मदद मिलेगी। इसके अलावा, स्पाइसजेट एंप्लॉयीज प्रॉविडेंड फंड के आउटस्टैंडिंग ड्यू को क्लीयर करेगी। बजट एयरलाइन स्पाइसजेट 200 मिलियन डॉलर जुटाने के लिए बैंकर्स के साथ बात कर रही है। फाइनेंस मिनिस्ट्री ने ईसीएलजीएस 3.0 के तहत मैक्सिमम लोन अमाउंट एलिजबिलिटी बढ़ाने के लिए इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम को मोडिफाइड किया है। स्पाइसजेट ने सिविल एविएशन सेक्टर के लिए ईसीएलजीएस में बदलाव का स्वागत किया है। इसके अलावा, सरकार से जेट फ्यूल पर सपोर्ट एक्सटेंड करने को कहा है। जून 2022 तिमाही में स्पाइसजेट को 789 करोड़ रुपये का नेट लॉस हुआ है। वहीं, जून 2021 तिमाही में बजट एयरलाइन को 729 करोड़ रुपये का घाटा हुआ था। जून 2022 तिमाही में एयरलाइन का टोटल रेवेन्यू 2478 करोड़ रुपये था। वहीं, एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का टोटल रेवेन्यू 1266 करोड़ रुपये था।

सितंबर में सर्विस सेक्टर की गतिविधि छह महीने के निचले स्तर पर पहुंच गई

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधि सितंबर में छह महीने के निचले स्तर पर आ गई। इस दौरान मुद्रास्फीति के दबाव के बीच नए व्यापार में सबसे धीमी दर से बढ़ोतरी हुई। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल इंडिया सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक अगस्त में 57.2 से घटकर सितंबर में 54.3 पर आ गया। यह मार्च के बाद सबसे धीमी दर से विस्तार को दर्शाता है। हालांकि, लगातार 14वें महीने सेवा क्षेत्र की गतिविधि में विस्तार देखा गया। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से अधिक अंक का मतलब विस्तार है, जबकि 50 से नीचे का अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट

इंटेलिजेंस की संयुक्त निदेशक पोल्याना डी लीमा ने कहा, 'भारतीय सेवा क्षेत्र ने हाल के महीनों में कई बाधाओं को पार किया है। ताजा पीएमआई आंकड़े सितंबर में वृद्धि की गति के कुछ धीमा पड़ने के बावजूद मजबूत प्रदर्शन को दर्शाते हैं।' सर्वेक्षण में कहा गया है कि कीमतों के दबाव, प्रतिस्पर्धी माहौल और प्रतिकूल सार्वजनिक नीतियों के चलते वृद्धि बाधित हुई है। लीमा ने आगे कहा कि अमेरिका में ब्याज दरों में बढ़ोतरी के कारण रुपये में तेज गिरावट से भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए अतिरिक्त चुनौतियां पैदा हुई हैं।

ईपीएफ सब्सक्राइबर्स के खातों में नहीं दिख रही ब्याज की रकम

वित्त मंत्रालय ने दिया स्पष्टीकरण

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। ईपीएफओ यानी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सदस्य अपने रिटायरमेंट सेविंग अकाउंट्स में ब्याज क्रेडिट क्यों नहीं देख पा रहे हैं? इस पर वित्त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी किया है। ईपीएफ सब्सक्राइबर्स को उनके रिटायरमेंट सेविंग अकाउंट्स में 2021-22 के लिए 8.1% की ब्याज दर मिलेगी, जैसा कि सरकार ने पहले घोषित किया था। वित्त मंत्रालय ने एक ट्वीट के जरिए तकनीक को जिम्मेदार ठहराया है। मंत्रालय ने कहा है कि पीएफ बचत पर टैक्सेशन लॉ में बदलाव के लिए सॉफ्टवेयर अपग्रेड के कारण ग्राहक ब्याज क्रेडिट नहीं देख पा रहे हैं।

मंत्रालय ने ट्वीट किया, किसी भी ग्राहक के लिए ब्याज का कोई नुकसान नहीं हुआ है। ब्याज सभी ईपीएफ ग्राहकों के खातों में जमा किया जा रहा है। हालांकि, यह ईपीएफओ द्वारा लागू किए जा रहे एक सॉफ्टवेयर अपग्रेड के मद्देनजर दिखाई नहीं दे रहा है। वित्त मंत्रालय ने एक अन्य ट्वीट में कहा, सभी निवर्तमान ग्राहकों के लिए निपटान की मांग करने वाले और निकासी की मांग करने वाले ग्राहकों को ब्याज सहित भुगतान किया जा रहा है। इंफोसिस टेक्नोलॉजीज के पूर्व निदेशक मोहनदास पई के एक ट्वीट के जवाब में वित्त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण जारी किया। इससे पहले मोहनदास पई ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, प्रधानमंत्री कार्यालय और पीएम नरेंद्र मोदी को टैग करते हुए ट्वीट किया है, ₹प्रिय ईपीएफओ, मेरा ब्याज कहां है? @PMOIndia @narendramodi सर को सुधारों की आवश्यकता है! नौकरशाही की अक्षमता के कारण नागरिकों को क्यों नुकसान उठाना चाहिए? कृपया मदद करें इससे पहले इस साल मार्च में कर्मचारी भविष्य निधि संगठन ने 2020-21 में ईपीएफ जमा पर दिए गए 8.5% को कम करके 2021-22 के लिए 8.1% करने का निर्णय लिया था।

ईपीएफओ कार्यालय के आदेश के अनुसार, श्रम और रोजगार मंत्रालय ने ईपीएफ योजना के प्रत्येक सदस्य को 2021-22 के लिए 8.1 फीसद ब्याज दर क्रेडिट करने के लिए केंद्र सरकार की मंजूरी से अवगत कराया है। ईपीएफ पर ब्याज यह 8.1 फीसद दर 1977-78 के बाद से सबसे कम है, जब यह 8 फीसद थी। केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने 2020-21 के लिए ईपीएफ जमा पर 8.5 फीसद की ब्याज दर मार्च 2021 में तय की थी।

फिर टूटा रुपया, डॉलर के मुकाबले 32 पैसे गिरकर ऑल टाइम लो पर हुआ बंद

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। कच्चे तेल की कीमतों में मजबूती से पैदा हुए भारी उतार-चढ़ाव के बीच बृहस्पतिवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 32 पैसे गिरकर 81.94 (अस्थायी) के ऑल टाइम लो पर आ गया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपये ने 81.52 के स्तर पर खुलने के साथ अच्छी शुरुआत की थी लेकिन कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव होने से रुपये पर दबाव देखा गया। कारोबार के दौरान रुपये ने 81.51 का हाई और 81.94 का निचला स्तर भी देखा। कारोबार के अंत में रुपया 81.94 रुपये प्रति डॉलर के

सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। इस तरह रुपये में पिछले कारोबारी दिन के मुकाबले 32 पैसे की भारी गिरावट दर्ज की गई। मंगलवार को रुपया 81.62 प्रति डॉलर के स्तर पर बंद हुआ था। बुधवार को दशहरा के अवसर पर बाजार बंद रहा था। मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के विदेशी मुद्रा एवं सर्राफा विश्लेषक गौरांग सोमैया ने कहा, "मंगलवार को रुपये में थोड़ी मजबूती देखी गई थी लेकिन आज यह फिर से दबाव में आ गया। अमेरिकी डॉलर में मजबूती आने से रुपये में गिरावट देखी गई। दरअसल, अमेरिका में सेवा पीएमआई और निजी नौकरियों के आंकड़े उम्मीद से बेहतर रहने से डॉलर को मजबूती मिली।" सोमैया ने कहा कि डॉलर के मुकाबले यूरो और पाउंड में भी ऊपरी स्तरों पर बिकवाली का दबाव देखा गया। उन्होंने कहा कि अब यूरोपीय केंद्रीय बैंक (ईसीबी) की बैठक के ब्योरे पर नजरें टिकी रहेंगी। सोमैया ने कहा कि अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये का हाजिर भाव 81.20 से लेकर 82.05 के दायरे में रहने की उम्मीद है। इस बीच, दुनिया की प्रमुख छह मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत बढ़कर 111.27 पर पहुंच गया। अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.08 प्रतिशत गिरकर 93.30 डॉलर प्रति बैरल रह गया। घरेलू स्तर पर शेयर बाजारों में बढ़त का रुख बना रहा। सेंसेक्स 156.63 अंक चढ़कर 58,222.10 अंक पर पहुंच गया जबकि निफ्टी 57.50 अंक की बढ़त के साथ 17,331.80 अंक हो गया। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने पूंजी बाजार में शुद्ध खरीदारी की। उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, मंगलवार को विदेशी निवेशकों ने 1,334.63 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों की लिवाली की।

कफ-सिरप का स्वाद बढ़ाने में गई 66 बच्चों की जान

गाम्बिया में मौतें; भारत में बने 4 कफ-सिरप पर अलर्ट

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को भारत की फार्मास्युटिकल्स कंपनी के बनाए 4 कफ-सिरप को लेकर अलर्ट जारी किया है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि ये प्रोडक्ट मानकों पर खरे नहीं हैं। खासतौर से बच्चों में इनके इस्तेमाल से गंभीर समस्या या फिर मौत का खतरा है। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि गाम्बिया में 66 बच्चों की मौत गुर्दों की हालत बेहद खराब हो जाने की वजह से हुई है। बहुत मुमकिन है कि इन सिरप के इस्तेमाल के चलते ही बच्चों की मौत हुई हो। ये प्रोडक्ट अभी सिर्फ गाम्बिया में पाए गए हैं। रिपोर्ट में कहा कि कफ-सिरप में डायथेलेन ग्लाईकोल और इथिलेन ग्लाईकोल की इतनी मात्रा है कि इंसानों के लिए जानलेवा हो सकते हैं। दरअसल, इन कंपाउंड की वजह से भारत में भी बच्चों समेत 33 की जान जा चुकी है, लेकिन इन कंपाउंड पर बैन नहीं लगाया गया है। डब्ल्यूएचओ ने मेडिकल प्रोडक्ट अलर्ट जारी किया है। यह न केवल गाम्बिया जैसे देशों, बल्कि भारत के लिए भी बेहद गंभीर है। कंपनी ने बंद की वेबसाइटः अलर्ट जारी होने के तुरंत बाद सिरप वाली कंपनी ने अपनी वेबसाइट बंद कर दी है, ताकि लोगों को ज्यादा जानकारी ना मिल सके।

जिन कंपाउंड का जिक्र डब्ल्यूएचओ की रिपोर्ट में है, वह कार्बन कंपाउंड है। इसमें न खुशबू होती है और न ही कलर। ये मीठा होता है। बच्चों के सिरप में सिर्फ इसलिए मिलाया जाता है ताकि वो आसानी से पी सकें। दवाओं में ये कंपाउंड अधिकतम 0.14 मिलीग्राम प्रति किलो तक मिलाया जा सकता है। 1 ग्राम प्रति किलो से ज्यादा मिलाने पर ये मौत का कारण बन सकता है। इन कंपनी ने खुलासा नहीं किया कि जिन दवाओं से मौत हुई,

उसमें इन कंपाउंड की कितनी मात्रा थी। इंसानों पर 3 फेज में होता है इन कंपाउंड का असरः पहले दो दिन में उल्टी-दस्त, पेट में दर्द। दिमाग सुन्न पड़ने लगता है। इसे माइनर कोमा भी कहा जाता है। तीसरे-चौथे दिन किडनी फेलियर हो जाता है। यूरिन पास नहीं हो पाता। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। हृदय की गति भी अनियमित हो जाती है। पांचवें से दसवें दिन तक पैरालिसिस हो सकता है। व्यक्ति डीप कोमा में जा सकता है। मौत भी हो सकती है। अगर इन कंपाउंड के चलते एक बार मरीज गंभीर हो गया, उसे बचा भी लिया गया तो किडनी की समस्या रहती है। उसे डायलिसिस की जरूरत भी पड़ सकती है।

गाम्बिया में कफ सिरप के जिस कंपाउंड से 66 बच्चों की जान गई... वही भारत में भी ले चुका 33 की जान। डायथेलेन ग्लाईकोल और इथिलेन ग्लाईकोल कंपाउंड का दवाओं में इस्तेमाल अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया और यूरोप में प्रतिबंधित है। लेकिन भारत में भी दो बार इन केमिकल कंपाउंड की वजह से त्रासदी आ चुकी है। 1986 में मुंबई के एक अस्पताल में कई मरीजों को इलाज के दौरान ग्लिसरीन दिया गया था। इसके बाद किडनी फेलियर की वजह से 21 मरीजों की मौत हो गई थी। जांच में पाया गया कि उन्हें दिए गए ग्लिसरीन में डायथेलेन ग्लाईकोल मिला हुआ था। 2020 में चंडीगढ़ पीजीआई के डॉक्टरों ने सेंट्रल ड्रग अथॉरिटी को एक कफ सिरप कोल्डबेस्ट की शिकायत की थी। इस कफ सिरप के इस्तेमाल से जम्मू-कश्मीर के उधमनगर के 12 बच्चों की मौत हो गई थी। इस कफ सिरप में भी डायथेलेन ग्लाईकोल मिला हुआ था। डायथेलेन ग्लाईकोल एक सॉल्वेंट है जिसका इस्तेमाल दवाओं, खासतौर पर सिरप में किया जाता है। मगर इसकी मात्रा प्रति एक किलो में 0.14 मिलीग्राम से ज्यादा नहीं हो सकती। बच्चों के सिरप में सॉल्वेंट के तौर पर मुख्यतः प्रोपलीन ग्लाइकोल का इस्तेमाल किया जाता है। मगर इसके मुकाबले डायथेलेन ग्लाईकोल सस्ता पड़ता है। इसी वजह से फार्मा कंपनियां इसका इस्तेमाल करती हैं। यह केमिकल कंपाउंड ऑटोमोटिव इंडस्ट्री, एग्रोकेमिकल्स, पेंट्स में इस्तेमाल होता है। कई खाद्य व पेय पदार्थों में भी स्वाद बढ़ाने के लिए इस्तेमाल होता है। जम्मू-कश्मीर में जिस कफ सिरप कोल्डबेस्ड की वजह से 12 बच्चों की मौत हुई, उसे बनाने वाली कंपनी पर आज तक एफआईआर तक नहीं हुई है। यह कंपनी डिजिटल विजन हिमाचल के काला अम्ब में दवाएं बनाती है। हिमाचल की ड्रग अथॉरिटी ने कंपनी के दवाएं बेचने पर फरवरी, 2020 में प्रतिबंध लगाया था।

हिमाचल हाईकोर्ट ने यह कहते हुए ड्रग अथॉरिटी का आदेश खारिज कर दिया कि कफ सिरप के जिस बैच में मिला, उसके अलावा कहीं कोई गड़बड़ी साबित नहीं हुई है। हिमाचल ड्रग अथॉरिटी ने अप्रैल, 2022 तक कंपनी पर कोई एफआईआर नहीं करवाई थी क्योंकि मरने वाले बच्चों का पोस्टमार्टम नहीं हुआ था। इसकी वजह से उनकी मौत को डायथेलेन ग्लाईकोल से सीधे तौर पर नहीं जोड़ा जा सकता। इन सिरप में शामिल किए गए कंटेंट का मानव शरीर पर जहरीला असर पड़ता है। इसे पेट में दर्द, उल्टी, डायरिया, यूरिन न कर पाना, सिरदर्द, अस्थिर दिमागी स्थिति और किडनी में ऐसी चोट, जो मौत की वजह बन सकती है। ये प्रोडक्ट बच्चों के लिए खासतौर से बेहद खतरनाक हो सकते हैं। इससे उनकी मौत भी हो सकती है। इन प्रोडक्ट को तुरंत ज्यादा जगहों पर फैलने से रोकना चाहिए। इनकी तुरंत पहचान की जानी चाहिए ताकि ये और ज्यादा मरीजों को नुकसान न पहुंचा सकें। डब्ल्यूएचओ ने कहा कि चारों सिरप हरियाणा की मेडेन फार्मास्यूटिकल कंपनी बना रही है। सवालों में घिरे चारों कफ-सिरप के नाम प्रोमेथाजिन ओरल सॉल्यूशन, कोफेक्समालिन बेबी कफ-सिरप, मकॉफ बेबी कफ-सिरप और मैग्रीप एन कोल्ड सिरप हैं। फॉर्मास्यूटिकल्स कंपनी ने अभी तक इन सिरप के लिए सुरक्षा और क्वालिटी की गारंटी नहीं दी है।

डब्ल्यूएचओ ने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि इन प्रोडक्ट्स की किन देशों में सप्लाई की गई है और सप्लाई किस तरह से की गई है, इसकी तुरंत पहचान होनी चाहिए। ऐसे गैरआधिकारिक और गैरकानूनी बाजारों की भी पहचान होनी चाहिए। सभी मेडिकल प्रोडक्ट्स का अप्रूवल और उनकी बिक्री आधिकारिक और लाइसेंसधारी सप्लायर्स से होना चाहिए। प्रोडक्ट की सत्यता और वास्तविक स्थिति की बेहद बारीक तरीके से जांच होनी चाहिए। कभी भी शक हो तो मेडिकल एक्सपर्ट से सलाह जरूर लें। ऐसे घटिया प्रोडक्ट का इस्तेमाल कतई न करें। अगर आप या कोई और ऐसे प्रोडक्ट का इस्तेमाल कर रहा है और कोई गंभीर साइड इफेक्ट दिखाई देता हो तो तुरंत मेडिकल एक्सपर्ट के पास जाएं। भारत सरकार ने गाम्बिया में हुई मौतों के बाद अपनी जांच शुरू कर दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसकी पुष्टि की है। डब्ल्यूएचओ ने पिछले महीने ड्रग कंट्रोलर जनरल ऑफ इंडिया को इन मौतों के बारे में जानकारी दी थी। इसके बाद से ही डिग्गी ने अपनी जांच शुरू कर दी थी। राज्य सरकार के अधिकारी भी इसमें जुटे हैं। डब्ल्यूएचओ ने अन्य देशों की स्वास्थ्य और मेडिकल संस्थाओं से कहा है कि अगर वहां भी ऐसे प्रोडक्ट की पहचान होती है तो तुरंत सूचना दें।

कंपनी की भारतीय वेबसाइट शुरुआत में खुल नहीं रही थी। बाद में खुलने लगी। केमिस्ट एंड ड्रगिस्ट की ऑल इंडिया ऑर्गनाइजेशन ने कहा कि मेडेन फार्मास्यूटिकल्स कंपनी के प्रोडक्ट अब तक तो केवल विदेशों में ही भेजे जाते हैं। अगर ड्रग कंट्रोलर ने कोई गाइडलाइन जारी की है तो इसका पालन किया जाएगा।

हरियाणा की मेडन फार्मास्युटिकल लिमिटेड का नाम डब्ल्यूएचओ रिपोर्ट में है। कंपनी 22 नवंबर 1990 में रजिस्टर्ड हुई थी। चार डायरेक्टरों वाली इस कंपनी की पिछले साल नवंबर में जनरल मीटिंग हुई है। कंपनी कागजों में एक्टिव है, लेकिन इस साल उसने अपनी बैलेंस शीट नहीं भरी है।

धूम धाम से लोगों ने दशहरा का आनंद उठाया

वारंगल, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। पंचायत राज ग्रामीण विकास एवं जल आपूर्ति मंत्री एराबेली दयाकर राव उर्सगुट्टा रंगलीला मैदान में रावण वध और दशहरा समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद पसुनुरी दयाकर, मेयर गुंडू सुधारानी, विधायक नन्नापुनेनी नरेंद्र, सीपी तरुण जोशी और अन्य भी उपस्थित थे। मंत्री एराबेली ने कहा कि दशहरा हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण त्योहार है। तेलुगु भाषी लोग दस दिनों तक दशहरा मनाते हैं।

विजयादशमी पर न केवल राम की रावण पर विजय हुई थी, इसी दिन पांडवों ने वनवास में जाते समय शमी वृक्ष पर टंगे अपने हथियार वापस ले लिए थे। इस अवसर पर रावण का वध किया जाता है और जम्मी के पत्तों की पूजा की जाती है।10वें माता देवी दुर्गा ने राक्षस महिषासुर से 9 रातों तक युद्ध कर उसका वध कर विजय प्राप्त कर ली थी, इस अवसर पर सभी लोगों ने हर्षोल्लास के साथ उत्सव मनाया।

तेलंगाना की उपलब्धि पर उन्होंने कहा कि केसीआर ने कई बाधाओं को पार कर तेलंगाना हासिल किया। विकास और कल्याण के साथ ही उन्होंने कोरोना के कठिन समय में भी लोगों का हर तरह से सेवा की। अब उन्हें देश का नेता बनाया गया है। कोई भी चुनाव हो जीत तो हमारी ही होगी। जनता का पूरा समर्थन हमारे साथ है। सभी लोगों को केसीआर के परिवार के साथ खड़ा होना चाहिए इस कार्यक्रम में स्थानीय पार्षदों, गणमान्य लोगों के अलावा बडी संख्या में लोगों ने भाग लिया।

रहीमपुरा में माता का भव्य जुलूस आज

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शारदीय नवरात्रि के पावन अवसर पर रहीमपुरा नवरात्रि उत्सव समिति द्वारा रहीमपुरा चौराह के पास भव्य पंडाल स्थापित कर माता की मूर्ति की स्थापना कर पूरे 9 दिन माता जी की आराधना, पूजा अर्चना कर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया था। रहीमपुरा नवरात्रि उत्सव समिति के संस्थापक व संयोजक सत्तू सिंह अबीरवाले, अध्यक्ष अनिल बॉन्ड, महामंत्री विष्णु बाहेती ने समिति के 20वें वार्षिकोत्सव को यादगार बनाने के लिए अमरावती (महाराष्ट्र) से 135 सदस्यीय दल को आमंत्रित किया है। यह दल शुक्रवार 7 अक्टूबर को ढोल-ताशे, गाजे-बाजे के साथ माता जी की मूर्ति का भव्य जुलूस रहीमपुरा चौराह से टस्कर में 21 पंडितों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चारणों के साथ मध्याह्न 1 बजे निकलेगा। जुलूस के सामने माता जी की भव्य शोभा यात्रा में रंगोली में निपुण महिला एवं पुरुष जुलूस के मार्ग में विभिन्न आकृतियों द्वारा मुग्गू डालेंगे। तुतारी बजाते हुए 2 सदस्य जुलूस के सामने चलेंगे और बैल बन्डी में नगाड़े बजेंगे। हरियाणा से विशेष रूप से आमंत्रित 7 अघोरी शोभा यात्रा के अंतर्गत मार्ग में अपनी जटाओं में से आग निकालेंगे जो प्रत्यक्षदर्शियों को उनके करतब देखने पर बाध्य कर देगा।

शोभा यात्रा को भव्यता प्रदान करने के लिए बैरिस्टर असदुद्दीन ओवैसी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। वहीं जोएल डेविस डिप्टी कमिश्नर पुलिस पश्चिमी जोन, पी. राधाकृष्ण डिप्टी कमिश्नर पुलिस टास्क फोर्स, सतीश कुमार असिस्टेंट पुलिस कमिश्नर गोशामहल, रवि नुनावत सर्किल इंस्पेक्टर, श्रीमती शशिकला कृष्णा कार्पोरेटर, बोहिनी दर्शन कार्पोरेटर, अशोक सिंह अंगूवाले , आशीष कुमार यादव, जी. मुकेश सिंह लोध श्रीमती परमेश्वरी सिंह लोध आदि सम्माननीय अतिथि रहेंगे। अनिल बॉन्ड, सत्तू सिंह, विष्णु बाहेती, मांगीलाल वर्मा, बंटू भाई, रविंदर सिंह, अशोक चौधरी, सूरज सिंह खलीफा, गणेश सिंह,

जय सिंह आदि भव्य शोभा यात्रा का संचालन करेंगे। भव्य शोभा यात्रा रहीमपुरा चौराह से आरंभ होकर गांधी पुतला, सीतला माता, जुमेरात बाजार, चूड़ी बाजार, बेगम बाजार छतरी, बर्तन बाजार, स्वास्तिक मिर्ची, सिद्धिअंबर बाजार से होते हुए विनायक सागर में मूर्ति विसर्जन के साथ संपन्न होगी। सभी से दोपहर ठीक 1 बजे तक परिवार के शोभा यात्रा में उपस्थित होकर जुलूस को विशाल रूप देने की अपील समिति की ओर से की गई है।

बर्खास्त सीआईए इंचार्ज ने 4 घंटे तक दबाए रखी थी टीनू के फरार होने की सूचना, 2 गर्लफ्रेंड ने की थी गैंगस्टर की मदद

चंडीगढ़, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मशहूर गायक सिद्धू मूसेवाला हत्याकांड के साजिशकर्ता गैंगस्टर दीपक टीनू फरारी मामले में सनसनीखेज खुलासा हुआ है। सूत्रों ने बताया कि बर्खास्त सीआईए इंचार्ज प्रितपाल ने गैंगस्टर टीनू के फरार होने के मामले की सूचना को 4 घंटे तक दबाए रखा था। इसकी सूचना आलाधिकारियों को कई घंटों तक नहीं दी गई थी। इसका परिणाम यह हुआ कि समय रहते इलाके की नाकेबंदी नहीं की जा सकी और टीनू फरार होने के बाद आराम से चलता बना। इसके साथ ही एक और चौंकाने वाली बात सामने आई है। बताया जाता है कि टीनू को भगाने में एक नहीं बल्की उसकी 2 महिला मित्रां ने मदद की थी। नए खुलासे से गैंगस्टर टीनू फरारी मामले में नया मोड़ आने की संभावना है।

भव्य रुप से सम्पन्न हुआ शमी पूजा एवम रावण दहन कार्यक्रम

सिरपुर कागज नगर, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कागज नगर के त्रिशूल पहाड़ पर भव्य रुप से शमी पूजा एवम रावण दहन कार्यक्रम सम्पन्न हुआ इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से जिला एसपी सुरेश कुमार पधारे एवम कोनेरू कृष्णा कोनेरू वंशी डाक्टर पालवीय हरीश राव कागज नगर के डीएसपी भी मौजूद थे। महावीर प्रसाद लोया अरुण अग्रवाल ओमप्रकाश लोया सेठ प्रेम प्रकाश अग्रवाल पवन वलदेवा सत्यनारायण रमेश गौड़ हितेश अग्रवाल एवं सत्यनारायण स्वामी मन्दिर कमेटी एवम दुर्गा माता मंदिर कमेटी के सभी सदस्य मौजूद थे।

राजस्थानी जागृति समिति का पुराने पहनने योग्य वस्त्र संग्रहण शिविर आज से

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी जागृति समिति के तत्वावधान में पहनने योग्य पुराने कपड़ों का संग्रहण शिविर का आयोजन शुक्रवार 7 अक्तूबर को सुबह 10 से रात 8 बजे तक सिद्दिअम्बर बजार स्थित बाहेती भवन में किया जायेगा।

समिति के अध्यक्ष श्रीनिवास सोमानी ने बताया कि इस शिविर में पहनने योग्य साड़ियां, धोती, कुर्ता, पैंट, बुशर्ट, कमीज, जींस पैंट, सलवार सूट, सफारी छोटे-बड़े, लड़के लड़कियों के सभी कपड़े, कंबल, चद्दर, अनाज, घर में उपयोग होने वाली सामग्री आदि तीन दिवसीय शिविर में दिये जा सकते हैं। इन सभी को तेलंगाना के छोटे-छोटे ग्रामीण क्षेत्रों में जरूरतमंद परिवार के सदस्यों को वितरित किये जायेंगे। शिविर का उद्घाटन अग्रवाल समाज तेलंगाना के अध्यक्ष अंजनी कुमार अग्रवाल करेंगे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निर्दोष सोशल सर्विस सोसायटी के अध्यक्ष रामकुमार तिवारी, विशेष अतिथि अग्रवाल समाज अत्तापुर शाखा के अध्यक्ष रामअवतार गुप्ता, अत्तापुर सेंट्रल शाखा के मंत्री विरेन्द्र कुमार अग्रवाल होंगे। शिविर में समिति के मंत्री अशोक हिरावत, संयोजक रिद्धिश जागीरदार, उपाध्यक्ष प्रेमचंद मुणोत, हेमलता शर्मा, कोषाध्यक्ष संजय राठी, सदस्य कमल भट्टड, भगवानदास राठी, बाला प्रसाद लड्ढा, गोविन्द बिरादर, सुरेश तिवारी, नेमीचंद झा, प्रभु व्यास, मनीष सोमाणी, शोभा डागा, बद्रीविशाल तोष्णीवाल सहित अन्य अपना सहयोग प्रदान करेंगे।

भक्तों ने दी मां दुर्गा को भावपूर्ण विदाई

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीन हिल्स रोड, मूसापेट स्थित रेनबो विस्टास रॉक गार्डन में 9 दिनों तक चले उत्सव का दशहरे के दिन प्रतिमा के विसर्जन के साथ समापन हुआ। इस उत्सव में 9 दिनों तक अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। रेनबो विस्टा के निवासियों ने महानवमी के दिन अत्यंत ही मनमोहक रामलीला का मंचीय कार्यक्रम प्रस्तुत किया। उपस्थित दर्शकों ने रामलीला का भरपूर आनंद उठाया। दसवें दिन प्रातः कालीन सभी भक्तगण ने मां दुर्गा की पूजा एवं पुष्पांजलि अर्पित की । तत्पश्चात महिलाओं ने पूर्वी भारत की परंपरा के अनुसार सिंदूर खेला कार्यक्रम आयोजित किया एवं मां दुर्गा से लंबे सुहाग की कामना की। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने काफी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। सायंकाल ढोल नगाड़े एवं रंग बिरंगी लाईट के साथ नृत्य गायन करते हुए दुर्गा मां एवं अन्य प्रतिमाओं की विदाई शोभा यात्रा निकाली । आईडीएल लेक में सभी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

शहबाज शरीफ के लिए राहत

जनरल बाजवा बोले- पाक में राजनीति से दूर रहेगी सेना

इस्लामाबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान के सेना प्रमुख जनरल कमर जावेद बाजवा ने अपने देश को इस बात आश्वासन दिया है कि सशस्त्र बलों ने खुद को राजनीति से दूर कर लिया है। डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, जनरल बाजवा इन दिनों अमेरिका में हैं। उनका दूसरा कार्यकाल नवंबर में समाप्त हो रहा है। उन्होंने इस को छोड़ने का अपना वादा दोहराया और कहा कि वह पहले किए गए वादे को पूरा करेंगे। आको बता दें कि जनरल बाजवा 29 नवंबर को रिटायर हो रहे हैं। 2019 में उन्हें तीन साल के लिए सेवा विस्तार दिया गया था। वाशिंगटन में पाकिस्तान दूतावास में आयोजित लंच के बाद बाजवा ने कहा कि सशस्त्र बलों ने खुद को राजनीति से दूर कर लिया है और वह भी ऐसा करना जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान द्वारा सैन्य विरोधी बयान के बाद यह प्रतिक्रिया दी है। बाजवा छह साल तक पाकिस्तानी सेना के शीर्ष पद पर रहे हैं। उन्हें शुरुआत में 2016 में नियुक्त किया गया था, लेकिन तीन साल के कार्यकाल के बाद 2019 में इमरान खान की तत्कालीन सरकार ने उनकी सेवा को और तीन साल के लिए बढ़ा दिया। सेना प्रमुख की नियुक्ति प्रधानमंत्री का विशेषाधिकार है। नए सेना प्रमुख की आगामी नियुक्ति गलत कारणों से सुर्खियों में है। इमरान खान जब सत्ता में थे तो विपक्ष ने उन पर अपनी पसंद के एक सेना प्रमुख को लाने की कोशिश करने का आरोप लगाया था। जब से उन्होंने सत्ता गंवाई, पाकिस्तान का समीकरण बदल गया है। अब इमरान खान कह रहे हैं कि गठबंधन सरकार अपनी पसंद का एक सेना प्रमुख स्थापित करना चाहती है।

इमरान ने जांच एजेंसी के चीफ को वॉशरूम में करवा दिया था लॉक

मरियम नवाज से जुड़ा है मामला

इस्लामाबाद, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। पाकिस्तान संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) के पूर्व महानिदेशक बशीर मेनन ने उन दावों की पुष्टि की है कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के कहने पर उन्हें वॉशरूम में बंद किया गया था. मेनन ने एक निजी चैनल को दिए इंटरव्यू में हैकर के उस दावे की पुष्टि की है कि उन्हें इमरान खान के कहने पर पीएम हाउस के वॉशरूम में बंद किया गया था. दरअसल एक हैकर ने ट्वीट कर यह दावा किया था. हैकर ने सिलसिलेवार ट्वीट कर मेनन और इमरान खान के बीच हुई बैठक की जानकारी शेयर की थी. हालांकि, उन्होंने बाद में उन ट्वीट को डिलीट कर दिया था. मेनन ने हैकर्स के दावों की पुष्टि करते हुए कहा कि इमरान खान ने पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की नेता मरियम नवाज के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल किया था, जिसे लेकर मैंने आपत्ति जताई थी. मेनन का कहना है कि उन्होंने कड़े शब्दों में इमरान खान के समक्ष अपनी नाराजगी जाहिर की थी. लेकिन इसके बाद इमरान खान के प्रधान सचिव आजम खान ने उनका (मेनन) हाथ पकड़कर उन्हें कमरे से बाहर कर दिया था और इमरान के कहने पर वॉशरूम में बंद कर दिया गया था. बता दें कि महीनेभर से पाकिस्तान प्रधानमंत्री कार्यालय से कई ऑडियो लीक हुए, जिसे लेकर पाकिस्तान में राजनीति गरमाई हुई है. इस मामले की जांच के लिए सरकार ने एक उच्चस्तरीय समिति का गठन किया है. दरअसल पीएम हाउस में हुई बैठकों और बातचीत के ऑडियो लीक होने को लेकर साइबर सुरक्षा सवालों के घेरे में है. पिछले महीने प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और उनके मुख्य सचिव तौकर शाह के बीच की बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर लीक हो गया था, जिससे काफी हंगामा खड़ा हो गया था. वहीं, पिछले हफ्ते ही इमरान खान की अपने पार्टी नेताओं से बातचीत का एक ऑडियो लीक हुआ था. एक अन्य ऑडियो क्लिप में इमरान खान को उनकी सरकार गिराने के लिए कथित विदेशी साजिश के बारे में बात करते सुना जा सकता है.

मैक्सिको में बदमाशों ने की अंधाधुंध फायरिंग

सिटी मेयर समेत 18 की मौत

मैक्सिको, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मैक्सिको में बंदूकधारी बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर 18 लोगों की जान ले ली है। इस वारदात में मैक्सिको सिटी के मेयर की भी मौत हो गई है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया है कि अपराधिक गतिविधियों से जुड़े बदमाशों ने दक्षिण पश्चिम मेक्सिको के सैन मिगुएल तोतोलापन में सिटी हॉल और पास के एक घर पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं, जिसमें कम से कम 18 लोग मारे गए। वहीं तीन अन्य घायल हो गए। घटना की कुछ तस्वीरें भी सामने आई हैं। जिनमें सिटी हॉल की दीवारों पर गोलियों के सैकड़ों निशान नजर आ रहे हैं। हॉल की खिड़कियों के कांच भी टूटे नजर आ रहे हैं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए फुटेज में दिखाई दे रहा है कि कम से कम दस लोगों के शव एक दूसरे के करीब पड़े हुए हैं। पीड़ितों की सही संख्या के बारे में परस्पर विरोधी रिपोर्टें थीं, लेकिन राज्य के अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने पुष्टि की कि 18 लोगों की मौत हुई है। मारे गए लोगों में मेयर कॉनराडो मेंडोज़ा, उनके पिता और पूर्व मेयर जुआन मेंडोजा और शहर के अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हैं। हमले के बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई भी कि लेकिन बंदूकधारी भागने में सफल रहे। इसके बाद पुलिस अब चप्पे- चप्पे पर नाकेबंदी कर आरोपियों को पकड़ने की कोशिश कर रही है, हालांकि अब तक किसी की भी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है। पुलिस इसे सुनियोजित साजिश मान रही है। क्रिमिनल ग्रुप लॉस टकीलेरोस ने सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में बुधवार के हमले की जिम्मेदारी ली, हालांकि स्थानीय अधिकारियों की ओर से तत्काल कोई पुष्टि नहीं की गई थी।

खतरनाक हिमस्खलन यानी 1 अरब किलो बर्फ

उत्तराखंड के हिमस्खलन में 41 लोग लापता, दस की मौत

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड में 18 हजार फीट की ऊंचाई पर स्थित द्रौपदी का डंडा-II की चोटी पर 41 पर्वतारोही हिमस्खलन की चपेट में में आ गए। इनमें से 10 की मौत हो गई। हिमस्खलन क्या होता है, इसकी वजहें, और उत्तराखंड की घटना कैसे हुई।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी जिले में स्थित नेहरू इंस्टीट्यूट ऑफ माउंटेनियरिंग के 41 पर्वतारोही द्रौपदी का डंडा-II पहाड़ पर चढ़ने की ट्रेनिंग ले रहे थे। इनमें से 34 ट्रेनी और 7 इंस्ट्रक्टर थे।

सभी मंगलवार सुबह करीब 4 बजे 5670 मीटर यानी 18 हजार फीट से ज्यादा ऊंचे द्रौपदी पर्वत की चोटी पर पहुंचे थे। वापस लौटते समय सुबह करीब 8 बजकर 45 मिनट पर एक हिमस्खलन की चपेट में आ गए।

इनमें से 10 पर्वतारोहियों के शव बरामद हो चुके हैं और अब तक 14 घायलों को बचाया गया है, जबकि 27 लोग अब भी लापता हैं। हाल ही में केदारनाथ मंदिर के पीछे हिमस्खलन हुआ था, लेकिन इससे मंदिर को कोई नुकसान नहीं पहुंचा था।

बर्फ या पत्थर के पहाड़ की ढलान से तेजी से नीचे गिरने को हिमस्खलन या एवलांच कहते हैं। हिमस्खलन के दौरान, बर्फ, चट्टान, मिट्टी और अन्य चीजें किसी पहाड़ से नीचे की ओर तेजी से फिसलती हैं। हिमस्खलन आमतौर पर तब शुरू होता है जब किसी पहाड़ की ढलान पर मौजूद बर्फ या पत्थर जैसी चीजें उसके आसपास से ढीली हो जाती हैं। इसके बाद ये तेजी से ढलान के नीचे मौजूद और चीजों को इकट्ठा कर नीचे की और गिरने लगती हैं।

चट्टानी हिमस्खलन में बड़े-बड़े चट्टानों के टुकड़े होते हैं।

हिमस्खलनः इनमें बर्फ पाउडर या बड़े-बड़े टुकड़ों के रूप में होती है। ये अक्सर ग्लेशियर या हिमनदी के आसपास होते हैं।

मलबे के हिमस्खलन में पत्थर और मिट्टी समेत कई तरह के मटेरियल होते हैं।

हिमस्खलन मुख्यत दो तरीके से होता है- पहला कई बार पहाड़ों पर पहले से मौजूद बर्फ पर जब हिमपात की वजह से वजन बढ़ता है, तो बर्फ नीचे सरकने लगती है, जिससे हिमस्खलन होता है।

दूसरा-गर्मियों में सूरज की रोशनी यानी गर्मी की वजह से बर्फ पिघलने से हिमस्खलन होता है।

एक बड़े और पूरी तरह से विकसित हिमस्खलन का वजन 10 लाख टन या 1 अरब किलो तक हो सकता है। पहाड़ों से नीचे गिरने के दौरान इसकी स्पीड 120 किलोमीटर प्रति घंटे से 320 किलोमीटर प्रति घंटे से भी ज्यादा हो सकती है।

आमतौर पर हिमस्खलन सर्दियों में होता है और इसके दिसंबर से अप्रैल में होने के आसार ज्यादा रहते हैं।

वेट स्नो एवलांच शुरू में पानी और बर्फ से बने होते हैं। ये काफी खतरनाक हो सकते हैं।

अब तक वैज्ञानिक ये भविष्यवाणी करने में सक्षम नहीं हैं कि हिमस्खलन कब और कहां होगा। वे बस बर्फ के ढेर, तापमान और हवा की कंडीशन से हिमस्खलन के खतरे का अनुमान लगा सकते हैं। बर्फ में स्कीइंग वाले कुछ इलाको में एवलांच कंट्रोल टीमें तैनात होती हैं।

नेशनल जियोग्राफिक की रिपोर्ट के मुताबिक बर्फ में दब जाने के बाद सबसे पहले सांस लेने के लिए कुछ जगह बनाने की कोशिश करें और फिर आसमान की ओर मुक्का मारें, यानी बर्फ की दीवार को तोड़ने की कोशिश करें। एवलांच बेकन या एवलांच ट्रांससिवर एक बड़े मोबाइल जैसी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस होती है। इसे हर पर्वतारोही पहनकर रखता है। हिमस्खलन में किसी के दबने पर उन्हें खोजने वाले इसी डिवाइस को ऑन करके विक्टिम को खोजते हैं।

ऐसा करने से उन्हें दबे हुए व्यक्ति के बीकन से आ रहे सिग्नल से उसकी लोकेशन पता चल जाती है। एवलांच बीकन में 'बीपर' होते हैं, जो एक्टिवेट करने पर लगातार आवाज करने लगते हैं। एवलांच बीकन की मदद से रेस्क्यू करने वाला बर्फ में दबे पीड़ित को 260 फीट से ज्यादा दूरी से लोकेट कर सकता है।

एक ताकतवर हिमस्खलन उसके रास्ते में आने वाले पेड़ों, घरों, बिल्डिंग्स के साथ ही पूरा शहर तबाह कर सकता है और लोगों की जान ले सकता है। इसकी वजह से बिजली सप्लाई भी बाधित हो सकती है। ये रास्ते और रेलवे ट्रैक को ब्लॉक कर सकते हैं।

31 मई 1970 को पत्थरों और बर्फ से बने एक ताकतवर मलबे के हिमस्खलन ने पेरू के यांगे शहर और आसपास के 10 गांवों को तबाह कर दिया था। इस हादसे में 18-20 हजार लोगों की मौत हो गई थी।

फर्स्ट वर्ल्ड वॉर के दौरान आल्प्स के बर्फीले पहाड़ी दर्रों पर लड़ाई के दौरान अलग-अलग हिमस्खलन की घटनाओं में इटली और ऑस्ट्रियन फौज के 60 हजार से ज्यादा जवानों की मौत हो गई थी। इनमें से 10 हजार से ज्यादा जवानों की मौत तो केवल एक ही दिन यानी 13 दिसंबर 1916 को इटली के माउंट मार्मोलादा पहाड़ पर आए हिमस्खलन से हुई थी। ये घटना इतिहास में 'व्हाइट फ्राइडे' के नाम से जानी जाती है।

कुछ दावों के मुताबिक, ये हिमस्खलन प्राकृतिक नहीं था, बल्कि दोनों तरफ की सेनाओं ने एक-दूसरे को दफन करने के लिए कमजोर बर्फीले ढेरों पर गोले दागे थे। तब जहरीली गैसों से ज्यादा सैनिकों की मौत हिमस्खलन से हुई थी।

मार्च 1910 में अमेरिका के वॉशिंगटन के वेलिंगटन कस्बे में 9 दिनों की भारी बर्फबारी की वजह से शहर के डिपो में दो ट्रेनें फंस गई थीं। 1 मार्च 1910 को गरज के साथ हुई तेज बारिश की वजह से हिमस्खलन हुआ।

इसके बाद 14 फीट ऊंची बर्फ की एक दीवार शहर की ओर गिरी और डिपो में खड़ी ट्रेनों से टकराई। इससे ट्रेनें 150 फीट नीचे टाई नदी की घाटी में जा गिरीं। इस घटना में 96 लोगों की मौत हो गई थी। ये अमेरिका के इतिहास में हिमस्खलन से हुई सबसे ज्यादा मौतों की घटना है।

धार्मिक स्थल पर युवक ने किया पेशाब, गुस्साए लोगों ने पुलिस पर फेंके पत्थर, लाठीचार्ज

गिरिडीह, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। शहर के पचम्बा थाना क्षेत्र के तेलोडीह में धार्मिक स्थल में घुसकर एक युवक के पेशाब करने के बाद बवाल शुरू हो गया है। पेशाब करने वाले युवक को वहां के लोगों ने घेरकर बैठा लिया है। जिस कार में युवक वहां गया था, उसे तोड़फोड़ कर क्षतिग्रस्त कर दी गई है। बताया जा रहा है कि दूसरे समुदाय के तीन चार युवक कार से वहां गए। सभी युवक स्थानीय हैं। एक युवक नशे में था, जिसने यह कार्य किया है। मौके पर पहुंचे पुलिस प्रशासनिक अफसरों के समझाने बुझाने के बाद भी बवाल कर रहे लोग शांत नहीं हुए। बड़ी संख्या में पुलिस प्रशासन की मौजूदगी के बाद भी धार्मिक भावनाओं से आहत होने से उग्र हुए लोग पेशाब करने वाले युवक को छोड़ने के लिए राजी नहीं हुए। लोग इतने उग्र थे कि पुलिस के समझाने बुझाने के दौरान उन पर पथराव शुरू कर दिया गया। भीड़ को तितर बितर करने के लिए पुलिस ने भी जमकर लाठियां भांजीं। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस, गिरिडीह एसडीओ विशाल दीप खलको, डी एस पी संजय राणा सहित कई थानों के थानेदार और सैकड़ों की संख्या में पुलिस के जवान तैनात हैं।

धर्म की जयघोष के साथ हुआ हिन्दू संरक्षण समिति का 45वाँ रावन दहन

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हिन्दू संरक्षण समिति भाग्यनगर के तत्वावधान में विजयदशमी महोत्सव के अवसर पर रावन दहन कार्यक्रम का विशाल आयोजन भाग्यनगर के पुराने शहर में कुली क़ुतुब शाह स्टेडियम, सिटी कालेज के पास आयोजित किया गया ।

45वां रावण दहन कार्यक्रम समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में मुख्य अतिथि एनवी श्रावण कुमार (न्यायधीश, तेलंगाना उच्चन्यालय), कविता श्रावण, अतिथि भगवानदास जाजू, मुख्य वक्ता जानकीवल्लभ चौधरी, साई चैतन्य (डी सी पी साउथ जोन) तथा श्री पद्म प्रभु जी महाराज (चैतन्य गौड़ीय मठ) की उपस्तिथि में गगनचूमती रंगारंग आतिश बाजी के साथ आयोजित किया गया ।

कर्मक्रम का सचांलन श्रीमती सरिता अग्रवाल ने किया तथा रावण दहन व रंगारंग आतिशबाजी श्रीमती अंजलि अग्रवाल, राजकमल भट्टड़, तरुण, अनूप अग्रवाल के नेतृत्व में सम्पन हुआ 45वां रावण दहन कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा हरे रामा हरे कृष्णा संकीर्तन जिसे श्री चैतन्य गौड़ीय मठ के संतो व भक्तो ने अपनी मधुर ध्वनि से प्रागण में उपस्तिथ भक्तो को भक्ति के सागर में डुबो दिया कार्यक्रम का शुभारभ आदि शक्ति माँ भगवती, भगवान श्री रामचंद्र जी की पूजन व दीप प्रज्वलन से हुआ ।

तत्पश्चात उपस्थित अतिथियों स्वागत सम्मान किया गया । विजयदशमी महोत्सव में उपस्तिथ भक्तो को सम्भोतित करते हुए माननीय न्यायधीश - एनवी श्रावण कुमार ने भगवान राम के जयकारे के साथ सभी को बुराई पर अच्छाई की जीत का प्रतिक दशहरा पर्व की शुभ कामनाये दी । अवसर पर मुख्य वकता श्री जानकी वलभ चौधरी ने लोगो को अपने नैतिक जीवन में सदाचार का पालन करते हुए भगवान राम की विचार धारा पर चलने का आवाहन किया। डीसीपी साउथ जोन साई चैतन्य ने समिति को 45 वा रावण दहन कार्यक्रम आयोजित करने पर बधाई देते हुए इसी तरह भविष्य में राष्ट्र व धर्म के प्रति समर्पित कार्यक्रम आयोजित करने की शुभ कामनायें दी ।

कार्यक्रम अंत में हिन्दू संरक्षण समिति अध्यक्ष पंकज कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम में प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग करने वाले भक्तो कार्यक्रम के अतिथियों का तथा पुलिस विभाग कुली क़ुतुब शाह स्टेडियम आथोरिटी, ट्रैफिक विभाग व अन्य सभी का साधुवाद करते हुए सभी सम्मानीय अतिथियों को रावण के पुतले के दहन के लिए अग्रसर होने का आग्रह किया तथा भारी वर्षा के कारण हुई असुविधा के लिए सभी लोगों से क्षमा की प्रार्थना की

अवसर पर हिन्दू संरक्षण समिति की सहयोगी संस्था कुम्भ मेला अग्रवाल बंधू तथा अशोक फाउंडेशन द्वारा समाज मे संघटन व धर्म जागरण के उदेश्य से आयोजित किये जा रहे कार्यक्रमों की जानकारी भी दी ।

राहुल गांधी की भारत-जोड़ो यात्रा में छाया समोसा

ईरान से चला तो खुसरो ने खाया, मुगलों की थाली में सजा, फास्ट फूड को पछाड़ा

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। 'आज महफिल कुछ इस तरह सजाते हैं, तुम चाय का बंदोबस्त करो, हम समोसे लेकर आते हैं।'

हर छोटी-बड़ी महफिल की जान समोसा ही तो है। अगर घर में मेहमान आएं तो दौड़कर बाजार से सबसे पहले समोसे ही मंगवाए जाते हैं। शाम होते ही चाय की चुस्की के साथ हरी और लाल चटनी में लिपटे समोसे को याद कर मुंह में पानी आने लगता है।

बॉलीवुड की फिल्म 'मिस्टर एंड मिसेज खिलाड़ी' में तो अक्षय कुमार ने जूही चावल को यह तक कह दिया था, 'जब तक रहेगा समोसे में आलू, तब तक रहूंगा मैं तेरा शालू।'

हाल ही में समोसे का फिर से जिक्र छिड़ा है।

राहुल गांधी इन दिनों 'भारत जोड़ो यात्रा' पर निकले हुए हैं। 150 दिनों तक चलने वाली इस यात्रा के तहत राहुल गांधी 19 दिन तक केरल के हर कोने में गए। अब वह कर्नाटक पहुंच गए हैं। लेकिन केरल में पार्टी नेताओं से उनकी 'समोसे वाली गप-शप' का वीडियो वायरल है।

इस वीडियो में राहुल गांधी 'हाफ वेज और हाफ नॉनवेज समोसे' के बारे में एक किस्सा सुना रहे हैं। राहुल ने कहा कि उन्होंने पहली बार 'हाफ वेज और हाफ नॉनवेज' फूड आइटम का जिक्र सुना। लेकिन समोसा असल में 'नॉनवेज बिरादरी' का ही फूड आइटम है जो ईरान से भारत आया और यहां पहुंचकर उसने हलवाइयों के साथ कुछ ऐसा जुगाड़ बिठाया कि समोसा वेज हो गया।

आगे बढ़ने से पहले पोल के जरिए हमें बताएं आपको कितने पसंद हैं समोसे?

पहली बार समोसे का जिक्र एक फारसी कविता में मिला

समोसे की पैदाइश मध्य एशिया में मानी जाती है। इसका सबसे पहले जिक्र 9वीं शताब्दी में फारसी कवि और संगीतकार 'इशाक-अल-मौसिली' की कविता में मिला। उन्होंने समोसा यानी 'सनबुसज' की खूब तारीफ की थी।

कविता के अनुसार ईरान में बसे तुर्की गजनवी राजवंश साम्राज्य में इसे चाव से खाया जाता था। 10वीं-13वीं शताब्दी में अरबी में लिखी गई एक कुकरी बुक में इसे बनाने की रेसिपी मिली।

समोसे के लिए इसमें सनबुसक, सनबुसाक, और सनबुसज शब्दों का इस्तेमाल किया गया जो फारसी शब्द सनबोसाग से निकले थे।

16वीं शताब्दी तक समोसा ईरान में तो तेजी से मशहूर हुआ, लेकिन इसकी शोहरत उसके कुछ प्रांतों तक ही सीमित थी। इस बात का जिक्र ईरान के इतिहासकार अबुलफजल बेयहाकी (995–1077) ने अपनी किताब 'तारीख-ए-बेहाघी' में किया।

आगे बढ़ने से पहले फूड डिलीवरी कंपनी 'स्विगी' की सर्वे रिपोर्ट पर एक नजर डालते हैं। यह रिपोर्ट सिर्फ एक कंपनी की है, लेकिन सोचिए पूरे देशभर में रोज कितने समोसे खाए जाते होंगेः

कभी भी वेजिटेरियन नहीं था समोसा

तो समोसा कैसे भारत पहुंचा, इसके पीछे कई तर्क हैं। कहा जाता है कि 13वीं या 14वीं शताब्दी में सेंट्रल एशिया और मिडिल ईस्ट के बावर्ची जो दिल्ली सल्तनत की शाही रसोई में काम करते थे उनके जरिए 'सामसा' यानी समोसा भारत पहुंचा। दिल्ली सल्तनत में शाही कवि अमीर खुसरो ने सन 1300 के आसपास लिखा कि 'शहंशाह गोश्त, घी, प्याज के समोसे बहुत शौक से खाते थे।'

वहीं, 14वीं शताब्दी के मशहूर यात्री इब्नबतूता के अनुसार मोहम्मद बिन तुगलक गोश्त, बादाम, पिस्ता, अखरोट और मसालों से भरा समोसा रात के खाने (पुलाव) से पहले खाना पसंद करते थे।

16वीं शताब्दी में अबुल फजल की किताब 'आइने अकबरी' में ईरानी समोसे को बनाने की रेसिपी का जिक्र है। इसमें लिखा गया कि हिंदुस्तान के लोग इसे 'सनबूशाह' कहते हैं। इतिहासकारों के अनुसार अकबर भी इसके मुरीद थे।

कुछ इतिहासकार यह भी मानते हैं कि 2 हजार साल पहले आर्यों ने इसे अफगानिस्तान के रास्ते भारत पहुंचाया। वहीं कुछ मानते हैं कि मिस्र में पहली बार समोसा बनाया गया।

आगे बढ़ने से पहले आपको ग्राफिक्स में बताते हैं किस राज्य में समोसे को क्या बोला जाता हैः

समोसे तिकोने क्यों होते हैं?

ऐसा माना जाता है कि शुरुआती दिनों में समोसे को पिरामिड की शेप दी गई। फारसी में समोसे को समबूसा कहा जाता है जिसका मतलब त्रिकोण होता है।

त्योहारों में पहले से बनते आ रहे हैं तिकोने आकार के पकवान

दिल्ली विश्वविद्यालय में प्राचीन भारतीय इतिहास के प्रोफेसर अमरजीव लोचन बताते हैं कि भले ही समोसे के बारे में कहा जाता हो कि यह विदेश से आया, लेकिन भारतीय पकवानों पर गौर करेंगे तो पाएंगे कि तीज त्योहारों में बहुत पहले से ही तिकोने आकार के पकवान बनाए जा रहे थे। छठ पूजा में कुछ मिठाई वैसी ही बनती थीं। वहीं, बनारस में बनने वाले फरे या भकोसा कुछ उसी तरह के आकार के बनते हैं लेकिन एकदम तिकोने नहीं होते।

समोसे को तिकोना आकार किसने दिया, इसका कोई प्रमाण नहीं है लेकिन इसका वैज्ञानिक आधार है। जब आप किसी खाने की चीज को तिकोना आकार देकर तलते हैं तो वह जलता नहीं है। तिकोने आकार की चीज को पकड़ने में आसानी होती है

पुर्तगाल से आया आलू बन गया समोसे का दोस्त

सिर्फ भारत में ही समोसे में आलू ठूंसे हुए मिलते हैं। जिसे हर राज्य के लोग खूब शौक से खाते हैं। बिहार और पश्चिम बंगाल में समोसे को 'सिंघाड़ा' कहा जाता है क्योंकि यह सिंघाड़े के फल जैसे आकार का होता है। लेकिन भारत में तो आलू उगता नहीं था। इसकी खेती केवल दक्षिण अमेरिका में होती थी। भारत में आलू पुर्तगालियों के जरिए पहुंचा, जब उन्होंने गोवा पर कब्जा किया था। पुर्तगाल में समोसे को 'चामूचास' कहते हैं।

लेकिन समोसे में आलू भारतीयों ने ही भरे।

समोसे की दीवानी पूरी दुनिया है। शायद यही वजह है कि अब हर साल 'वर्ल्ड समोसा डे' मनाया जाने लगा हैः

भारतीयों ने समोसे में भरा आलू

प्रोफेसर अमरजीव लोचन कहते हैं कि आलू भरकर समोसा बनाने का एक्सपेरिमेंट भारत में ही हुआ। आज भी दुनिया के किसी देश में समोसे के अंदर आलू नहीं मिलेगा, लेकिन जहां-जहां भारतीय पहुंचे, वहां समोसे में आलू नजर आने लगा। मॉरीशस, फिजी, सिंगापुर और मलेशिया जैसे देशों में आपको आलू भरा समोसा खाने को मिलेगा।

मॉरीशस में आपको समोसे की जगह 'समूसा' मिलेगा। इसका कारण यह है कि पूर्वांचल से लोग रोजगार की तलाश में वहां गए थे। उन्होंने वहां समोसे का स्वाद पहुंचाया और इसमें आलू और मटर भरे जाने लगे। वहां पहुंचे लोगों के लिए यह पेट भरने का सहारा बना। उनके लिए 'समूसा' समूचा खाना था।

अटल बिहारी वाजपेयी थे समोसे के दीवाने

कौन नहीं जानता भारत के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी खाने के बेहद शौकीन थे। चांदनी चौक के पराठे हो या जलेबी, वह स्वाद चखकर पहचान जाते थे। वह आगरा से थे। जब भी वह प्रतापपुरा जाते तो समोसे खाए बिना वहां से नहीं लौटते।

अटल बिहारी वाजपेयी खाने के साथ-साथ खिलाने पर भी यकीन करते थे। उनकी मेहमान नवाजी के चर्चे दूर-दूर तक थे। जब भी ऑल इंडिया कांग्रेस कमिटी हेडक्वॉर्टर में जाते तो चांदनी चौक से समोसे और जलेबी जरूर मंगवाते थे।

साल 2020 में जब दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी, तब ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री रहे स्कॉट मोरिसन समोसे यानी स्कोमोसा बनाते दिखे।

उन्होंने इसका वीडियो ट्विटर पर शेयर किया और नरेंद्र मोदी को टैग कर लिखा कि 'यह शाकाहारी है। मैं इसे आपके साथ शेयर करना चाहूंगा।'

शिवासाई गार्डन स्थित श्री राजस्थानी मित्र मंडल चकरीपुरम-नागारम द्वारा सॉतवें नवरात्रि महोत्सव में एक शाम मॉ भवानी के नाम जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए सोनु शिसोदिया। इस अवसर पर अतिथियों का सम्मान कर दर्शन, भजनों व महाप्रसादी का लाभ लेते हुए मित्र मंडल के पदाधिकारी, सदस्य व भक्तगण।

धम्माईगुडा स्थित भवानी फंक्शन हॉल में राजस्थानी मित्र मंडल द्वारा नवरात्रि महोत्सव के पावन अवसर पर आयोजित जागरण में भजन प्रस्तुत करते हुए कमल राणा नागौर, राजेश शर्मा, अर्जुनसिंह, रविन्द्रसिंह राजपुरोहित। सम्मानित अतिथि पूनाराम हाम्बड़, सतपाल ढाढिया, गजेन्द्रसिंह निम्बोल, गुलाबसिंह, विजयसिंह राजपुरोहित, नारायणसिंह निमाज, हनुमान छिंणग, गज्जुभाई कोलरिया, दुलीचन्द, कैलाश शर्मा का सम्मानकर दर्शन, भजनों व प्रसाद का लाभ लेते हुए अध्यक्ष सोहनसिंह राजपुरोहित, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

गुजरात चुनाव तक अटकी राजनीतिक नियुक्तियां

14 यूआईटी और 3 प्राधिकरण को स्थाई चेयरमैन का इंतजार

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में सीएम की कुर्सी को लेकर चल रहे झगड़े ने कांग्रेस के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं की उम्मीदों को झटका दिया है। पिछले दो सप्ताह में अशोक गहलोत और सचिन पायलट गुट के बीच संघर्ष चरम पर आ पहुंचा है। ऐसे में प्रदेशभर की यूआईटी, प्राधिकरण और अन्य राजनीतिक नियुक्तियों की उम्मीद कर रहे नेताओं को झटका लगा है।

राजस्थान में हालिया हालातों को देखते हुए यह मुश्किल लगता है कि यूआईटी या प्राधिकरणों में जल्द नियुक्तियां हो। ऐसे में यह माना जा रहा है कि ये नियुक्तियां अब गुजरात चुनाव तक होने की संभावनाएं नहीं हैं। इससे कई नेताओं की उम्मीदों को झटका लगेगा जो यह मान रहे थे कि कम से कम सरकार के सवा साल रहते उनकी इन पदों पर नियुक्ति हो सकती है।

प्रदेशभर की यूआईटी और प्राधिकरण के चेयरमैन पद इसलिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि ये किसी भी जिले के राजस्व और विकास से जुड़ी सबसे महत्वपूर्ण संस्थाएं होती हैं। यही वजह है कि बड़े-बड़े नेता इन पदों की लाइन में होते हैं। वर्तमान सरकार में भी प्राधिकरण और यूआईटी के लिए पूर्व मंत्री, विधायक और डिस्ट्रिक्ट कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष जैसे लोग भी दावेदार हैं।

राजस्थान में 14 यूआईटी और 3 प्राधिकरण हैं। इनमें जयपुर, जोधपुर और अजमेर विकास प्राधिकरण शामिल हैं। इसके अलावा पिछले बजट में उदयपुर को भी प्राधिकरण बनाने की घोषणा की गई थी। मगर उसकी प्रक्रिया पूरी नहीं हुई है। राजस्थान में कांग्रेस सरकार बनने के बाद से इनमें चेयरमैन के पद खाली हैं। यहां कलेक्टर या संबंधित अधिकारी ही इन पदों को अतिरिक्त जिम्मेदारी के रूप में संभाल रहे हैं। कुछ जगहों पर सरकार ने प्रशासक भी लगाए हैं। हालांकि जयपुर विधायक प्राधिकरण में चेयरमैन नहीं लगाने का ट्रेंड रहा है। यहां यूडीएच मंत्री ही चेयरमैन होते हैं।

पूर्व मंत्री-विधायक जैसे लोग भी रेस में

राजस्थान के अलग-अलग प्राधिकरण और यूआईटी में चेयरमैन पद पर नियुक्त होने के लिए कई महत्वपूर्ण नेता दावेदार हैं। अजमेर विकास प्राधिकरण में किशनगढ़ विधायक सुरेश टांक, राजकुमार जयपाल, दीपक असनानी जैसे कई नेता दावेदार हैं। वहीं जोधपुर विकास प्राधिकरण में रामेश्वर दाधीच, अय्यूब खान दावेदारी कर हैं। इसी तरह यूआईटी कोटा में रविंद्र त्यागी, शिवकांत नंदवाना और जफर मोहम्मद दावेदारी कर रहे हैं। इसी तरह उदयपुर यूआईटी के लिए पूर्व मंत्री भी दावेदार हैं। इसके अलावा कांग्रेस के निवर्तमान शहर जिलाध्यक्ष गोपाल शर्मा, उदयपुर जिलाध्यक्ष लालसिंह झाला, पंकज शर्मा, विधायक चुनाव लड़ चुके दिनेश श्रीमाली जैसे लोग दावेदारी कर रहे हैं। वहीं यूआईटी बीकानेर में पिछले विधानसभा चुनाव में दो बार जिनका टिकट कटा यशपाल गहलोत, मकसूद अहमद, सुशील थिरानी दावेदारी कर रहे हैं। इसी तरह यूआईटी अलवर के लिए भी कठ्ठुमर विधायक बाबूलाल बैरवा और उनके पुत्र भी दावेदारी कर रहे हैं। वहीं अनिल जैन और अजय अग्रवाल भी दावेदार हैं।

नेताओं में मायूसी : एक साल ही बचेगा

कांग्रेस में निगम और बोर्ड में राजनीतिक नियुक्तियां भी इसी साल फरवरी में की गई थी। वहीं कई नियुक्तियां अब भी नहीं होने से नेताओं और कार्यकर्ताओं में मायूसी है। उनका मानना है कि अगर गुजरात चुनाव तक यह नियुक्तियां खिंचती हैं तो सिर्फ एक साल ही बचेगा।

भाजपा-कांग्रेस की कलह के बीच आप का नया प्लान

राजस्थान में ताकत बढ़ाएंगे केजरीवाल तीसरा विकल्प बनने की जुगत में

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में भाजपा-कांग्रेस के नेताओं में वर्चस्व की लड़ाई और दोनों पार्टियों में खेमेबंदी के बीच आम आदमी पार्टी अपनी जड़ें जमाने की तैयारी में जुट गई है। कांग्रेस में सत्ता की लड़ाई जहां सबके सामने है, वहीं बीजेपी में भी अंदरखाने संघर्ष जारी है।

ऐसे में आपसी गुटबाजी के इस संघर्ष को आम आदमी पार्टी एक सुनहरे मौके की तरह देख रही है। यही वजह है कि पिछले दिनों कांग्रेस में सामने आए गहलोत-पायलट के संघर्ष के बाद आम आदमी पार्टी ने खुद को राजस्थान में और ज्यादा सक्रिय कर लिया है।

आम आदमी पार्टी इसी महीने राजस्थान में अपने संगठन का विस्तार करने जा रही है। अगले एक-दो सप्ताह में राजस्थान में आम आदमी पार्टी कार्यकारिणी का गठन करेगी। इसके लिए 7 अक्टूबर को एक समीक्षा बैठक होने जा रही है।

समीक्षा बैठक में सदस्यता अभियान और पिछले 6 महीने में संयोजकों ने जो काम किया उसका एनालिसिस होगा। परफॉर्मेंस के आधार पर राजस्थान में संगठन का विस्तार किया जाएगा।

राजस्थान में आप पार्टी के प्रदेश प्रभारी विनय मिश्रा ने कहा कि पिछले दिनों कांग्रेस में गुटबाजी साफ तौर पर सामने आ गई। इसके बाद हमें राजस्थान से काफी फोन आने लगे हैं। हमारे सोशल मीडिया अकाउंट्स पर फॉलोअर्स भी तेजी से बढ़े हैं।

इस वक्त बीजेपी और कांग्रेस दोनों में बड़ी संख्या में लीडरशिप को लेकर भारी संघर्ष की स्थिति है। इसलिए लोगों को दिख रहा है कि कांग्रेस-बीजेपी में अब भविष्य नहीं बचा है। ऐसे में लोग हमारी पार्टी की तरफ रुख कर रहे हैं।

मिश्रा ने कहा कि गुजरात चुनाव के बाद आम आदमी पार्टी का फोकस राजस्थान पर ही होगा। साल 2023 में जिन राज्यों में चुनाव होने हैं। उनमें हमारा फोकस राजस्थान पर सबसे ज्यादा है। उसका बड़ा कारण है यहां नेताओं के बीच सत्ता की लड़ाई।

हम इसी तरह से काम कर रहे हैं कि इनकी आपसी लड़ाई में हमें फायदा मिले। साथ ही वहां दोनों पार्टियों से परेशान हो चुका वोटर अब आप में विकल्प ढूंढ रहा है। गुजरात चुनाव के बाद पार्टी की पूरी टीम राजस्थान में लग जाएगी।

फिलहाल आम आदमी पार्टी ने राजस्थान में बीकानेर और उदयपुर संभाग पर फोकस किया है। इसमें बीकानेर, हनुमानगढ़, गंगानगर जैसे जिले प्रमुख हैं।

6 युवकों की मौत

मूर्ति विसर्जन के बाद मस्ती करने लगे दोस्तों के सामने डूबने लगा

अजमेर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मूर्ति विसर्जन के दौरान 6 युवकों की मौत से पहले का लाइव वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में साफ नजर आ रहा है कि कैसे एक युवक को बचाने गए बाकी 5 युवक भी एक के बाद एक डूबते गए। हादसे के बाद मौके पर चीख पुकार मच गई थी। मामला बुधवार को अजमेर जिले के नसीराबाद के पास का है।

जानकारी के अनुसार मूर्ति विसर्जन के लिए नंदा जी की ढाणी से 25 ग्रामीण बुधवार दोपहर करीब 3.30 बजे नांदला के पास पानी से भरे गड्ढे पर पहुंचे थे। माता की मूर्ति का विसर्जन किया। इस माता की मूर्ति लेकर पवन, राहुल, लकी, राहुल, गजेंद्र और शंकर अपने कुछ दोस्तों के साथ माताजी की मूर्ति लेकर पानी से भरे गड्ढे में उतरे थे। धीरे-धीर वे आगे बढ़े। इस दौरान 6 दोस्त साथ में ही थे। विसर्जन के बाद यह पानी में ही मस्ती करने लगे। इस बीच एक युवक तैरता हुए गहरे पानी में उतर गया। अचानक वह डूबने लगा तो चिल्लाया। इस दौरान वहां मौजूद 5 युवक भी उसे बचाने गहरे पानी में उतर गए और डूबने से उनकी भी मौत हो गई। इसी हादसे से पहले वहां मौजूद एक ग्रामीण वीडियो बना रहा था, जिसमें यह सारी घटना कैद हो गई।

नांदला सरपंच मानसिंह रावत ने बताया कि चार साल पहले मूर्ति विसर्जन के दौरान यहीं पर एक व्यक्ति की डूबने से मौत हो गई थी। इन गड्डों को भरने के लिए मौके पर पहुंचे जिला कलेक्टर अंशदीप से भी मांग की है। आस पास में बने इन गड्डों को जल्द ही भरवाया जाएगा, ताकि कोई हादसा नहीं हो।

यूपी सीएम योगी आदित्यनाथ पहुंचे विराटनगर

बोले संत कर्म करते हैं, फल की चिंता नहीं करते हैं

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर के विराटनगर पहुंचे उत्तरप्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ. इस दौरान सीएम योगी ने पंचखण्ड पीठ में आचार्य धर्मेंद्र के देवलोकगमन के बाद आचार्य सोमेंद्र की चादरपोशी व संत समागम कार्यक्रम में शिरकत की. सीएम योगी विराटनगर हेलीकॉप्टर से पहुंचे थे.

कार्यक्रम में सीकर सांसद सुमेधानंद, अलवर सांसद बालकनाथ, अलवर-रामगढ़ के पूर्व विधायक ज्ञानदेव आहूजा, विराटनगर के पूर्व विधायक फूलचंद भिंडा, अलवर पूर्व यू आई टी देवीसिंह, रानी रत्नाकुमारी समेत कई जनप्रतिनिधि व संतों ने हिस्सा लिया.

सीएम योगी ने आचार्य सोमेंद्र की चादरपोशी की तथा उन्हें संत परंपरा के निर्वहन व आगे बढाने की बात कही. सीएम योगी ने अपने उद्बोधन में कहा कि पंचखण्ड पीठ का सनातन हिन्दू धर्म व विराट हिन्दू समाज की रक्षा के लिए योगदान रहा है. आचार्य धर्मेंद्र ने राम मंदिर व गौरक्षा के लिए बड़े आंदोलन किए थे, उनका गौरख पीठ से तीन पीढ़ियों का संबंध रहा है. आचार्य धर्मेंद ने विश्व हिंदू परिषद के नेतृत्व में राम मंदिर आंदोलन को धार दी थी, जब देश का विभाजन हुआ तो संतों द्वारा किए गए विरोध में इस पीठ की बड़ी भूमिका रही है.

इस अवसर पर योगी आदित्यनाथ ने कहा कि संत कर्म करते है, फल की चिंता नहीं करते हैं. पीएम नरेंद्र मोदी ने राम मंदिर के निर्माण के कार्य को आगे बढ़ाया है. आचार्य धर्मेंद्र के सनातन धर्म के लिए किया गया योगदान सदैव हमारे बीच जीवंत रहेगा. पंच खण्ड पीठ की 13वीं पीढ़ी के बाद आज 14वीं पीढ़ी की चादर पोशी की गई है. इससे पहले 13 पीढ़ियों ने पंच खण्ड पीठ की व्यवस्था का निर्वाह किया था. वहीं सीएम योगी विराटनगर के पंचखण्ड पीठ आश्रम में करीब आधे घण्टे तक रुके. योगी ने आचार्य सोमेंद्र की चादरपोशी कर अपना सम्बोधन दिया जिसके बाद वे सीधे हेलीकॉप्टर से जयपुर निकल गये. इस दौरान योगी आदित्यनाथ को देखने आस-पास के लोगों की भारी भीड़ उमड़ पडी. सीएम योगी आदित्यनाथ के कार्यक्रम को देखते हुए पुलिस व्यवस्था भी चाक चौबंद नजर आयी।

बजट और इन्वेस्टमेन्ट समिट में जुटी ब्यूरोक्रेसी

ब्यूरोक्रेसी में लौटा विश्वास, सचिवालय में आई काम-काज में फिर से तेजी

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। यूं तो ब्यूरोक्रेसी के लिए माना जाता है कि वो राजनीतिक उठापटक से दूर ही रहती है, लेकिन यह केवल किताबी बातें हैं। राजनीतिक घटनाक्रम का सबसे पहला असर ब्यूरोक्रेसी के चेहरे पर ही दिखाई देता है। अक्सर हर सरकार में कुछ अफसरों को सरकार और मुख्यमंत्री के बेहद करीब माना जाता है और कुछ अफसरों को बहुत दूर।

ब्यूरोक्रेसी और राजनीतिक लीडरशिप के बीच गहरे सम्बंध होते ही हैं। 25 सितम्बर को 92 विधायकों द्वारा इस्तीफे सौंपने की जो घटना हुई तो ब्यूरोक्रेसी के चेहरे पर तनाव साफ दिखने लगा था। सचिवालय में सन्नाटा व्याप्त था और आला अफसर सामान्य फाइलों के अलावा किसी महत्वपूर्ण मुद्दे पर काम नहीं कर रहे थे, लेकिन अब मुख्यमंत्री अशोक गहलोत की बॉडी लैंग्वेज के बदलने और सहज होने से माहौल बदल चुका है। ब्यूरोक्रेसी एक बार फिर से तेज गति से काम कर रही है। सचिवालय में रौनक लौट आई है और आला अफसर कामकाज में जुट चुके हैं।

कुछ सीनियर आईएएस अफसरों से जब भास्कर ने इस विषय पर बातचीत की तो उनका यही कहना था कि राजनीतिक नेतृत्व अंततः ब्यूरोक्रेसी का बॉस होता ही है। मुख्यमंत्री उस बॉस के रूप में प्रमुख चेहरा होते हैं। इस पद पर बैठे राजनेता के आने-जाने, बदलने, बनने, रहने की कोई हलचल होती है, तो उसका असर ब्यूरोक्रेसी के माइंडसेट, कार्यशैली, गति, दिशा निर्देश आदि पर पड़े बिना नहीं रहता है। आला अफसरों का कहना है कि कोई भी राजनीतिक नेतृत्व अगर अस्थिर मांइडसेट में हो तो वो इन्वेस्टमेन्ट समिट, बजट, नए जिलों जैसे बड़े कार्यों पर ध्यान केनद्रित नहीं करता है, लेकिन राजस्थान में ऐसा नहीं है। अभी ब्यूरोक्रेसी को इन्हीं चीजों पर काम करने के निर्देश मिले हैं। यह बात अब बहुत साफ हो चुकी है कि राज्य में कोई राजनीतिक अस्थिरता अब नहीं है, अन्यथा मुख्यमंत्री के स्तर पर अगला बजट तय समय से एक महीना पहले ही पेश करने जैसी गंभीर बात नहीं कही जाती।

विधायक ने कहा- गहलोत सरकार की दोहरी राजनीति

ईमानदारी से काम कर रहे अधिकारी बन रहे 'बलि का बकरा'

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान में बीजेपी विधायक रामलाल शर्मा ने गहलोत सरकार पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा, प्रदेश में कांग्रेस की सरकार रहते हुए जो भी मामले होते हैं। उन मामलों में अधिकारियों की बिना जांच किए सजा देने का काम किया जाता है। प्रदेश में कई ऐसे मामले हुए, जिसमें अधिकारियों का कोई दोष नहीं था। फिर भी उन्हें बलि का बकरा बनाया गया।

विधायक रामलाल ने कुछ मामलों का जिक्र करते हुए बताया, गोपालगढ़ कांड में अधिकारियों की बिना गलती के ही उन्हें सजा मिली। जयपुर में अधिवक्ताओं के आंदोलन में भी अधिकारियों को बलि का बकरा बनाया गया। वहीं, टोंक जिले के निवाई में डिप्टी एसपी और एसएचओ को सजा मिली। इस मामले में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रास्ता जाम किया। इसमें रास्ता रोकने के लिए प्रोत्साहित करने वाले कांग्रेसी कार्यकर्ताओं को खुश करने के लिए प्रदेश सरकार ने अधिकारियों को बलि का बकरा बनाया।

विधायक ने कहा, अपने कर्तव्यों को ईमानदारी से निभाते हुए अधिकारी अपना काम नहीं करेंगे तो आने वाले समय में अराजकता का माहौल बनेगा। राजस्थान में पहले से ही कानून व्यवस्था बिगड़ी हुई है। कुछ अधिकारी ऐसे हैं, जो कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए काम करते हैं। उन अधिकारियों का मनोबल अगर इसी तरीके से गिरता है तो मुझे लगता है कि राजस्थान के अंदर आने वाले समय में कोई भी अधिकारी रिस्क लेने का काम नहीं करेगा। आवश्यकता इस बात की है कि गुनहगार को सजा मिले और हकदार को सम्मान मिले। इस प्राकृतिक न्याय के सिद्धांत के ऊपर सरकार काम करेगी तो अधिकारियों का मनोबल बना रहेगा।

हमारी किसी से दुश्मनी नहीं

भीलवाड़ा में बोले अशोक गहलोत - बेरोजगारी के नाम पर राजस्थान को बदनाम करना गलत

भीलवाड़ा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत से कहा है कि प्रदेश में जनता का फिर आशीर्वाद मिला और कांग्रेस सरकार रिपीट हुई तो राजस्थान विकास में इतिहास रचेगा। अशोक गहलोत भीलवाड़ा जिले के रायपुर में कैलाश त्रिवेदी की मूर्ति अनावरण एवं 220 केवी जीएसएस भूमि पूजन कार्यक्रम के बाद लोगों को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि हम चाहते है कि सरकार रिपीट हो और विकास में राजस्थान अग्रणीय बने। उन्होंने कहा कि हमारी किसी से दुश्मनी नहीं है, हम सभी से प्यार करते हैं चाहे आप हमारी आलोचना करो हम उसका भी स्वागत करेंगे। उन्होंने रायपुर में कैलाश त्रिवेदी के नाम से स्टेडियम बनाने की घोषणा करते हुए कहा कि जो भी मांगे आज रखी गई है वह सभी पूरी की जाएगी। उन्होंने स्टेडियम के लिए कहा कि उसकी डीपीआर बनाकर प्रस्ताव भिजवायें। उन्होंने ने कहा कि विकास के लिए धन की कोई कमी नहीं है। आप मांगते-मांगते थक जायेंगे पर मैं देते-देते नहीं थकूंगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि कैलाश त्रिवेदी ने लोगों से रिश्ते ही नहीं बनाये बल्कि क्षेत्र में विकास की गंगा भी बहाई। यही कारण है कि लोग आज उन्हें याद करते है। उन्होंने कहा कि शहरों में गरीबों के लिए राज्य सरकार ने एक योजना शुरू की है। उन्होंने कहा कि यह योजना देश के लिए शहीद होने वाली पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नाम रखी गई हैं। इंदिरा गांधी शहरी रोजगार योजना में तीस तरह के काम दिए गए है। उन्होंने चिरंजीवी योजना की चर्चा करते हुए कहा कि यह लोगों के साथ परिवार के लिए सम्बल भी बन रही है।

गहलोत ने कहा कि चित्तौडगढ़ में मूर्ति विसर्जन के दौरान तीन बच्चों की डूबने से मौत हुई है। उनके परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये की आर्थिक सहायता दी गई है। गहलोत ने रायपुर-सहाड़ा क्षेत्र में लाभान्वित हुए लोगों के नामों की भी चर्चा की और कहा कि गरीबों को इसका लाभ मिल रहा है चाहे डायलिसीस हो, सिटी स्केन या हार्ट जैसी बीमारियां हो सभी का निशुल्क ईलाज हो रहा है और इनका ऑपरेशन किया जा रहा है।बेरोजगारी की चर्चा करते हुए गहलोत ने कहा कि प्रदेश में सरकार ने इस कार्यकाल में युवाओं को तीन लाख 55 हजार सरकारी नौकरियां दी गई है। अगर सरकार फिर रिपीट होती है तो और नौकरियां देंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि पांचवें बजट में और नौकरियों की घोषणा की जाएगी।

राजस्थान के लोगों को फिर सताने लगी गर्मी और उमस, लगातार बढ़ने लगा तापमान

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। मौसम बदलने के साथ ही एक बार फिर से गर्मी और उमस ने लोगों को सताना शुरू कर दिया है. करीब तीन दिनों की राहत के बाद बीते 24 घंटों में एक बार फिर से दिन और रात के तापमान में हल्की बढ़ोतरी होने के साथ ही हल्की गर्मी ने लोगों को परेशान किया. बीते 24 घंटों में दिन और रात के तापमान में करीब 1 से 2 डिग्री तक बढ़ोतरी दर्ज की गई.

बीते 24 घंटों में श्रीगंगानगर में 39.6 डिग्री के साथ सबसे गर्म दिन दर्ज किया गया, तो वहीं 20 जिलों में एक बार फिर से दिन का तापमान 20 डिग्री के पार दर्ज किया गया. साथ ही, करीब आधा दर्जन जिलों में दिन का तापमान 38 डिग्री के पार दर्ज किया गया. दिन के साथ ही रात के तापमान में बढ़ोतरी होने के साथ लोगों को उमस सताने लगी है. बीती रात करीब सभी जिलों में रात का तापमान 23 डिग्री के पार दर्ज किया गया. मौसम विभाग के अनुसार, आज प्रदेश के करीब सभी जिलों में मौसम पूरी तरह से शुष्क बना रहने की संभावना है, लेकिन अगले 24 घंटों के बाद एक नया सिस्टम सक्रिय होने के साथ ही दर्जनभर जिलों में मौसम में बदलाव होने की संभावना मौसम विभाग ने जताई है. इस दौरान बारां, भरतपुर, दौसा, धौलपुर, झालावाड़, करौली, कोटा, सवाईमाधोपुर, टोंक और उदयपुर में अगले चार दिनों तक मेघगर्जन के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना भी मौसम विभाग ने जताई है।

मकान ढहने से 1 मजदूर की मौत, 3 घायल

हाईवे को चौड़ा करने के लिए तोड़ रहे थे मकान, अचानक पिलर टूटने से ढहा

जोधपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। हाईवे को चौड़ा करने के लिए चल रहे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई के दौरान अचानक एक मकान ढह गया। इस दौरान काम कर रहे चार लोग दब गए। इनमें से एक की मौत हो गई, जबकि तीन जने घायल हो गए। घायलों में से एक को फ्रैक्चर हुआ है जबकि शेष दो को हल्की चोटें आई हैं। घटना जोधपुर के भोपालगढ़ की सुबह करीब 11 बजे की है।

जानकारी के अनुसार हाईवे को चौड़ा करने के बाद इसके दोनों और नाले और फुटपाथ का काम करवाया जाना है। इसके लिए यहां बने मकानों व दुकानों के लिए संबंधित मालिकों को पीडब्ल्यूडी ने मुआवजा दे दिया था। उसी के तहत कुछ लोग अपनी दुकानें व मकान तुड़वा रहे थे। गुरुवार सवेरे बस स्टैंड के समीप काम के दौरान अचानक एक मकान ढह गया और वहां काम कर रहे चार श्रमिक अंदर दब गए। लोगों ने तुरंत ही तीन को तो क्रेन की मदद से बाहर निकाल लिया, लेकिन एक श्रमिक जितेंद्र मेघवाल (20) पुत्र पप्पूराम मेघवाल निवासी असावरी अंदर फंस गया। कुछ देर बाद उसे भी निकालकर अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। घायलों का भोपालगढ़ के उप जिला अस्पताल में इलाज चल रहा है।

सूचना के बाद भोपालगढ़ थानाधिकारी गिरधारी राम कड़वासरा मौके पर पहुंचे। उन्होंने पूरे मामले की जानकारी ली। अभी तक मामले में कोई रिपोर्ट दर्ज नहीं हुई है।

2 महीने पहले पीडब्ल्यूडी ने दिया था मकान हटाने का नोटिस

स्टेट हाइवे की जद में मकान व दुकानें आ रही थी। इसको लेकर PWD ने दो महीने पहले नोटिस दिए थे, वहीं इसका मुवावजा भी दे दिया गया। पिछले 10 दिनों से मकान व दुकान हटाने का कार्य चल रहा है। वहीं गुरुवार को हुए हादसे में जितेंद्र की दबने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 3 श्रमिक घायल हो गए।

परिवार में सबसे बड़ा था जितेंद्र, तीन छोटे भाई

जितेंद्र परिवार में सबसे बड़ा था। उसके तीन छोटे भाई हैं, जो पढ़ाई कर रहें हैं। पिता भी मजूदरी का काम करते हैं। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण पिता के साथ जितेंद्र भी परिवार की जिम्मेदारी संभाल रहा था।

विगत 50 वर्षों से रामायण मेले का आयोजन अपने आपमें एक विशाल कार्य : बंडारू

नुमाईश मैदान में रामायण मेला हर्षोल्लास से संपन्न

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राजस्थानी प्रगति समाज एवं प्रदर्शनी दशहरा सम्मेलन समिति द्वारा आयोजित 50वां रामायण मेला नुमाईश मैदान में हर्षोल्लास पूर्वक सम्पन्न हुआ। रामायण मेले के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल एवं मंत्री व प्रधान संयोजक गोविन्द राठी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार 50वें रामायण मेला के मुख्य अतिथि हरियाणा के राज्यपाल बन्डारू दत्तात्रेय द्वारा श्री भगवान राम के तिलक एवं आरती कर श्रीराम जी का राज्याभिषेक किया गया। घंटों तक छोडी आतिशबाजी के मध्य रावन, मेघनाथ, कुंभकर्ण के विशाल पुतालों का दहन भारी वर्षा के होते हुए भी हुआ। रामायण मेले के प्रधान संयोजक ने जैसे ही रावन दहन की घोषणा की प्रदर्शनी प्रांगण में गगन भेदी जयकार से गुंज उठा, राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल ने अपने संदेश में सभी को दशहरा की शुभकामनाएं प्रदान की और भव्य राम मंदिर का निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में होने जा रहा है। मुख्य अतिथि बन्डारू दत्तात्रेय ने राजस्थानी प्रगति समाज की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह के कार्य विगत 50 वर्षों से किया जा रहा है, जो अपने आपमें एक विशाल कार्य है।

एक्जिबिशन सोसाईटी के उपाध्यक्ष अश्विन एवं मंत्री साईनाथ दयाकर शास्त्री ने राजस्थानी प्रगति समाज के अध्यक्ष कमलनारायण अग्रवाल एवं प्रधान संयोजक एवं मंत्री गोविन्द राठी का सम्मान किया। एसिपि आबिडस जोन के वेंकट रेड्डी को स्मृति चिन्ह द्वारा स्वागत किया। इस अवसर पर एक्सिबिशन सोसाईटी के उपाध्यक्ष अश्विन मार्गम एवं मंत्री साईनाथ दयाकर शास्त्री, ब्रिज गोपाल भूतडा, डॉ. मोहन गुप्ता, नारायण गुप्ता, केशव शर्म, जिग्नेश दोशी, किरण तायब, डॉ. अनिता, सुधीर, एके वाजपेई, महेन्द्र कुमार ब्यास, श्रीनिवास सोनी, बाबुगुरु, चांदमलता के. सदानंद, हरिकिशन ओझा, पुरुषोतम शर्मा, हीराभाई, अविनाश देवडा, मुकेश सोनी का शाल द्वारा कमलनारायण अग्रवाल, गिरधारी लाल डागा, मनोज जयसवाल एवं सुनीत राठी ने किया। तेलंगना सांस्कृतिक विभाग द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पपर कलावती जाजू, नंदगोपाल भट्टड, मनोज जयसवाल, सुमीत राठी, गिधरधारी लाल डागा, रामदेव नागला, शकुन्तला नावन्दर, पवन कुमार घनश्याम तोषनिवाल उपस्थित रहे। अंत में कार्यक्रम की सफलता पर हर्ष जताते हुए प्रधान संयोजक गोविन्द राठी ने सभी विभागों के साथ-साथ राजस्थानी प्रगति समाज के सभी पदाधिकारी एवं रामायण मेला के सदस्यों को धन्यवाद दिया।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए यातायात में प्रतिबंध

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राचकोंडा पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर दुर्गा प्रतिमाओं के विसर्जन के मद्देनजर एडवाइजरी जारी की है। कुछ क्षेत्रों में गुरुवार शाम छह बजे से विसर्जन प्रक्रिया पूरी होने तक यातायात में बदलाव रहेगा। पुलिस ने लोगों को मार्गों से बचने और वैकल्पिक मार्ग अपनाने की सलाह दी। सरूरनगर टैंकबंड पर वाहनों की अनुमति नहीं है और उन्हें वैकल्पिक मार्ग लेना होगा। शिव गंगा थिएटर से खरमनघाट चौराहे की ओर यातायात को पी एंड टी कॉलोनी और शारदा थिएटर मार्ग से जाने की सलाह दी जाती है और सरूरनगर बस स्टैंड से शिव गंगा थिएटर और सैदाबाद की ओर वाहन हुडा जंक्शन के माध्यम से वीएम होम मार्ग से जा सकते हैं।

सागर रोड, मांडा मल्लम्मा जंक्शन और अब्दुल्लापुरमेट जंक्शन पर मध्यम यातायात की भीड़ की उम्मीद है और आरजीआई हवाई अड्डे पर जाने वालों को हवाई अड्डे तक पहुंचने के लिए वैकल्पिक मार्ग लेने का सुझाव दिया गया है। मोटर चालकों को उप्पल से रामंथपुर रोड और विशाल मार्ट से उप्पल से बचने की सलाह दी गई। वारंगल राजमार्ग पर उप्पल जंक्शन की ओर यातायात को एचएमडीए उप्पल भाग्यथ में बाएं मुड़ने और नागोले पुल पर यू टर्न लेने और उप्पल मेट्रो-हब्सीगुडा जंक्शन-तरनाका के माध्यम से सिकंदराबाद की ओर बढ़ने का सुझाव दिया गया है। ईसीआईएल रोड से नचाराम, मल्लापुर रोड से उप्पल जंक्शन की ओर यातायात एनएफसी, मानिकचंद चौरास्थ, बोडुप्पल, पीरजादिगुडा और उप्पल से होकर जा सकता है। विनायकनगर और आनंदबाग से भारी वाहनों और आरटीसी बसों को सफिलगुडा की ओर जाने की अनुमति नहीं होगी। मोटर चालकों को उत्तम नगर, आर.के. पुरम, एओसी, नेरेडमेट और विनायकनगर, संतोषीमाथा मंदिर मार्ग अपनाना होगा।

नेरेडमेट से यातायात को सफिलगुडा की ओर जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी और जो लोग आनंदबाग की ओर जाने के इच्छुक हैं, वे संतोषीमाथा मंदिर, पूर्वी आनंदबाग से होकर जा सकते हैं। आनंदबाग से सफिलगुडा की ओर यातायात की अनुमति नहीं होगी और नेरेडमेट की ओर जाने वाले लोग उत्तम नगर, एओसी, नेरेडमेट मार्ग से मार्ग ले सकते हैं।

बीआरएस भाजपा की बी टीम : वीएच

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस पार्टी के दिग्गज नेता वी. हनुमंत राव ने आज आरोप लगाया कि सीएम केसीआर की नई घोषित राष्ट्रीय पार्टी, भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) प्रतिद्वंद्वी भाजपा की बी-टीम है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि केसीआर राज्य में भाजपा के साथ छलपूर्ण लड़ाई कर रहे हैं और कहा कि भाजपा के खिलाफ केसीआर की टिप्पणियों के पीछे कोई सच्चाई नहीं है। शहर में मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, उन्होंने भविष्यवाणी की कि देश में कोई भी राजनीतिक दल राष्ट्रीय स्तर पर केसीआर को समर्थन नहीं देगा। उन्होंने आरोप लगाया कि केसीआर तेलंगाना में कमाए गए पैसे को पूरे देश में खर्च करने की योजना बना रहे हैं। टीआरएस पार्टी के नेताओं की टिप्पणियों का उल्लेख करते हुए कि पूरा देश उनके नेतृत्व की प्रतीक्षा कर रहा है, वीएच ने कहा कि टिप्पणियां हास्यास्पद हैं और कहा कि सत्तारूढ़ दल के नेता केसीआर को खुश करने के लिए अतिरंजित बयान दे रहे हैं। यह देखते हुए कि सीएम देश के किसानों के बारे में बात कर रहे हैं, उन्होंने आरोप लगाया कि अपने ही राज्य तेलंगाना के किसानों की कभी परवाह नहीं की। उन्होंने कहा कि केसीआर का किसानों के हाथ बेड़ियों से बांधने का इतिहास रहा है। उन्होंने दावा किया कि केसीआर ने अपने व्यक्तिगत विकास के लिए अपना राष्ट्रीय संगठन बनाया है, न कि देश के विकास के लिए।

सीपी ने पदक जीतने वाले पुलिसकर्मियों की सराहना की

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हाल ही में संपन्न अखिल भारतीय पुलिस खेल प्रतियोगिता-2022 में पदक जीतने वाले शहर पुलिस आयुक्तालय के पुलिसकर्मियों ने नगर पुलिस आयुक्त सीवी आनंद से टीएसपीआईसीसीसी में उनके कार्यालय में मुलाकात की। शहर पुलिस के 5 पुलिस अधिकारियों की टीम ने तलवारबाजी में 3 रजत और 2 कांस्य पदक जीते। जी. अंबिका, डब्ल्यूएसआई बंजारा हिल्स और बी प्रणीता, डब्ल्यूएसआई चारमीनार पीएस ने तलवारबाजी में कांस्य पदक जीता और कांस्टेबल एस.आर.अर्जुन आनंद, पुंजागुट्टा पीएस, जी. ओंकर्णध, सीसीएस, के.सतीश कुमार, चिक्कडपल्ली पीएस ने तलवारबाजी में रजत पदक जीता। सीपी आनंद ने पुलिसकर्मियों के पदक जीतने के प्रयासों की सराहना की।

फलकनुमा में कब्रिस्तान में देखा गया अजगर

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के फलकनुमा में एक कब्रिस्तान में छह फीट के अजगर का रेंगते हुए एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। विशाल भारी शरीर वाले गैर विषैले सांप को स्थानीय लोगों ने देखा, जिन्होंने इसे मोबाइल फोन का उपयोग करके फिल्माया था। यह कथित तौर पर कादरी चमन कब्रिस्तान में पाया गया था। वीडियो में अजगर को यार्ड में स्थित एक कब्र से दूसरी कब्र पर जाते देखा जा सकता है। सरीसृप ने स्थानीय लोगों में दहशत पैदा कर दी, जिन्होंने वन विभाग से अजगर का पता लगाने का अनुरोध किया क्योंकि कई बच्चे नियमित रूप से इमली लेने के लिए कब्रिस्तान जाते हैं।

दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के दौरान हिमायतसागर में डूबा युवक

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। एक दुखद घटना में, एक 23 वर्षीय व्यक्ति बुधवार रात दुर्गा की मूर्ति को विसर्जित करने के लिए हिमायतसागर में डूब गया। पुलिस के अनुसार राजेंद्रनगर निवासी श्रीकांत बीती रात अपने दोस्तों के साथ दुर्गा प्रतिमा विसर्जन के लिए हिमायतसागर गया था। हालांकि, वह फिसल गया और जलाशय में डूब गया। उसके दोस्तों ने उसे बचाने की कोशिश की लेकिन कोई फायदा नहीं हुआ। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और विशेषज्ञ तैराकों की मदद से शव को जलाशय से निकालने का प्रयास कर रही है।

नाबालिग लड़की द्वारा आत्महत्या किए जाने पर महिला आयोग सख्त

श्री सत्यसाई जिला, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश महिला आयोग ने श्री सत्यसाई जिले में तेदेपा नेता के उत्पीड़न के कारण एक नाबालिग लड़की द्वारा आत्महत्या किए जाने पर अत्यधिक रोष व्यक्त किया है। महिला आयोग की अध्यक्ष वासिरेड्डी पद्मा ने कहा कि अगर चंद्रबाबू ने टीडीपी नेताओं को बताया होता कि विजयवाड़ा में विनोद जैन की घटना पहले हुई थी, तो ऐसी घटना नहीं होती। उन्होंने कहा कि ऐसी घटनाओं में चंद्रबाबू की प्रतिक्रिया अच्छी नहीं थी और चंद्रबाबू के ऐसे नेताओं के पीछे हटने के कारण बार-बार उत्पीड़न की घटनाएं हो रही हैं। इस तरह की घटनाओं को महिला आयोग गंभीरता से लेगी और टीडीपी नेताओं को सबक सिखाया जाना चाहिए। हालांकि, टीडीपी तेलुगु महिला विंग की राज्य अध्यक्ष वंगलपुडी अनीता ने वासिरेड्डी पद्मा की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। यह आरोप लगाया गया था कि अध्यक्ष महिला आयोग का उपयोग राजनीतिक उद्देश्यों और राजनीतिक आलोचना के लिए कर रही हैं।

रेनबो विस्टस रॉक गार्डन के भक्तों ने दी मां दुर्गा को भावपूर्ण विदाई

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रीन हिल्स रोड, मूसापेट स्थित रेनबो विस्टास रॉक गार्डन में नवरात्रों के 9 दिनों तक चले उत्सव का आज दशहरे के दिन मां दुर्गा की प्रतिमा के विसर्जन के साथ समापन हुआ। इस उत्सव में 9 दिनों तक अनेक प्रकार के सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। रेनबो विस्टा के निवासियों ने महानवमी के दिन अत्यंत ही मनमोहक रामलीला का मंचीय कार्यक्रम प्रस्तुत किया। वहां उपस्थित दर्शकों ने रामलीला का भरपूर आनंद उठाया। कलाकारों के अभिनय की खुब प्रशंसा हुई। दसवें दिन प्रातः कालीन सभी भक्तगण ने मां दुर्गा की पूजा एवं पुष्पांजलि अर्पित की। तत्पश्चात महिलाओं ने पूर्वी भारत की परंपरा के अनुसार सिंदूर खेला कार्यक्रम आयोजित किया एवं मां दुर्गा से लंबे सुहाग की कामना की। इस कार्यक्रम में महिलाओं ने काफी उत्साह के साथ हिस्सा लिया। सांयकाल ढोल नगाड़े एवं रंग बिरंगी लाईट के साथ नृत्य गायन करते हुए दुर्गा मां एवं अन्य प्रतिमाओं की विदाई शोभा यात्रा निकाली। आईडीएल लेक में सभी प्रतिमाओं का विसर्जन किया गया।

सरकार कार्ड धारक के प्रत्येक सदस्य को 10 किलो मुफ्त चावल प्रदान करती है

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य सरकार ने गुरुवार को राज्य भर में 90.01 लाख कार्डधारकों के प्रत्येक लाभार्थी को 10 किलोग्राम चावल का मुफ्त वितरण तत्काल प्रभाव से करने का निर्णय लिया। गुरुवार को यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार, नागरिक आपूर्ति मंत्री गंगुला कमलाकर ने कहा कि कुल 90.01 लाख कार्ड धारक हैं, जिनमें तेलंगाना में 283.42 लाख लोग लाभार्थी हैं।

मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव द्वारा कार्ड धारकों के प्रत्येक लाभार्थी को 10 किलो मुफ्त चावल की आपूर्ति करने के निर्णय के बाद, नागरिक आपूर्ति विभाग ने संबंधित अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से सुविधा का विस्तार करने का निर्देश दिया और यह सुविधा दिसंबर तक जारी रहेगी।

नामपल्ली प्रदर्शनी मैदान मेंअलाई बलाई दशहरा सम्मेलन में भाग लेते हुए बीजेपी गोलकुंडा महासचिव रघु, एनआर लक्ष्मण राव, रमेश व्यास, रमेश यादव और अन्य।

दशहरे के अवसर पर रामकोट स्थित माताजी के मंदिर में दर्शन वंउन करते हुए महेश बैंक के चेयरमैन रमेशकुमार बंग, सुलतान बाजार के पुलिस इंस्पेक्टर ए. नागा गंगारेड्डी, रामकिशोर राठी, संपत कांकाणी व अन्य।

विजय दशमी के अवसर पर अल्टी एटम अनाथाश्रम में भाजन वितरित किया गया। इस अवसर पर उपस्थित हैं उत्तर भारती नागरिक संघ के अध्यक्ष एनके सिंह, मनोहर सिंह, नंद किशोर सिंह, अमरजीत सिंह, सूरज सिंह, आदित्य सिंह और अन्य।

बिहार सहयोग समिति का दुर्गा पूजा कार्यक्रम भव्यता से संपन्न

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बिहार सहयोग समिति की 39वीं दुर्गा पूजा इंदिरा नेहरू नगर मलकाजगीरी में बिनय कुमार यादव की अध्यक्षता में संपन हुई। समिति के सभी कार्यकर्ताओं ने माता की पूजा बहुत धुमधाम से मनाई। समाज के ममता द्वारा बच्चों एवं बच्चीयों ने डांस प्रोग्राम किया गया, तो माधवी यादव द्वार डांडिया खेला गया, तो अमित गुप्ता और सुरज यादव ने जागरण करा कर सबको झुमने पर मजबूर कर दिया। विसर्जन के दिन जैन्त यादव, सागर भगत, मनोज यादव, पंकज यादव द्वारा विसर्जन में तरह तरह की झांकी का इंतजाम किये गए। पुजा में गौतम नगर पार्षद रामू यादव, मल्काजगिरी पार्षद श्रवण गौड, विनायक नगर पार्षद राजलक्ष्मी, बिजेपी के श्रीनिवास मुदिराज. मरवाडी समाज से मदन लाल रावल, अब्दुल रहमान, अनील श्रीवास्तव, बिहार सेवा संघ के चेयरमैन राजु ओझा, भोजपुर समाज के अध्यक्ष वकिल मिश्र, नारायन ओझा और आये हुए सभी भक्तों का स्वागत बिहार सहयोग समिति के पदाधिकारियों द्वारा किया गया।

राकेश जायसवाल युवा सेना द्वारा आयोजित रक्तदान शिविर में कई युवाओं ने रक्तदान किया। इस अवसर पर जामबाग पार्षद राकेश जायसवाल का विशेष सम्मान किया गया। उपस्थित हैं अध्यक्ष गोलकुंडा जिला पांडु यादव, शिव गुट्टेदार, रेणुका, कल्पना, स्वेता, रंजीता, राजू यादव, अशोक, रवि व अन्य।

आल इंडिया ओल्ड टेम्पल रीनोवेशन ट्रस्ट द्वारा जोगीपेट से आगे स्थित रेगोडु गांव में जैन मंदिर जीर्णोद्धार कार्य हेतु आयोजित भूमि पूजन कार्य में उपस्थित भामाशाह जसमतभाई पटेल, कमलेश महाराज। साथ में हैं ट्रस्ट के चेयरमैन आर.के. जैन, रिद्धीश जागीरदार, मुकेश चौहान, तरूण महेता, राजेश जैन, परमेश्वरी शर्मा, मेघना जैन एवं अन्य ।

दशहरे के अवसर पर केंटोनमेंट विस के विधायक जी. सायन्ना से मुलाकात कर शुभकामना देते हुए सिकंदराबाद व बोइनपल्ली मार्केट यार्ड के चेयरमैन ए. गौतम जैन, श्रीनिवास, निवेदिता, सदानंद गौड़, मधुकर व अन्य।

आसिबाबाद में धूमधाम से मनाया गया दशहरा

आसिफाबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। बुधवार को कुमरम भीम आसिफाबाद में अधर्म पर धर्म की जीत का प्रतीक विजयादशमी का त्योहार बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। हर साल की भांति इस बार भी दशहरे के दिन नगर स्थित केसलापुर हनुमान मंदिर के पास में रावण का पुतला दहन किया गया। पुतला दहन देखने के लिए मैदान में हजारों लोग मौजूद थे। बुधवार को सुबह तड़के ही विजयादशमी को लेकर बच्चों में उत्साह दिखाई दे रहा था। जिला सनातन धर्म सभा, हिन्दू वाहिनी के लोग स्टेडियम पहुंचकर रावण के पुतले को खड़ा करने में जुट गए थे। कार्यक्रम से पहले आसिफा बाद हनुमान मंदिर कमेटी के सदस्य और टीआरएस के नेता मल्लेश ने मां दुर्गा की पूजा की और सांप्रदायिक प्रकार जम्मी चेट्टू (सोने का पेड़) की पूजा की और उनके पत्ते तोड़कर लोगों को देकर दशहरा पर्व की शुभकामनाएं दी।

सिकंदराबाद डीवी कॉलोनी स्थित पीडी जाखोटिया के निवास पर आयोजित रमचरितमानस का अखण्ड रामायण पाठ में उपस्तित समाजसेवी गोपाल बल्दवा, बजरंग शर्मा, जुगल शर्मा, बद्रीविशाल मूंदड़ा, पवन परतनी व अन्य।

विमेंस एशिया कप में बड़ा उलटफेर

थाईलैंड ने पाकिस्तान को चार विकेट से हराया; इस टूर्नामेंट में पहली जीत

सिलहट, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। बांग्लादेश में खेले जा रहे विमेंस एशिया कप में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। आईसीसी रैंकिंग में 13वें नंबर की टीम थाईलैंड ने वर्ल्ड नंबर-5 पाकिस्तान को चार विकेट से हरा दिया है। उसने विमेंस टी-20 इंटरनेशनल में पहली बार पाकिस्तान को हराया है।

यह थाईलैंड की एशिया कप-2022 में पहली जीत है। टीम पहले सीजन से इस टूर्नामेंट में हिस्सा ले रही है।

उसने पहले तो पाकिस्तान को 116/5 रनों पर रोका। उसके बाद जीत के लिए जरूरी 117 रन छह विकेट खोकर बना डाले। टीम की ओर से सबसे ज्यादा रन नत्थाकन चैंथम ने बनाए। उन्होंने 51 गेंद पर 61 रन की पारी खेली।

चाईवाई-चैंथम के बीच 42 रन की पार्टनरशिप

सिलहट में पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। टीम ने 25 रन पर पहला विकेट गंवाया। यहां मुनीबा अली 15 रन बनाकर आउट हुईं। दूसरी ओर से सिद्रा आमीन (56) टिकी रहीं और अर्धशतक पूरा किया। शेष बल्लेबाज खास प्रदर्शन नहीं कर सकीं।

थाईलैंड को सधी शुरुआत दिलाई। 40 रन के टीम स्कोर पर कोंचरोएनकाई आउट हुईं। चैंथम ने कप्तान एन. चाईवाई (17) के साथ 42 रन जोड़े।

टीम इंडिया जीत की हैट्रिक के साथ टॉप पर

प्लेयर ऑफ द मैच चैंथम

रन : 61 । गेंद : 51 । स्ट्राइक रेट : 119.60 । 4/6 : 5/2

थाईलैंड की ओर से सोरनरिन टिपोच को 2 विकेट मिले। जवाब ओपनर चैंथम-नन्नापत कोंचरोएनकाई (13) ने थाईलैंड की टीम 2 अंक लेकर पॉइंट टेबल के 5वें नंबर पर है, जबकि पाकिस्तान 4 अंक के साथ दूसरे नंबर पर है। वहीं, टीम इंडिया अपने तीनों शुरुआती मैच जीतकर टेबल की टॉप पोजिशन पर है।

क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ थाईलैंड (सीएटी) 1995 से इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) की एफिलिएट मेंबर है। उसकी महिला क्रिकेट टीम को साल 2005 में आईसीसी की एसोसिएट मेंबरशिप मिली थी। इसी साल सीएटी को स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ थाईलैंड से मान्यता मिली और एसोसिएशन का दर्जा दिया गया। थाईलैंड महिला क्रिकेट टीम ने अपना पहला मैच एसीसी वुमन क्रिकेट टूर्नामेंट 2007 में जोहर बहरू में खेला था। थाईलैंड महिला क्रिकेट टीम ने पहला वनडे इंटरनेशनल 2017 में वर्ल्ड कप में खेला था। वहीं, पहला टी-20 इंटरनेशनल 2018 में पाकिस्तान में खेला था।

रहकीम कॉर्नवाल का टी-20 में दोहरा शतक

205 रन बनाए, 17 चौके और 22 छक्के जमाए

अटलांटा, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। टी-20 क्रिकेट की पहली डबल सेंचुरी देखने को मिली। यह कारनामा किया है वेस्टइंडीज के बल्लेबाज रहकीम कॉर्नवाल ने।

29 साल के रहकीम ने अटलांटा ओपन टी20 लीग में अटलांटा फायर की ओर से 43 गेंदों में 17 चौके और 22 छक्कों की मदद से 205 रन बनाए। ये वही रहकीम हैं जिन्होंने आज से 3 साल पहले भारत के खिलाफ वेस्टइंडीज के लिए डेब्यू किया था और अपने मोटापे के कारण चर्चा में आए थे। तब उनका वजन 140 KG था। 6.6 फीट लंबे बैटर रहकीम की पारी की बदौलत अटलांटा फायर ने 172 रनों की जीत दर्ज की।

अटलांटा फायर ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में एक विकेट पर 326 रन बनाए। रहकीम के अलावा स्टीवन टेलर ने 18 गेंदों पर 5 छक्के और 5 चौके की मदद से 53 रनों की पारी खेली, जबकि समी असलम ने 29 गेंदों पर 53 रन बनाए। 327 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए स्क्वायर ड्राइव के बल्लेबाज तय 20 ओवर में 8 विकेट पर 154 रन ही बना सके। यशवंत बालाजी ने 38 और वरुण साई मंथा ने 36 रनों की पारी खेली।

आखिरी गेंद पर छक्का जमाकर पूरा किया दोहरा शतक

रहकीम ने पारी की आखिरी गेंद पर छक्का जमाकर दोहरा शतक पूरा किया। इससे पहले उन्होंने 43 गेंदों पर शतक पूरा किया था। रहकीम ने वेस्टइंडीज के लिए सिर्फ एक टेस्ट खेला है। वे वेस्टइंडीज के टी20 लीग और घरेलू क्रिकेट में खेलते नजर आते हैं।

खुद को बताया था 360 डिग्री खिलाड़ी

रहकीम ने कुछ दिनों पहले कहा था कि वे 360 डिग्री खिलाड़ी हैं। वे हिटिंग की प्रैक्टिस नहीं करते हैं। यह उनके प्राकृतिक रूप से है। अभी तक उन्होंने 66 टी20 मैच खेले हैं, जिसमें 147.49 की स्ट्राइक रेट से 1146 रन बनाए हैं।

नंबर वन बनने से चूके सूर्यकुमार यादव

आईसीसी टी-20 बैटिंग रैंकिंग में रिजवान टॉप पर बरकरार, रोहित-कोहली फिसले

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। सूर्यकुमार यादव टी-20 में बैटिंग में नंबर वन बनने से चूक गए हैं। मोहम्मद रिजवान टॉप पर बरकरार हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने बुधवार को टी-20 की वर्ल्ड रैंकिंग जारी की है। सूर्या बैटिंग रैंकिंग में दूसरे से पहले स्थान के लिए रिजवान से पिछड़ गए हैं। हालांकि दोनों के बीच अंकों के अंतर में कमी आई है। एक हफ्ते पहले जारी रैंकिंग में उनके बीच 60 अंकों का अंतर था, जो अब 16 अंकों का रह गया है।

मोहम्मद रिजवान के 854 पॉइंट, जबकि सूर्या 838 अंकों के साथ दूसरे और 801 पॉइंट के साथ बाबर आजम तीसरे स्थान पर हैं। वहीं विराट कोहली और रोहित शर्मा को रैंकिंग में नुकसान उठाना पड़ा है।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ अखिरी मैच में बनाए केवल 6 रन अगर सूर्यकुमार साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी-20 मैच में अच्छी बल्लेबाजी करते तो वह रिजवान को पीछे छोड़ सकते थे। इंदौर में खेले गए आखिरी टी-20 में उन्होंने 6 गेंदों का सामना कर 8 रन बनाए। वहीं अगर ओवरऑल सीरीज की बात की जाए तो सूर्या ने 3 मैचों में 59.50 की औसत से 119 रन बनाए हैं। इसमें दो हाफ सेंचुरी भी शामिल है। उनका स्ट्राइक रेट 195.08 रहा।

मोहम्मद रिजवान ने इंग्लैंड के खिलाफ खत्म हुए 6 टी-20 मैचों की घरेलू सीरीज में 316 रन बनाए हैं। जिसमें 5 अर्धशतक शामिल हैं। वहीं इस साल बात की जाए तो उन्होंने 13 मैचों में 56.36 की औसत से 620 रन बनाए हैं। उनका स्ट्राइक रेट 127.57 का रहा है।

वहीं टी-20 रैंकिंग में भारतीय ओपनर केएल राहुल को फायदा हुआ है। वह सात स्थान के फायदे के साथ 14वें नंबर पर पहुंच गए हैं। उनके अलावा विराट कोहली और रोहित शर्मा को नुकसान उठाना पड़ा है। वहीं साउथ अफ्रीका के बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक आठ स्थान के फायदे के साथ 12वें, रिली रोसू 23 स्थान की बढ़त के साथ 20वें स्थान पर जबकि डेविड मिलर 10 स्थान की बढ़त के साथ 29वें नंबर पर काबिज हो गए हैं।

साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी-20 सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं रहे हार्दिक पंड्या को रैंकिंग में एक स्थान का नुकसान हुआ है और वह अब खिसककर पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं।

गंभीर के इंडिया कैपिटल्स ने जीती लीजेंड्स क्रिकेट लीग

फाइनल में बुरी तरह हारे पठान के किंग्स; रॉस टेलर ने खेली धुंआधार पारी

जयपुर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जयपुर स्टेडियम में आज लीजेंड्स लीग का समापन हुआ। इंडिया कैपिटल्स और भीलवाड़ा किंग्स के बीच हुए मुकाबले में गौतम गंभीर की टीम का पलड़ा भारी पड़ा। टीम ने यह मुकाबला 104 रनों से जीता। पहले खेलते हुए इंडिया कैपिटल्स ने 20 ओवर में 211 रन बनाए। इंडिया कैपिटल्स को शुरूआती झटके लगने के बाद रॉस टेलर ने 41 गेंद में 82 रन की धुआंधार पारी खेलते हुए मैच का रुख बदल दिया। मिचेल जॉनसन ने भी 35 गेंद पर 62 रनों की तेज-तर्रार पारी खेली। इसके बाद एश्ले नर्स के ताबड़तोड़ 42 रनों की बदौलत टीम 211 का बड़ा स्कोर खड़ा कर पाई।

भीलवाड़ा किंग्स की टीम मुकाबले में कहीं भी नजर नहीं आई। कैपिटल्स के गेंदबाजों ने खूब दमखम दिखाया। कैपिटल्स के बॉलर पंकज सिंह, प्रवीण तांबे और पवन सुयाल ने 2-2 विकेट लिए। इसके अलावा जॉनसन, प्लंकेट व रजत भाटिया को एक-एक विकेट मिला।

जयपुर के किक्रेट लवर्स को भीलवाड़ा किंग्स के पठान बंधुओं और शेन वाटसन से बड़ी पारी की उम्मीद थी। लेकिन टीम के दिग्गज खिलाड़ियों ने निराश किया। भीलवाड़ा की तरफ से कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। शेन वाटसन 27 रन बनाकर हाईस्कोरर रहे।

भीलवाड़ा की टीम ने 76 के स्कोर से 87 तक पहुंचने में 5 विकेट गंवा दिए। महज 11 रनों के अंतराल में विकटों का यह पतझड़ टीम की हार की वजह बन गया।

इससे पहले 211 रनों का पीछा करने उतरी भीलवाड़ा किंग्स की टीम को शुरुआती खराब रही। शुरूआती 6 ओवर में ही 3 विकेट गंवाने पड़े। 12 ओवर होते-होते 3 और विकेट चले गए। जिसके बाद 17 ओवर बाद टीम का स्कोर 104 रन पर 9 विकेट पर पहुंच गया था। भीलवाड़ा के बल्लेबाजों ने आज फैन्स को खासा निराश किया।

भीलवाड़ा किंग्स की पारी मे तीसरे ओवर में मोर्ने वानविक महज 5 रन बनाकर, जबकि चौथे ओवर मे विलियम पोर्टरफील्ड 12 रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद शेन वाटसन का साथ देने के लिए यूसुफ पठान मैदान पर आए। महज 6 रन बनाकर

पठान भी आउट हो गए। 9 ओवर में भीलवाड़ा किंग्स की टीम 67 रन के स्कोर पर पहुंची।

जयपुर के किक्रेट लवर्स को भीलवाड़ा किंग्स के पठान बंधुओं और शेन वाटसन से बड़ी पारी की उम्मीद थी। लेकिन टीम के दिग्गज खिलाड़ियों ने निराश किया। भीलवाड़ा की तरफ से कोई भी खिलाड़ी बड़ी पारी नहीं खेल पाया। शेन वाटसन 27 रन बनाकर हाईस्कोरर रहे।

इससे पहले बुधवार की रात इंडिया कैपिटल को शुरुआती झटकों से उबारते हुए रॉस टेलर ने तूफानी पारी खेली। उन्होंने भीलवाड़ा किंग्स के युसूफ पठान के एक ओवर में 4 छक्के और 1 चौके की मदद से 30 रन जड़ दिए। मैच के 16वें ओवर में रॉस 82 रन बनाकर आउट हो गए। भीलवाड़ा किंग्स की और से सबसे ज्यादा 4 विकेट स्पिनर राहुल शर्मा ने लिए।

वहीं प्रवीण गुप्ता ने 4 और नर्से शानदार 43 रनों की पारी खेल इंडिया कैपिटल्स का स्कोर 211 रनों पर पंहुचा दिया। वहीं, लंच ब्रेक के मैच फिर से शुरू हुआ। इस दौरान अचानक एक फ्लड लाइट बंद होने पर मैच रोक दिया गया।

आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ में भारतीय खिलाड़ियों का जलवा

आईसीसी ने जारी की लिस्ट; हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और अक्षर पटेल हुए नॉमिनेट

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर और उप कप्तान स्मृति मंधाना को सितंबर महीने में शानदार प्रदर्शन करने के लिए आईसीसी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए नॉमिनेट किया गया है। इन दोनों महिला खिलाड़ियों के साथ ही भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर अक्षर पटेल भी 'प्लेयर ऑफ द मंथ' के लिए नॉमिनेट किए गए हैं। हरमन और मंधाना को महिला कैटेगरी तो वहीं अक्षर को पुरुष कैटेगरी में नॉमिनेट किया गया है। ये पहली बार है जब हरमनप्रीत या स्मृति को इस टाइटल के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है।अगर दोनों में से कोई एक ये टाइटल जीतती हैं तो ये पहली बार होगा जब कोई भारतीय महिला खिलाड़ी आईसीसी 'विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' का खिताब जीतेगी।

वनडे और टी-20 में किया है शानदार प्रदर्शन

मंधाना और हरमनप्रीत की इंग्लैंड में खेले गए वनडे और टी-20 मैच में खेली गई जोरदार पारी के लिए उन्हें इस अवॉर्ड के लिए नॉमिनेट किया गया है। हाल ही में हुई इंडिया-इंग्लैंड वनडे सीरीज में हरमन ने पहले और दूसरे मैच में 74 और 143 रनों की नाबाद पारी खेल कर भारत को जीत के नजदीक लाकर खड़ा कर दिया। उनके इस स्कोर की मदद से भारत इंग्लैंड से ये सीरीज 3-0 से जीत गया था। हरमनप्रीत कौर ने 3 वनडे मैचों की सीरीज में 103.26 की स्ट्राइक रेट से 221 रन बनाए हैं। साल 1999 में अंजुम चोपड़ा की कप्तानी में भारत इंग्लैंड की जमीन पर उनसे सीरीज जीता था। इसके बाद 23 साल के अंतराल पर हरमनप्रीत की कप्तानी में भारत ने इस जीत को दोहराया।

वहीं उपकप्तान स्मृति मंधाना का प्रदर्शन भी भारतीय टीम की जीत में उल्लेखनीय रहा है। डर्बी में हुई इंडिया-इंग्लैंड टी-20 सीरीज के दूसरे मैच में मंधाना ने 79 रनों की नाबाद पारी खेली। कैंटरबरी में खेले गए इंडिया-इंग्लैंड वनडे सीरीज के पहले मैच में भी स्मृति के बल्ले से 91 रन निकले।

अक्षर पटेल को आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया है। इस महीने अक्षर ने ऑस्ट्रेलिया और साउथ अफ्रीका के खिलाफ अपनी गेंदबाजी से सबको हैरान कर दिया था।

मिशन मेलबर्न पर रवाना टीम इंडिया : टी-20 वर्ल्ड कप से पहले 4 वार्म अप मैच खेलेगी

इंदौर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया मिशन मेलबर्न पर रवाना हो चुकी है। वहां उसे 23 अक्टूबर को पाकिस्तान के खिलाफ टी-20 वर्ल्ड कप में अपना पहला मुकाबला खेलना है। लिमिटेड ओवर फॉर्मेट के सबसे बड़े टूर्नामेंट का फाइनल भी इसी मैदान पर होगा।

28 दिनों के इस क्रिकेट महाकुंभ में हिस्सा लेने के लिए टीम इंडिया बुधवार-गुरुवार की रात कप्तान रोहित शर्मा के नेतृत्व में रवाना हुई। गुरुवार सुबह बीसीसीआई ने अपने ट्विटर हैंडल में फोटो पोस्ट कर टीम को शुभकामनाएं दीं। बोर्ड ने 'लेट्स डू इट#टीम इंडिया' लिखा।

टीम ऑस्ट्रेलिया में पर्थ को अपना बेस कैंप बनाएगी। उसे वर्ल्ड कप से पहले 4 वार्म अप मैच खेलने हैं। इनमें से 2 वर्ल्ड कप के ऑफिशियल वार्म अप मैच होंगे, जबकि 2 मैचों का आयोजन बीसीसीआई करा रहा है।

पर्थ में टीम को ऑस्ट्रेलिया इलेवन से 10 और 12 अक्टूबर को वार्म अप मैच खेलना है। उसके बाद 17 को ऑस्ट्रेलिया और 19 को न्यूजीलैंड से ब्रिस्बेन में अधिकृत वार्म अप मैच होंगे। इन मैचों से पहले टीम पर्थ में प्रैक्टिस करेगी।

टीम इंडिया ने दो दिन पहले साउथ अफ्रीका को 3 टी-20 इंटरनेशनल मैचों की सीरीज में 2-1 से परास्त कर दिया है। इससे पहले उसने कंगारुओं को अपने घर में 2-1 से मात दी थी।

कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में शूटिंग की वापसी

विक्टोरिया गेम्स के लिए खेलों का ऐलान; कुश्ती को बाहर किया गया

नई दिल्ली, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। विक्टोरिया कॉमनवेल्थ गेम्स-2026 में शामिल खेलों का ऐलान हो गया है। कॉमनवेल्थ गेम्स फेडरेशन ने बुधवार को इन गेम्स में शामिल खेलों की सूची जारी की। शूटिंग की वापसी हो गई है, जबकि कुश्ती को हटा लिया गया है। लिस्ट में 22 स्पोर्ट्स के 26 इवेंट्स शामिल किए गए हैं। इनमें नौ पैरा स्पोर्ट्स भी हैं।

जुलाई-अगस्त माह में बर्मिंघम में आयोजित कॉमनवेल्थ गेम्स में शूटिंग और आर्चरी शामिल नहीं था। वहां भारत ने 22 गोल्ड, 16 सिल्वर और 23 ब्रॉन्ज सहित 61 मेडल जीते हैं।

सबसे ज्यादा मेडल शूटर्स ने दिलाए हैं

गेम्स के इतिहास में नजर डालें तो भारत को सबसे ज्यादा मेडल शूटर्स ने ही दिलाए हैं। गेम्स में भारत ने अब तक 564 मेडल जीते हैं। इसमें 203 गोल्ड, 190 सिल्वर और 171 ब्रॉन्ज शामिल हैं। इनमें से शूटर्स ने 135 मेडल दिलाए हैं। इनमें 63 गोल्ड, 44 सिल्वर और 28 ब्रॉन्ज शामिल हैं। वहीं, रेसलिंग में भारत को 114 मेडल मिल हैं। इनमें गोल्ड की संख्या 49, सिल्वर की 39 और ब्रॉन्ज की 26 है।

गोल्फ, बीएमएक्स और रोइंग डेब्यू करेंगे

2026 में होने वाले इन गेम्स से गोल्फ, बीएमएक्स रेसिंग और कोस्टल रोइंग का डेब्यू होने जा रहा है। ये खेल 2028 में लॉस एंजिल्स में होने वाले ओलिंपिक गेम्स में भी शामिल हो सकते हैं। इन तीनों के अलावा 3X3 बॉस्केटबॉल, 3X3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल, शूटिंग, शूटिंग पैरा स्पोर्ट्स, माउंटेन बाइक क्रॉसकंट्री, ट्रैक साइक्लिंग एंड पैरा साइक्लिंग शामिल है।

राष्ट्रमंडल खेल-2026 में शामिल सभी खेल

एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स, बैडमिंटन (3X3 और (3X3 व्हीलचेयर), बॉक्सिंग, बीच वॉलीबॉल, कोएस्टल रोइंग, टी-20 क्रिकेट (विमेंस), साइक्लिंग (बीएमएस, माउंटेन बाइक, रोड, ट्रैक एंड पैरा), डाविंग, गोल्फ, जिम्नास्टिक, हॉकी, लॉन बॉउल्स और पैरा लॉन बाउल्स, नेटबॉल, पैरा पावर लिफ्टिंग, रग्बी सेविंस, शूटिंग और पैरा शूटिंग, स्क्वॉयश, टेबल टेनिस और पैरा टेबल टेनिस, ट्रायलथलॉन और पैरा ट्रायलथॉन व वेट लिफ्टिंग।

बुमराह ने ट्रोलर्स को इशारों ही इशारो में 'कुत्ता' कहा

जसप्रीत को फिटनेस के नाम पर ट्रोल कर रहे थे यूजर्स

बेंगलुरू, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ने अपने ट्रोलर्स (आलोचकों) को कुत्ता कहा है। 28 साल के इस तेज गेंदबाज ने बगैर किसी का नाम लिए अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक कोट शेयर किया है। जिसमें लिखा है- 'आप कभी भी अपनी मंजिल तक नहीं पहुंचेंगे, अगर आप रुककर हर भौंकने वाले कुत्ते को पत्थर मारेंगे।' इसे ट्रोलर्स को बुमराह के जवाब के तौर पर देखा जा रहा है।

पीठ की चोट के कारण टी-20 वर्ल्ड कप से बाहर होने पर सोशल यूजर जसप्रीत बुमराह को यह कहकर ट्रोल कर रहे थे- 'आईपीएल के दौरान बुमराह की फिट रहते हैं। जबकि बड़े टूर्नामेंट से पहले चोटिल हो जाते हैं।'

कुछ दिन पहले भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पीठ की चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया में होने जा रहे वर्ल्ड कप से बाहर हो गए थे।

शमी हो सकते हैं टी-20 वर्ल्ड कप टीम में शामिल

द्रविड़ और रोहित ने दिया संकेत, बोले- हमें ऐसे खिलाड़ी की तलाश जिसे ऑस्ट्रेलियाई पिच का अनुभव हो

इंदौर, 6 अक्टूबर (एजेंसियां)। जसप्रीत बुमराह की पीठ की चोट ने उन्हें ऑस्ट्रेलिया में आयोजित होने जा रहे टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इंडियन टीम से बाहर कर दिया है। ऐसे में इंडियन टीम में एक फास्ट बॉलर की कमी खलने लगी है। गौरतलब है कि 16 अक्टूबर से शुरू होने जा रहे वर्ल्ड कप के सभी मैच ऑस्ट्रेलिया में खेले जाएंगे। ऑस्ट्रेलिया की पिचों को ध्यान में रखते हुए इंडिया को फास्ट बॉलर्स की सख्त जरूरत है। वर्ल्ड कप से पहले खेली गई इंडिया-ऑस्ट्रेलिया और इंडिया-साउथ अफ्रीका टी-20 सीरीज में इंडिया के गेंदबाज प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं कर सके हैं। इस सब के बीच बुमराह के चोटिल होने से टीम के बॉलिंग लाइन-अप पर सवाल खड़े हो रहे हैं। भारत के पास बुमराह के रिप्लेसमेंट का नाम देने के लिए 15 अक्टूबर तक का समय है। इसी बीच टीम के कोच राहुल द्रविड़ और कप्तान रोहित शर्मा ने इशारा किया है कि टीम में मोहम्मद शमी बुमराह की जगह ले सकते हैं। शमी ने टी-20 फॉर्मेट में आखिरी बार पिछले साल टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान यूएई के खिलाफ मैच खेला था।

ईसीआई से टीआरएस का नाम बीआरएस के रूप में बदलने का आग्रह

बुधवार को दशहरा के अवसर पर तेलंगाना भवन में आयोजित टीआरएस पार्टी की आमसभा में पार्टी सुप्रीमो सीएम केसीआर ने टीआरएस का नाम बदलकर बीआरएस करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। इस अवसर पर पार्टी के सभी सांसद, विधायक, मंत्री के अलावा कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के नेता एचडी कुमारस्वामी भी उपस्थित रहे। गुरुवार को नई दिल्ली में चुनाव आयोग से मुलाकात कर बाहर आते हुए सांसद विनोद कुमार व अन्य।

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना राष्ट्र समिति (टीआरएस) के नेताओं ने गुरुवार को भारत के चुनाव आयोग से संपर्क किया तथा पार्टी का नाम भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के रूप में बदलने की मांग की। पूर्व सांसद बोइनपल्ली विनोद कुमार के नेतृत्व में टीआरएस नेताओं ने नई दिल्ली में भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) के अधिकारियों से मुलाकात की और टीआरएस आम सभा की बैठक में अपनाए गए प्रस्ताव की एक प्रति सौंपी।

इस अवसर पर बोलते हुए, विनोद कुमार ने कहा कि उन्होंने चुनाव आयोग को हैदराबाद में पार्टी अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव की अध्यक्षता में हुई बैठक में लिए गए निर्णय के बारे में सूचित किया है। उन्होंने कहा कि जनप्रतिनिधित्व कानून की धारा 29ए और उपखंड 9 के तहत किसी भी राजनीतिक दल को अपने नाम या पते में बदलाव की सूचना तत्काल चुनाव आयोग को देनी होगी।

विनोद कुमार ने कहा कि बिना समय बर्बाद किए, हमने चुनाव आयोग को बैठक में पारित प्रस्ताव के बारे में सूचित करते हुए एक पत्र सौंपा है।

चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि वे यदि कोई आपत्तियां हों इन पर विचार करने के बाद आगे की कार्रवाई करेंगे। बीआरएस नाम के कुछ दलों के अस्तित्व के बारे में एक सवाल के जवाब में, विनोद कुमार ने कहा कि छोटा नाम कोई मुद्दा नहीं है, नाम अलग है।

हालांकि, विनोद कुमार ने बीआरएस की नीतियों और कार्यक्रमों के बारे में किसी भी सवाल का जवाब देने से इंकार कर दिया। उन्होंने कहा कि पार्टी अध्यक्ष केसीआर सभी सवालों के जवाब देने के लिए मीडिया को संबोधित करेंगे।

इस महीने के अंत में दिल्ली में एक कार्यक्रम आयोजित किए जाने की संभावना है, जहां केसीआर विभिन्न क्षेत्रीय दलों के नेताओं की मौजूदगी में औपचारिक रूप से राष्ट्रीय पार्टी का शुभारंभ करेंगे।

गौरतलब है कि 5 अक्टूबर को केसीआर ने यहां तेलंगाना भवन में पार्टी की आम सभा की बैठक की और देश भर में अपनी गतिविधियों के विस्तार के लिए टीआरएस का नाम बदलकर बीआरएस करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया। बैठक में इस संबंध में पार्टी संविधान में भी संशोधन किया गया।

नई पार्टी के गुलाबी रंग और कार के चुनाव चिन्ह को बरकरार रखने की संभावना है। हालांकि, एक राष्ट्रीय पार्टी के रूप में बीआरएस का पंजीकरण 2024 के लोकसभा चुनावों में उसके द्वारा प्राप्त किए जा सकने वाले मतों की संख्या पर निर्भर करेगा। तब तक, टीआरएस एक राज्य पार्टी के रूप में बनी रहेगी।

टीआरएस प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से की मुलाकात

कर्नाटक में आगामी चुनाव में एक साथ लड़ेंगे जेडीएस व बीआरएस : कुमारस्वामी

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री और जनता दल-सेक्युलर (जेडीएस) के नेता एचडी कुमारस्वामी ने कहा कि उनकी पार्टी भविष्य में के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व में नवगठित भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के साथ गठबंधन सहयोगी होगी और कर्नाटक में आगामी चुनाव में एक साथ लड़ेंगे। उन्होंने बुधवार को यहां केसीआर द्वारा की गई नई पार्टी की घोषणा के पश्चात मीडिया से बात करते हुए बताया कि हमने 2023 के विधानसभा चुनाव और 2024 के लोकसभा चुनावों में एक साथ काम करने का फैसला किया है। कर्नाटक में केरल, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना में राज्य को भाजपा और कांग्रेस से मुक्त करने का माहौल है। हम इस पर काम करेंगे। हालांकि ऐसी अफवाहें हैं कि बीआरएस कर्नाटक में 2023 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी, लेकिन इस तरह की कोई स्पष्टता नहीं है। चूंकि जेडीएस के केवल 123 सीटों पर चुनाव लड़ने की उम्मीद है, इसलिए वह चुनिंदा सीटों पर बीआरएस का समर्थन कर सकती है, खासकर उन विधानसभा क्षेत्रों में जो तेलंगाना और एपी के साथ सीमा साझा करते हैं, जिसमें तेलुगु भाषी आबादी निर्णायक कारक है। यदि यह काम करता है, तो जेडीएस और बीआरएस 2024 के लोकसभा चुनावों में व्यवस्था को जारी रख सकते हैं।

अलाई-बलाई कार्यक्रम तेलंगाना संस्कृति का हिस्सा : चिरंजीवी

प्रदर्शनी मैदान में आयोजित अलाई-बलाई कार्यक्रम में कई प्रमुख हस्तियों ने भाग लिया

प्रदर्शनी मैदान में आयोजित अलाई-बलाई कार्यक्रम में मंचासीन हैं हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, केरल के राज्यपाल आरिफ अहमद खान, मेगास्टार चिरंजीवी, अभा वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व सांसद डॉ. गिरीश कुमार संघी व अन्य गणमान्य।

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। हमेशा की तरह, हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय के परिवार के सदस्यों द्वारा यहां नामपल्ली के प्रदर्शनी मैदान में अलाई-बलाई कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का संचालन दत्तात्रेय बंडारू की पुत्री विजयलक्ष्मी ने किया। दत्तात्रेय 2005 से इस कार्यक्रम को आयोजित कर रहे हैं। केरल के राज्यपाल आरिफ अहमद खान, मेगास्टार चिरंजीवी, अभा वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तथा पूर्व सांसद डॉ. गिरीशकुमार संघी और अन्य ने कार्यक्रम में भाग लिया।

इस अवसर पर बोलते हुए, आरिफ अहमद खान ने मेगास्टार चिरंजीवी से अलाई-बलाई कार्यक्रम के आसपास एक फिल्म बनाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना राज्य में अच्छी संस्कृति और परंपराएं हैं। उन्होंने दत्तात्रेय द्वारा शुरू किए गए कार्यक्रम को बेहतरीन बताया। उन्होंने लोगों से ऐसे कार्यक्रमों से प्रेरणा लेने के लिए कहा और कहा कि कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सभी लोगों से प्यार करने के संदेश का प्रचार करना है। उन्होंने कहा कि सभी को इस सिद्धांत का पालन करना चाहिए कि सभी मनुष्य एक समान हैं।

मेगास्टार चिरंजीवी ने कहा कि अलाई-बलाई कार्यक्रम तेलंगाना संस्कृति का हिस्सा है। यह कहते हुए कि वह लंबे समय से कार्यक्रम में शामिल होने की योजना बना रहे हैं और कहा कि हरियाणा के राज्यपाल दत्तात्रेय ने व्यक्तिगत रूप से उनके घर का दौरा किया और उन्हें व्यक्तिगत निमंत्रण दिया। उन्होंने याद किया कि उनके भाई पवन कल्याण और बहनोई अल्लू अरविंद भी पूर्व में इस कार्यक्रम में शामिल हुए थे। उन्होंने कहा कि दत्तात्रेय ने ही अलाई-बलाई कार्यक्रम का खूब प्रचार किया। उन्होंने कामना की कि यह कार्यक्रम पूरे देश में आयोजित किया जाना चाहिए क्योंकि यह लोगों के बीच प्रेम और बंधुत्व का प्रचार करता है।

दमरे ने खानापुर-लातूर सड़क खंड के बीच 98.7 किलोमीटर मार्ग विद्युतीकरण शुरू किया

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। दक्षिण मध्य रेलवे "मिशन विद्युतीकरण" को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए, युद्ध स्तर पर विद्युतीकरण कार्यों को पूरा कर रहा है। इस संबंध में, कर्नाटक और महाराष्ट्र दोनों राज्यों को कवर करते हुए खानपुर-लातूर रोड स्टेशनों के बीच एक बार में 98.7 किलोमीटर के विशाल विद्युतीकरण का काम पूरा कर लिया गया है।

यह खंड विकाराबाद-परली वैजनाथ विद्युतीकरण परियोजना के हिस्से के रूप में पूरा हुआ है। इसके साथ, विकाराबाद-लातूर रोड के बीच लगातार 204 किलोमीटर का विद्युतीकरण किया जाता है। खानपुर-लातूर रोड के बीच 98.7 मार्ग किलोमीटर की दूरी विकाराबाद-परली वैजनाथ विद्युतीकरण परियोजना का हिस्सा है, जिसे वर्ष 2018-19 में 269 किलोमीटर की दूरी के लिए 262 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत पर स्वीकृत किया गया था। जबकि विकाराबाद-कोहिर डेक्कन (45 किलोमीटर की दूरी के लिए) के बीच मार्च, 2021 में शुरू किया गया था, कोहिर डेक्कन-खानापुर (60.4 किलोमीटर की दूरी के लिए) के बीच का खंड जनवरी, 2021 में पूरा किया गया था। वर्तमान में 98.7 रूट किलोमीटर विद्युतीकरण पूरा हो चुका है, जिसमें से 46.8 किलोमीटर महाराष्ट्र में और 51.9 किलोमीटर कर्नाटक में पड़ता है। लातूर रोड और बीदर से दक्षिणी दिशा की ओर जाने वाली और समाप्त होने वाली ट्रेनें अब विद्युत कर्षण के साथ चल सकती हैं, जिससे निर्बाध परिवहन में मदद मिलेगी। शेष खंड अर्थात् लातूर रोड-परली वैजनाथ में कार्य तेजी से प्रगति पर है। इन रेलवे लाइनों के विद्युतीकरण से तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र राज्यों में रेल के बुनियादी ढांचे को काफी मजबूती मिलेगी और मार्ग में अवरोधों को कम करने के अलावा माल और यात्री यातायात की निर्बाध आवाजाही प्रदान करेगा।

तेदेपा के नक्शेकदम पर चलने लगी है टीआरएस : जीवन रेड्डी

हैदराबाद, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। सत्तारूढ़ टीआरएस अध्यक्ष के. चंद्रशेखर राव के अपनी पार्टी को भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) में बदलने के फैसले पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए, कांग्रेस एमएलसी टी. जीवन रेड्डी ने आज मज़ाक उड़ाया कि टीआरएस पार्टी ने टीडीपी के नक्शेकदम पर चलते हुए खुद को एक राष्ट्रीय राजनीतिक दल में बदल रही है। उन्होंने कहा कि टीआरएस और तेदेपा दोनों ही राज्य में विशेष परिस्थितियों में बनी हैं।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए, जीवन रेड्डी ने आरोप लगाया कि दोनों दलों ने अपनी विफलताओं को छिपाने के लिए खुद को राष्ट्रीय राजनीतिक दलों में बदल लिया। उन्होंने कहा कि बीआरएस द्वारा विजया दशमी पर्व को चिह्नित करने की घोषणा के साथ ही राज्य से जुड़ी बदकिस्मती दूर हो गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि तेलंगाना की कर्ज में डूबी स्थिति के लिए सीएम केसीआर की अक्षमता जिम्मेदार है। उन्होंने उपहास किया कि सीएम अपनी प्रशासनिक विफलताओं से बचने के लिए अपनी राजनीति करने के लिए देश को निशाना बना रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम नदी जल आवंटन में राज्य का हिस्सा हासिल करने में विफल रहे। उन्होंने केसीआर से पूछा कि क्या यह उनकी विफलता है या आंध्र प्रदेश के अपने समकक्ष वाईएस जगनमोहन रेड्डी के साथ गुप्त समझौते का नतीजा है? उन्होंने केसीआर से पूछा कि तत्कालीन खम्मम जिले के सात मंडलों को पड़ोसी आंध्र प्रदेश राज्य में मिलाने पर उन्होंने क्या किया? उन्होंने कहा कि पोलावरम परियोजना की जलमग्न समस्या के कारण राज्य ने सिलेरू बिजली परियोजना खो दी है।

दशहरे के तहत पारंपरिक लाठी लड़ाई में 70 से अधिक घायल

अमरावती, 6 अक्टूबर (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के कुर्नूल जिले में दशहरा समारोह के दौरान पारंपरिक लड़ाई में 70 से अधिक लोग घायल हो गए। हर साल की तरह, बुधवार की देर रात होलागोंडा 'मंडल' (ब्लॉक) के देवरगट्टू गांव में उत्सव के हिस्से के रूप में आयोजित बन्नी उत्सव के दौरान दो समूहों ने एक-दूसरे पर लाठियों से हमला किया। घायलों को अदोनी और अलूर के अस्पतालों में भर्ती कराया गया और उनमें से कुछ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक पहाड़ी पर स्थित माला मल्लेश्वर स्वामी मंदिर में दशहरा समारोह के हिस्से के रूप में हर साल छड़ी-लड़ाई का आयोजन किया जाता है। अतीत की तरह, ग्रामीणों ने लड़ाई आयोजित करने के लिए पुलिस के आदेशों की अवहेलना की, जिसे वे अपनी परंपरा का हिस्सा होने का दावा करते हैं।

वार्षिक उत्सव के हिस्से के रूप में, विभिन्न गांवों के लोग देवता की मूर्तियों को सुरक्षित करने के लिए लाठी-डंडों से लड़ने के लिए दो समूहों में विभाजित होते हैं। इस साल बारिश के कारण लड़ाई में देरी हुई थी। मारपीट के कारण इलाके में जबरदस्त जाम लग गया। समारोह में शामिल होने के लिए रास्ते में एक लड़के की मौत हो गई।

लड़के की पहचान कर्नाटक के रहने वाले रविंद्रनाथ रेड्डी के रूप में हुई है। पुलिस ने कहा कि उसे कार्डिएक अरेस्ट से मौत का संदेह है। हर साल, मंदिर के आसपास के गांवों के लोग दो समूहों में बंट जाते हैं और मूर्तियों को अपने नियंत्रण में लेने के लिए लाठियों से लड़ते हैं।

नेरानिकी, नेरानिकी टांडा और कोट्टापेटा गांवों के ग्रामीण अरीकेरा, अरीकेरा टांडा, सुलुवई, एलारथी, कुरुकुंडा, बिलेहाल, विरुपपुरम और अन्य गांवों के भक्तों से लड़ते हैं। वे बेरहमी से एक-दूसरे पर लाठियों से हमला करते हैं और लड़ाई में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो जाते हैं। हालांकि, भक्त इन चोटों को एक अच्छा शगुन मानते हैं। ग्रामीणों को लड़ाई आयोजित करने से रोकने के लिए अधिकारियों द्वारा किए गए प्रयासों का कोई नतीजा नहीं निकला है। हर साल, पुलिस लड़ाई को रोकने के लिए बल तैनात करती है लेकिन ग्रामीण आदेशों की अवहेलना करते हैं और लड़ाई का आयोजन करते हैं।

ग्रामीणों का मानना है कि भगवान शिव ने भैरव का रूप धारण किया और दो राक्षसों, मणि और मल्लसुर को लाठी से मार दिया। विजयदशमी के दिन ग्रामीणों ने यह दृश्य बनाया। दानव पक्ष के ग्रामीणों का समूह भगवान की टीम कहे जाने वाले प्रतिद्वंद्वी समूह से मूर्तियों को छीनने का प्रयास करता है। वे मूर्तियों पर नियंत्रण पाने के लिए लाठियों से लड़ते हैं।

कुरनूल के विभिन्न हिस्सों और आसपास के जिलों और तेलंगाना और कर्नाटक जैसे पड़ोसी राज्यों के हजारों लोग पारंपरिक लड़ाई को देखने के लिए गांव में इकट्ठा होते हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

CHANGE OF NAME

I, JC-843820F Sub **SEKH YUNUS** S/o SHAIK IBRAHIM, Resident of Vil & Po Jadupur. Teh: Bnhubaneswar. Dist: Khurda (Odisha) -751019. My Son's name was wrongly entered in my service records as **SHAIK ANWAR AHMED** instead of **SHAIK ANWAR.** Hence after all my Son's document will be continue with his new name **SHAIK ANWAR** Vide affidavit No. 14690. Dt. 28-09-2022.

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.